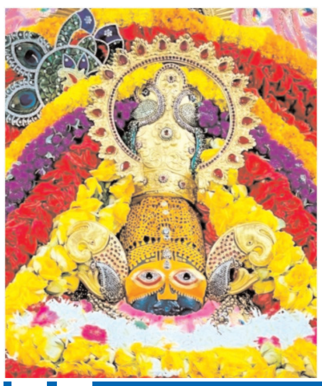

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:318। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 09 जुलाई 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

दशकों पुराना विवाद सुलझाः नर्मदा परियोजना पर चार राज्यों में समझौता, गृह मंत्री शाह की उपस्थिति में बनी सहमति

एजेंसी

अयोध्या। नर्मदा नदी से जुड़े विस्थापन और भूमि मुआवजे के दशकों पुराने विवाद का समाधान हो गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के बीच एक समझौते पर सहमति बनी है।

क्या बोले गृह मंत्री शाह?

शाह ने कहा, नर्मदा परियोजना के कारण बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के विस्थापन और भूमि मुआवजे को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा था। अब चारों राज्यों ने आपसी सहमति से इस मामले का समाधान करने पर सहमति जताई है। इस परियोजना से विशेषकर मध्य प्रदेश, गुजरात और राजस्थान को लाभ हुआ। बांध पूरा होने से इन राज्यों में हर जगह पानी और बिजली पहुंची। राजस्थान को हुआ लाभ दिखने में छोटा लग सकता है, लेकिन जिस भूमि तक नर्मदा का पानी पहुंचा है, वहां भूमि का मूल्य और किसान की किस्मत दोनों बदल गई है। गृह मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल सुरक्षा को मजबूत करने और जल क्षेत्र में सहकारी संघवाद को बढ़ावा देने के लिए कई ऐतिहासिक पहल की गई हैं। कई राज्यों में डबल इंजन सरकार बनने का लाभ हुआ है, जिससे एक-दूसरे को समझने की क्षमता बढ़ी है। राजनीतिक मुद्दे कम हुए हैं और देश के अनेक विवाद अब तेजी से सुलझाए जा रहे हैं।

जल विवादों के समाधान में प्रगति- गृह मंत्री ने कहा, हाल के समय में राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे कई जल विवादों के समाधान में भी प्रगति हुई है। पिछले महीने 29 जून को राजस्थान और हरियाणा के बीच भी सहमति बनी थी। दोनों राज्यों ने लगभग 30 साल पुराने विवाद को खत्म करते हुए यमुना जल परियोजना के निर्माण व क्रियान्वयन के लिए समझौता किया था। इसके अलावा 16 जून को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान ने यमुना नदी के पुनर्जीवन के लिए किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर सहमति जताई थी। इन समझौतों से राज्यों के बीच सहयोग और संसाधनों के बेहतर उपयोग का रास्ता मजबूत होगा।

अगले पांच दिनों तक महाराष्ट्र में तूफानी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

मुंबई। मुंबई मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के लिए महाराष्ट्र के मौसम का अनुमान जारी किया है। इसमें अगले पांच दिनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गरज-चमक के साथ तूफानी बारिश की चेतावनी दी गई है। कुछ हिस्सों में हीट वेव की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने पालघर, नासिक घाट और पुणे घाट इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया था। इसी तरह मुंबई शहर, मुंबई के उपनगरों, सिंधुदुर्ग, रत्नागिरी, रायगढ़, कोल्हापुर घाट, अहिल्यानगर, धुले जलगांव, वाशिम और वर्धा, नागपुर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया था। जबकि ठाणे, रायगढ़, नासिक, नंदुरबार, बुलढाणा, अकोला, सतारा घाट और अमरावती के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया था। मौसम विभाग ने लिए पालघर, नासिक घाट, रायगढ़, रत्नागिरी, कोल्हापुर घाट, बुलढाणा, अकोला, अमरावती और वर्धा में येलो अलर्ट और पुणे घाट, सतारा घाट इलाकों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को रत्नागिरी, सतारा घाट, पुणे घाट, खंडाला घाट, चंद्रपुर और ग़डचिरोली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार के लिए वर्धा, चंद्रपुर, गडचिरोली और यवतमाल जिले के लिए येलो अलर्ट रहेगा. शनिवार को अमरावती, वर्धा, नागपुर और चंद्रपुर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सब्र किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह एक्स हैंडल पर एक सुभाषितम् साझा कर धैर्य के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि सब्र किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत है। यह देश को सबसे मुश्किल चुनौतियों के बीच भी एकजुट रहने और लगातार तरक्की, खुशहाली और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि चलते हुए पहाड़ भी एक युग के आखिर में हवा से हिल सकते हैं। फिर भी, पक्के इरादे वाले का स्थिर मन मुश्किल हालात में भी कभी नहीं डगमगाता। यह सुभाषितम् इस प्रकार है, चलन्ति गिरयः कामं युगान्तपवनाहताः । कृच्छ्रेऽपि न चलत्येव धीराणां निश्चलं मनः ॥

इसका अर्थ है- प्रलयकाल की भयंकर आंधी के प्रभाव से भले ही विशाल पर्वत भी अपनी जगह से हिलकर डगमगा जाएं, लेकिन गंभीर कष्ट या संकट आने पर भी धीर (वीर और समझदार) पुरुषों का मन अपने संकल्प से कभी विचलित नहीं होता। यह श्लोक सीख देता है कि विकट परिस्थितियों में भी व्यक्ति को अपना मानसिक संतुलन और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए।

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सीएम योगी और रेखा गुप्ता समेत कई बड़े नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता समेत और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल समेत कई नेताओं ने उनके सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'जननायक, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। सड़क से लेकर सदन तक वे उपेक्षितों, पीड़ितों और वंचितों की आवाज बने रहे। उनकी सादगी, वैचारिक दृढ़ता और समाज के अंतिम व्यक्ति के प्रति संवेदनशीलता देश के लोकतंत्र को आज भी राह दिखाती है।' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि देते हुए पोस्ट किया, 'सादगी, साहस और सिद्धांतनिष्ठ राजनीति के लिए उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। राष्ट्रहित के प्रति उनका समर्पण भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। ' राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भजनलाल शर्मा ने लिखा, 'उनका सादगीपूर्ण जीवन, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ' मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लिखा, 'पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। ' केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, 'लोकप्रिय जननेता और ओजस्वी वक्ता व भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। लोकतांत्रिक मूल्यों, शोषितों एवं वंचितों के समग्र उत्थान के लिए आपके प्रखर विचार व कृतित्व सदैव स्मरणीय रहेंगे। ' केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लिखा, 'महान नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि पर कोटि-कोटि नमन। राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए जनसेवा के लिए उनका समर्पण और संघर्ष भारतीय राजनीति में सदैव स्मरणीय रहेगा। '

भारत और रवांडा ने बढ़ाया रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यास पर बनी सहमति

नई दिल्ली। भारत और रवांडा ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देशों के बीच सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, मेडिकल सहयोग और रक्षा उद्योग जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का फैसला किया गया है। इससे भारत-रवांडा के बीच रक्षा संबंध और मजबूत होंगे। रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक?स' पर लिखा, 'भारत-रवांडा जॉइंट डिफेंस कोऑपरेशन कमेटी (जेडीसीसी) की दूसरी बैठक 6-7 जुलाई 2026 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भारत की ओर से संयुक्त सचिव (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) अमिताभ प्रसाद और रवांडा की ओर से ब्रिगेडियर जनरल लुइस कनोबायरे ने की। दोनों पक्षों ने सैन्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, मेडिकल सहयोग और रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।' सोमवार को रवांडा के प्रतिनिधिमंडल ने भारत और रवांडा के बीच दूसरी जॉइंट डिफेंस कोऑपरेशन कमेटी की बैठक से पहले नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीद सैनिकों को सम्मान देने के लिए पुष्पांजलि अर्पित की।

बिहार और केरल के राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नितिन गडकरी ने दिए तेजी लाने के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बिहार और केरल में चल रही राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। नई दिल्ली में आयोजित बैठक में उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति का आकलन किया और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, बैठक के दौरान गडकरी ने संबंधित परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यान्वयन एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के निर्धारित लक्ष्य समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं ताकि जनता को जल्द से जल्द उनका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि इन रणनीतिक राजमार्ग गलियारों के समय पर पूरा होने से क्षेत्रीय संपर्क व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा। इससे यात्रा समय और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी तथा देश के सड़क अवसंरचना नेटवर्क को अधिक आधुनिक, कुशल और भविष्य के अनुरूप बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय सड़क अवसंरचना के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारा परियोजनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

छत्तीसगढ़ के रायपुर के थ्रीडी फैक्टरी में भीषण सिलेंडर ब्लास्ट, तीन मजदूरों की मौत

विस्फोट के कारण मृतकों के शरीर के अंग फैक्टरी परिसर में अलग-अलग स्थानों पर बिखर गए।

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के उरला थाना क्षेत्र के अंतर्गत बेंद्री स्थित थ्रीडी फैक्टरी में एक भीषण सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है। इस हादसे में अभी तक तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई है।

कुछ मजदूरों के इस घटना में घायल होने की सूचना है। घटना की सूचना मिलते ही उरला पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम और फैक्टरी प्रबंधन की टीम भी मौके पर पहुंच गई है। राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। नॉर्थ जोन के डीसीपी मयंक गुर्जर ने बताया कि 3डी फैक्टरी में शाम को सिलेंडर ब्लास्ट हुआ है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। इस घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ब्लास्ट के बाद फैक्टरी का मंजर बेहद भयावह था। विस्फोट के कारण मृतकों के शरीर के अंग फैक्टरी परिसर में अलग-अलग स्थानों पर बिखर गए। मृतकों में कमल सिंह ने अस्पताल ले जाते वक्त दम तोड़ दिया। जबकि लाल सिंह और अरुण पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। कमल सिंह और लाल सिंह मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के रहने वाले थे। 19 वर्षीय अरुण पांडे जांजगीर चांपा जिले का रहने वाला था। इस फैक्टरी में पिग आयरन बनाने का काम होता है। जिसमें गाड़ियों के पुर्जे तैयार किए जाते हैं।

पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर फैक्टरी के आसपास के इलाके को खाली करा दिया है। विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और प्रशासन मामले की जांच में जुट गई है।

खाकी के साए में मौत का व्यापारः जेल से छूटा दागी सिपाही 'हनु कामड़िया' बना करजन का नया आका! सीएम-डिप्टी सीएम के आदेशों को ठेंगा

पीआई पटेल का अभयदान और एलसीबी की मलाईदार खामोशीः कुराली से करमडी तक मौत का सामान बेचती खाखी वर्दी! क्या एसपी अग्रवाल इस करप्शन के किले को ढहाएंगे या जनता फिर किसी लट्ठाकांड की भेंट चढ़ेगी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

वडोदरा / करजन। गुजरात सरकार भले ही गांधीनगर से 'जीरो टॉलरेंस' और 'क्लीन गवर्नेंस' के कितने ही खोखले दावे करे, लेकिन वडोदरा जिले के करजन तालुका में इन तमाम दावों का जनाजा निकल चुका है। करजन पुलिस स्टेशन की हद में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज बची ही नहीं है। यहां असली हुकूमत कानून की नहीं, बल्कि खाकी वर्दी की आड़ में फल-फूल रहे एक खूंखार और बेलगाम सिंडिकेट की चल रही है। जेल की हवा खाकर आया एक भ्रष्ट कॉन्स्टेबल हनुभा उर्फ हनु कामड़िया इस समय करजन का अघोषित डॉन बनकर पूरे इलाके को नशे के दलदल में धकेल रहा है।

मौत की फैक्ट्रियां और जुए के अड्डेः करजन के 4 'डेंजर ज़ोन'

कुराली (पानी की टंकी के पास): नई नगरी में कानून के खौफ के बिना सरेआम वरली मटका का जुआ क्लब धड़ल्ले से चल रहा है। युवा पीढ़ी अपनी मेहनत की कमाई यहां हार रही है और स्थानीय बीट पुलिस मूकदर्शक बनी बैठी है। सापा गांव (नई वसाहत): वडोदरा शहर के शातिर जुआरियों और असामाजिक तत्वों के लिए यह गांव 'सेफ हेवन' (सुरक्षित ठिकाना) बन चुका है। सूत्रों के मुताबिक, बाहर से आने वाली गाड़ियों के लिए खास तौर पर पुलिस प्रोटेक्शन की व्यवस्था की जाती है। कंडारी गांवः यह पूरा गांव अवैध देसी शराब के बिक्री केंद्रों में तब्दील हो चुका है। गली-गली में जहर बिक रहा है, मानो पुलिस थाना नहीं बल्कि बूटलेगरों का कॉर्पोरेट दफ्तर चल रहा हो। करमडी गांवः यह गांव चौबीसों घंटे जहरीली और केमिकल युक्त देसी शराब उबालने वाली भट्टियों का मुख्य हब बन गया है। यहां ऐसे जानलेवा केमिकल का इस्तेमाल किया जा रहा है, जो कभी भी करजन की धरती पर भयानक 'लट्ठाकांड' (जहरीली शराब कांड) को अंजाम दे सकता है। क्या यह भ्रष्ट सिस्टम मासूमों की लाशों के ढेर देखने के बाद ही जागेगा?

23 लाख के शराब घोटाले का आरोपी हनु कामड़िया दोबारा 'कमाऊ पूत' कैसे बना?

इस पूरे काले साम्राज्य का असली मास्टरमाइंड करजन पुलिस का ही दागी कॉन्स्टेबल हनु कामड़िया है। यह वही हनुभा है जो पहले 23 लाख रुपये की विदेशी शराब के बड़े घोटाले में बूटलेगरों के साथ सीधी पार्टनरशिप के आरोप में जेल जा चुका है और जिसे जिले से बाहर खदेड़ दिया गया था।

लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जेल रिटर्न होने के बावजूद किस बड़े राजनीतिक आका के इशारे पर इस भ्रष्ट सिपाही को दोबारा करजन में ही मलाईदार 'वहीवटदार' (सिंडिकेट मैनेजर) की कुर्सी सौंप दी गई? करजन के पी.आई. पटेल के लिए यह हनु कामड़िया इस समय सोने का अंडा देने वाली मुर्गी साबित हो रहा है। पी.आई. पटेल के सीधे संरक्षण में हनु रोज बूटलेगरों के साथ बैठकें कर विदेशी शराब की खेप उतरवा रहा है और इस काली कमाई से उसने करोड़ों रुपये की बेनामी संपत्ति खड़ी कर ली है।

एलसीबी मौन, गृहमंत्री के आदेश फेलः गांधीनगर SMC कब करेगी कार्रवाई?

करजन की सीमा पर आते ही राज्य के गृहमंत्री और आला अधिकारियों के कड़े आदेश भी दम तोड़ देते हैं। सिर्फ शराब और जुआ ही नहीं, करजन में अब गांजा और चरस जैसे जानलेवा नशे का नेटवर्क भी पूरी तरह एक्टिव हो चुका है। जिले की लोकल क्राइम ब्रांच भी इन अड्डों पर कार्रवाई करने के बजाय आंखें मूंदे बैठी है। सूत्रों का सनसनीखेज आरोप है कि वहीवटदार हनु कामड़िया हर महीने लाखों रुपये का 'हफ्ता' ऊपर तक पहुंचाने का काम करता है। इस वजह से उसकी दबंगई इतनी बढ़ गई है कि वह मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रसूख को भी कुछ नहीं समझता। इस गंभीर मामले की लिखित शिकायतें सबूतों के साथ गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल तक भी पहुंच चुकी हैं।

'महानगर मेट्रो' के सीधे और धारदार सवालः

1. वडोदरा जिला पुलिस कप्तान अग्रवाल साहब, आपकी नाक के नीचे एक जेल रिटर्न सिपाही पूरा तालुका पुलिस स्टेशन ऑपरेट कर रहा है। क्या आप इस भ्रष्ट वहीवटदार हनु कामड़िया और पीआई पटेल को तत्काल सस्पेंड कर इनकी करोड़ों की बेनामी संपत्ति की जांच विजिलेंस या एसीबी को सौंपेंगे?

2. गांधीनगर की स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्स्ष्ट) करजन के इन चार डेंजर ज़ोन पर कब गुप्त छापेमारी कर इस खाकी-बूटलेगर नेक्सस की रीढ़ तोड़ेगी?

3. राजनीतिक आकाओं के दम पर कूदने वाले इन भ्रष्ट कर्मचारियों और अपराधियों के खिलाफ सरकार कब कड़े कानूनी कदम उठाकर इन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजेगी?

हमारा खुला चैलेंजः

करजन की जनता अब इस नरक और हफ्ताखोरी के सिस्टम से त्रस्त हो चुकी है। अगर करजन में चल रहा यह मौत का कारोबार और करोड़ों का भ्रष्टाचार तुरंत बंद नहीं किया गया, तो 'महानगर मेट्रो' अगले अंक में इस भ्रष्ट तिकड़ी के ऑडियो-वीडियो सबूतों और करोड़ों की बेनामी संपत्तियों के आधिकारिक दस्तावेजों के साथ ऐसा महाविस्फोट करेगी कि गांधीनगर तक की कुर्सी हिल जाएगी! तैयार रहिएगा!

ठाणे में देश के सबसे बड़े 'जुआ सिंडिकेट' का भंडाफोड़

वरतकर नगर पुलिस और नेताओं की सांठगांठ का सनसनीखेज पर्दाफाश: 'राजा ठाकुर' के रसूख के आगे कमिश्नरेट लाचार?

यीयूर की पहाड़ियों में चल रहा है अवैध मिनी कसीनो; रोज उड़ रहे हैं अरबों रुपये

सुपर एक्सक्लूसिव

महानगर मेट्रो की विशेष रिपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

ठाणे। एक तरफ जहां मुंबई से सटे ठाणे शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इसी शहर की छाती पर कानून-व्यवस्था की ऐसी धज्जियां उड़ रही हैं जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और सदन के भीतर राज्य की सुरक्षा पर लंबी-चौड़ी चर्चाएं हो रही हैं। लेकिन सदन से महज कुछ किलोमीटर दूर, वरतकर नगर पुलिस स्टेशन की हद में जो खेल चल रहा है, उसने पूरे गृह विभाग को कटघरे में खड़ा कर दिया है। विश्वस्त सूत्रों और पड़ताल के आधार पर मिली बेहद सटीक और विस्फोटक जानकारी के मुताबिक, उपवन परिसर के ठीक पीछे और यीयूर चेक पोस्ट के पास स्थित एक बेहद सुरक्षित और आलीशान बंगले को अंतरराज्यीय 'मिनी कसीनो' में तब्दील कर दिया गया है। यहां कानून की कोई बिसात नहीं है। यहां सिर्फ दो ही चीजें चलती हैं–ताश के पत्ते और नोटों के बंडल!

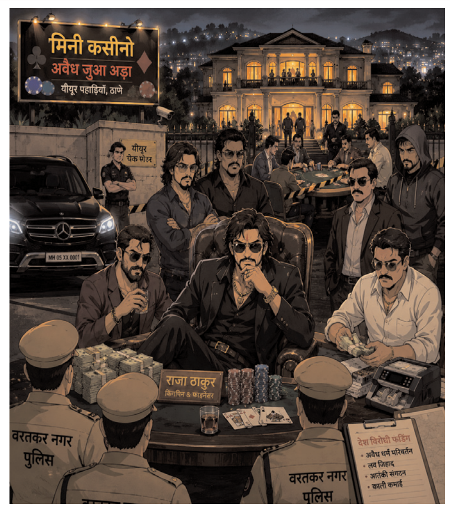

अंतरराज्यीय सट्टेबाजों का अड्डा: चार्टर्ड गाड़ियों में आ रहे हैं रईस

यह कोई छोटा-मोटा स्थानीय जुए का अड्डा नहीं है, बल्कि कॉर्पोरेट शैली में चलने वाला एक इंटर-स्टेट सट्टा सिंडिकेट है। हमारे पास उपलब्ध पुख्ता जानकारी के मुताबिक, इस अड्डे पर रोजाना करोड़ों से लेकर अरबों रुपये की हार-जीत होती है। आश्चर्य की बात यह है कि इस अड्डे पर दांव लगाने के लिए न सिर्फ महाराष्ट्र, बल्कि गुजरात के हीरा बाजार के बड़े व्यापारी, राजस्थान के सट्टेबाज, हरियाणा के भू-माफिया और मुंबई, नासिक व जलगांव के रसूखदार सफेदपोश अपराधी और उद्योगपति शामिल हैं। इन वीआईपी जुआरियों की गाड़ियां जब रात के अंधेरे में यीयूर चेक पोस्ट पार करती हैं, तो वरतकर नगर पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां अक्सर अपना रास्ता बदल लेती हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के नाम का कथित तौर पर इस्तेमाल होने के कारण पुलिस यहां छापेमारी करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पा रही है।

काले साम्राज्य के सिंडिकेट का 'ओपन सीक्रेट': कौन हैं ये चेहरे?

इस पूरे अवैध साम्राज्य का ढांचा बेहद शातिर और खतरनाक तरीके से तैयार किया गया है। इस सिंडिकेट को चलाने के पीछे कुछ ऐसे नाम हैं जिनका सिक्का ठाणे के अंडरवर्ल्ड और राजनीतिक हलकों में चलता है:

1. **राजा ठाकुर और जीतू जलगांव:** ये इस काले धंधे के असली 'किंगपिन' और फाइनेंसर हैं। इस बंगले के अंदर इनका हुक्म ही आखिरी सच होता है।

2. **मंगेश भोसले और शेखर वडाला:** इन लोगों को अड्डे की सुरक्षा, बाउंसर्स की तैनाती और बाहरी खतरों या ईमानदार अधिकारियों की रेड से बचाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

3. **रफा (घोड़ी भूरिया) और गोपाल शर्मा :** गोपाल शर्मा इस क्लब का मुख्य रणनीतिकार और 'कैशियर' है। सूत्रों का दावा है कि गोपाल शर्मा का मुख्य काम सिर्फ जुआ खिलवाना नहीं, बल्कि पुलिस और प्रशासन के बड़े साहबों तक हर महीने पहुंचने वाले करोड़ों रुपये के 'हफ्ते' (रिश्वत) की सेटिंग संभालना है।

सबसे सनसनीखेज राजनीतिक कनेक्शन: राजनीतिक हलकों में तैर रही खबरों और सूत्रों के दावों के मुताबिक, इस पूरे रैकेट का मुख्य कर्ताधर्ता 'राजा ठाकुर' खुद को राज्य के शीर्ष नेतृत्व (उपमुख्यमंत्री स्तर के नेताओं) का बेहद करीबी और 'राइट हैंड' बताता है। इसी राजनीतिक कवच का इस्तेमाल करके उसने पूरे ठाणे पुलिस तंत्र को अपनी उंगलियों पर नचा रखा है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने बड़ा खतरा: जुए के पैसे से देश विरोधी खेल!

जब इस मामले की गहराई तक जाने का प्रयास किया गया, तो एक ऐसा भयानक पहलू सामने आया जो सिर्फ जुए या सट्टे तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे देश की आंतरिक सुरक्षा पर प्रहार करता है।

विस्फोटक जानकारी: सूत्रों से पता चला है कि इस जुए के अड्डे से होने वाली काली कमाई का एक बहुत बड़ा हिस्सा मैनेजर रफा और भूरिया के माध्यम से आसपास के गरीब और आदिवासी इलाकों में अवैध धर्म परिवर्तन और 'लव जिहाद' के नेटवर्क को फंड करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इतना ही नहीं, रफा और भूरिया के तार कुछ देश विरोधी और आतंकवादी संगठनों से भी जुड़े होने की आशंका सामने आई है। जुए के इस गंदे पैसे का इस्तेमाल देश के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने के लिए हो रहा है।

खाकी पर दाग: सीनियर पीआई 'माने' और उच्च अधिकारियों की भूमिका

सवाल यह नहीं है कि यह अड्डा चल रहा है, सवाल यह है कि यह किसकी शह पर चल रहा है? वरतकर नगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई माने की नाक के नीचे, उनके कार्यक्षेत्र में आने वाली यीयूर चेक पोस्ट के पास इतनी बड़ी अवैध गतिविधि हो रही हो और उन्हें भनक न हो, यह नामुमकिन है। सूत्रों का सीधा आरोप है कि वरतकर नगर पुलिस के इस थाने में रोजाना और साप्ताहिक आधार पर नोटों से भरे बैग पहुंचाए जाते हैं।

न सिर्फ स्थानीय पुलिस, बल्कि ठाणे पुलिस कमिश्नर से लेकर डीसीपी स्तर तक के अधिकारियों को इस अड्डे की बारीक से बारीक जानकारी लिखित रूप में दी जा चुकी है। लेकिन जब पैसा बोलता है, तो खाकी का ईमान खामोश हो जाता है। पुलिस तंत्र की यह चुप्पी साबित करती है कि यह सिस्टम अपराधियों के आगे घुटने टेक चुका है।

'हमारा संकल्प:

'महानगर मेट्रो' इस रिपोर्ट को सिर्फ एक पन्ने पर छापकर शांत नहीं बैठेगा। जब तक यीयूर की खूबसूरत पहाड़ियों को कलंकित करने वाला यह आलीशान बंगला सील नहीं होता और इसके पीछे बैठे सफेदपोश मगरमच्छ जेल की सलाखों के पीछे नहीं जाते, तब तक हमारा यह खोजी अभियान जारी रहेगा।

महानगर मेट्रो' के सीधे और तीखे सवाल:

1. क्या मुख्यमंत्री कार्यालय (CMO) को इस अड्डे की गुप्त जानकारी और शिकायतें मिलने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई न होना यह दर्शाता है कि सत्ता के गलियारों तक इस जुए के पैसे की हिस्सेदारी पहुंच रही है?

2. ठाणे पुलिस कमिश्नर महोदय, क्या आपकी अगुवाई में ठाणे के भीतर कानून का नहीं बल्कि 'राजा ठाकुर' और उसके गुर्गों का सिक्का चलेगा

3. अपनी हद में देश का सबसे बड़ा जुआ सिंडिकेट और देश विरोधी गतिविधियां चलाने देने वाले सीनियर पीआई माने को तत्काल सस्पेंड करके उनकी आय से अधिक संपत्ति की जांच एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) द्वारा क्यों नहीं की जा रही है?

बनासकांठा की दूध सोसायटियों में ज़बरदस्त भ्रष्टाचार, मंत्री पशुपालकों की मेहनत की कमाई हड़प रहे हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पालनपुर। बनासकांठा ज़िले के पशुपालकों के लिए एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बनासकांठा की स्थानीय दूध सोसायटियों में मनमानी और तानाशाही का माहौल है ये सोसायटियां 'श्वेत क्रांति' के नाम पर करोड़ों का कारोबार कर रही हैं, लेकिन अब इनका सच सामने आ गया है। सोशल मीडिया पर एक गांव की दूध सोसाइटी का CCTV वीडियो वायरल हो रहा है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। इस वीडियो में साफ़ देखा जा सकता है कि जैसे ही टैंकर आता है, सोसाइटी के कर्मचारी पानी का पाइप जोड़कर सीधे बल्क कूलर में सैकड़ों लीटर पानी डाल देते हैं। यह कोई दुर्घटना या गलती नहीं है, बल्कि आरोप है कि यह एक सुनियोजित घोटाला है जिसे रोज़ाना पशुपालकों को धोखा देकर अंजाम दिया जा रहा है। पशुपालकों के अनुसार, बनासकांठा ज़िले की ज़्यादातर सोसायटियों के एडमिनिस्ट्रेटर और मंत्री अब सहयोग नहीं कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर उठी आवाज़ों के मुताबिक, सोसायटियों के ख़िलाफ़ एक-दो नहीं बल्कि 15 गंभीर आरोप सामने आए हैं, जिन पर प्रशासन रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए है। सबसे बड़ा आरोप दूध में पानी मिलाकर मिलावट करने का है। रोज़ाना लगभग 200 लीटर, यानी महीने में 6000 लीटर पानी शुद्ध दूध में मिलाया जा रहा है और लाखों रुपये की हेराफेरी की जा रही है। इतना ही नहीं, टेक्नोलॉजी के नाम पर भी पशुपालकों को चूना लगाया जा रहा है। फैट मापने वाली मशीन की सेटिंग जानबूझकर 0.2 से 0.5 पॉइंट कम रखी जाती है, जिससे पशुपालकों को कम दाम मिलता है; साथ ही, वज़न करने वाली मशीन से भी प्रति लीटर 50 से 100 ग्राम की चोरी की जाती है और रोज़ाना हज़ारों रुपये मंत्रियों की जेब में चले जाते हैं। दूसरी ओर, सोसायटियों के आंतरिक कामकाज में भी बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार देखा गया है। कागज़ों पर डेढ़ करोड़ रुपये सालाना के फ़र्ज़ी बिल और वाउचर बनाकर मुनाफ़े की रक़म बार-बार निकाली जाती है। हालांकि एक कानूनी नियम है कि जिस पशुपालक ने एक साल तक दूध दिया है, उसे सदस्य बनाया जाए, लेकिन 10 से 20 साल तक दूध देने वाले गरीब पशुपालकों को सदस्यता से वंचित किया जा रहा है.

भाव नगर LCB की बड़ी कामयाबी: निवेशकों को हर महीने 20% रिटर्न का लालच देकर 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धोखाधड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। भावनगर पुलिस ने उन ठग गिरोहों पर नज़र रखी है जो शेयर बाज़ार में निवेश के नाम पर ज़्यादा रिटर्न का लालच देकर मासूम नागरिकों की मेहनत की कमाई हड़प रहे हैं। भावनगर लोकल क्राइम ब्रांच ने उस गिरोह के मुख्य मास्टरमाइंड को गिरफ़्तार किया है, जिसने निवेशकों को हर महीने 20' रिटर्न वाली आकर्षक स्कीम दिखाकर 1,03,14,500 रुपये (एक करोड़ तीन लाख रुपये से ज़्यादा) की धोखाधड़ी की थी। उसे कुछ ही घंटों में सलाखों के पीछे भेज दिया गया।

पूरा घोटाला क्या है और मामला कैसे दर्ज हुआ?

भावनगर रेंज के ढ्ढत्र श्री राजेंद्र वी. असारी और पुलिस अधीक्षक श्री नितेश पांडे के कड़े निर्देशों और मार्गदर्शन में, LCB के PI श्री मयूरध्वजसिंह एम. सरवैया और PSI श्री आर.ए. वढेर, श्री वी.सी. जडेजा, श्री पी.डी. झाला और अन्य कर्मचारियों ने यह ऑपरेशन चलाया। भावनगर के वर्तज पुलिस स्टेशन इलाके के एक गांव में रहने वाले दो लोगों ने लोगों से निवेश पर हर महीने 20' निश्चित रिटर्न का वादा करके करोड़ों रुपये जमा किए थे। जिन निवेशकों को वादे के मुताबिक रिटर्न या मूलधन नहीं मिला, उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। इसके आधार पर वर्तज पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता-2023 की धाराओं 316(5), 316(2), 3(5), 61(2) और गुजरात डिपॉजिटर्स प्रोटेक्शन ऑफ़ इंटरेस्ट्स (इन फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस) एक्ट-2003 की धारा-3 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस मामले की आगे की जांच LCB के PSI श्री आर.ए. वढेर को सौंपी गई। अपराध में शामिल मुख्य आरोपी 1. संजयभाई मुलजीभाई धमेचा (निवासी: शिकायतकर्ता का क्षेत्र, तालुका और जिला भावनगर) - (आरोपी) 2. योगेश वेलजीभाई धमेचा (निवासी: शिकायतकर्ता का क्षेत्र, तालुका और जिला भावनगर) - (तलाश जारी) LCB की तीन टीमों द्वारा सघन तलाशी अभियान: मुख्य आरोपी के घर से चौंकाने वाली चीजें बरामद अपराध दर्ज होते ही LCB की टीम हरकत में आई और उसने मुख्य आरोपी संजयभाई मुलजीभाई धमेचा को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया।

अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की 149वीं रथ यात्रा के लिए सिस्टम तैयार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आषाढ़ी बीज की भव्य रथ यात्रा में अब कुछ ही दिन बचे हैं, जो अहमदाबाद की शान और करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है। 16 जुलाई को होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की 149वीं भव्य रथ यात्रा पूरी तरह से शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित माहौल में संपन्न हो, इसके लिए प्रशासन और पुलिस विभाग ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। रथ यात्रा के रूट, कानून-व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं की तैयारियों के तहत एक महत्वपूर्ण हाई-लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सुरक्षा और व्यवस्था में कोई कमी न रहे, इसके लिए बारीकी से योजना बनाई गई, क्योंकि रथ यात्रा के दौरान लाखों लोगों के जुटने की उम्मीद है। बैठक में अहमदाबाद के मेयर श्री हितेश बारोट, शहर के पुलिस कमिश्नर, स्थानीय विधायक, स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन कमलेश पटेल, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पदाधिकारी और विभिन्न सरकारी विभागों के उच्च अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में किन महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई

सख्त पुलिस सुरक्षा: रथ यात्रा के पूरे रूट पर सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखने और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखने के लिए पुलिस कमिश्नर के साथ एक रोडमैप तैयार किया गया। AMC अधिकारियों को रथ यात्रा के रूट पर सड़क की मरम्मत, पीने के पानी की व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट और सफाई का काम समय पर पूरा करने के कड़े निर्देश दिए गए। भक्तों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए रूट पर एम्बुलेंस और मेडिकल टीमों को तैनात रखने के लिए जरूरी निर्देश दिए गए। अहमदाबाद के लोग 'जय जगन्नाथ' के जयघोष के साथ रथ यात्रा का स्वागत करने को उत्सुक इस समीक्षा बैठक में सभी पदाधिकारियों ने सभी विभागों के बीच आपसी तालमेल सुनिश्चित करने और रथ यात्रा के हर्षोल्लास के साथ संपन्न होने के लिए जरूरी सुझाव और जमीनी स्तर पर मार्गदर्शन दिया।

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए इच्छुक एवं पात्र कृषकों से 31 जुलाई 2026 तक आवेदन पत्र आमंत्रित की गई है। उप संचालक कृषि एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त किया जा सकता है तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए आवेदन पत्र जमा कर सकते है। आवेदन पत्र के साथ अधिकतम दो पेज में सफलता की कहानी छायाचित्र व वीडियो सीडी संलग्न करना होगा। पुरस्कार वितरण राज्य स्थापना दिवस 1 नवंबर 2026 के अवसर पर किया जाएगा। इस संबंध में विस्तृत जानकारी कृषि विभाग की वेबसाईट से प्राप्त की जा सकती है। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए छत्तीसगढ़ क्षेत्र में विगत 10 वर्षों से कृषि कार्य करने वाले कृषक पात्र होंगे। कृषक की वार्षिक आमदनी में से न्यूनतम 75 प्रतिशत आय कृषि से होना चाहिए एवं तकाबी, सिंचाई शुल्क, सहकारी बैंकों का कालातीत ऋण नहीं होना चाहिए। पुरस्कार के लिए कृषक का चयन एवं मूल्यांकन फसल विविधीकरण एवं उत्पादकता वृद्धि हेतु नवीन कृषि तकनीकी

अपनाने का स्तर, उन्नत कृषि तकनीकी के प्रचार-प्रसार एवं अन्य कृषकों द्वारा अपनाने के लिए प्रेरित करने हेतु प्रयास, विगत तीन वर्षों में विभिन्न फसलों की उत्पादकता का स्तर, कृषि एवं सहयोगी क्षेत्र में कृषक द्वारा किए गए उल्लेखनीय व नवोन्वेषी कार्य के आधार पर किया जाएगा। डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार कृषि क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्य करने वाले किसान को दिया जाएगा। खेती में नवीन तकनीकी को अपनाने, फसल सघनता अच्छी होने, समन्वित कृषि प्रणाली एवं फसल विविधीकरण अपनाने, कृषि के क्षेत्र में नवान्वेषी कार्य करने, भूमि एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले तथा अन्य कार्य करने वाले कृषक को पुरस्कार का वितरण राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए कृषकों से प्राप्त आवेदन पत्र में उल्लेखित गुण-दोष के आधार पर तथ्यों का सत्यापन विकासखंड स्तरीय डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार छानबीन समिति द्वारा किया जाएगा। कृषकों का चयन जिला स्तरीय छानबीन समिति एवं राज्य स्तरीय जूरी सदस्यों द्वारा किया जाएगा तथा उनके द्वारा लिया गया निर्णय अंतिम होगा।

जेटपार पार्ट-2 में 'पालना आंदोलन' (cradle protest) पूरा

'नया सर्कुलर किसानों के हित में नहीं, बल्कि कंपनी के हित में है!'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। अगर राज्य सरकार और प्रशासन को लगता है कि कागज़ पर नया सर्कुलर जारी करके किसानों का गुस्सा शांत हो जाएगा, तो उन्हें कान खोलकर सुन लेना चाहिए कि देश भर में किसान अब संघर्ष के मूड में हैं। जेटपार पार्ट-2 की ज़मीन पर 'पालना आंदोलन' भले ही पूरा हो गया हो, लेकिन यह कोई विराम नहीं है, बल्कि यह बड़े तूफ़ान से पहले की शांति है! किसान नेताओं ने साफ़ तौर पर अपना गुस्सा ज़ाहिर किया है और प्रशासन व सरकार की पोल खोल दी है कि सरकार का यह नया सर्कुलर किसानों के हित में नहीं, बल्कि बड़ी पूंजीपति कंपनियों की तिजोरी भरने के लिए जारी किया गया है। इस धोखाधड़ी के ख़िलाफ़ अब पूरा गुजरात आंदोलित होने जा रहा है। लंबे समय से अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए लड़ रहे किसानों ने जेटपार में डटकर आंदोलन का दूसरा चरण पूरा किया है। लेकिन, सरकार की पारदर्शिता में कमी के कारण किसानों में गुस्सा दोगुना हो गया है। किसानों का सीधा आरोप है कि शासक वर्ग दिन-रात काम करने वाले अन्नदाताओं की कीमत पर

निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए पूरी मशीनरी चला रहा है। किसान अब इस सरकार की मनमानी और उद्योगपतियों के प्रति उसके लगाव को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। जेटपार की यह लड़ाई अब सिर्फ़ स्थानीय नहीं रही, यह आंदोलन अब पूरे गुजरात के किसानों के सम्मान का सवाल बन गया है। किसान संगठनों ने हुंकार भरते हुए घोषणा की है कि कल से गुजरात के एक-दो नहीं, बल्कि सभी 23 जिलों में 'किसान आंदोलन का तीसरा चरण' शुरू होने जा रहा है। 23 जिलों के लाखों किसान एक साथ सड़कों पर उतरेंगे और सरकार की नींद उड़ा देंगे। 23 ज़िलों के किसान सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं, फिर भी कृषि मंत्री और प्रशासन गहरी नींद में क्यों सोए हैं क्या सरकार किसानों के सब्र की परीक्षा ले रही है.

एशिया के बड़े टेक्सटाइल हब में 250 से अधिक दुकानें जलमग्न

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। पोद्दार मार्केट की 250 से ज़्यादा दुकानें पानी में डूबीं, कपड़े का स्टॉक बर्बाद होने से 200 करोड़ रुपये से ज़्यादा के नुकसान की आशंका! दक्षिण गुजरात की आर्थिक राजधानी और एशिया के सबसे बड़े टेक्सटाइल हब माने जाने वाले सूरत शहर में कुदरत ने ऐसा विकराल रूप दिखाया है कि व्यापारियों की कमर टूट गई है। पिछले कुछ दिनों से हो रही लगातार और बेमौसम बारिश ने सूरत के मुख्य बाज़ार इलाके को अपनी चपेट में ले लिया है। सूरत के रिंग रोड पर स्थित मशहूर पोद्दार मार्केट में बाढ़ का पानी घुसने से हड़कंप मच गया

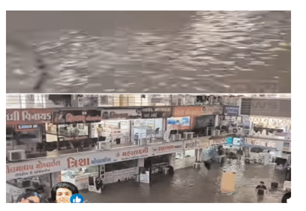

है। मार्केट की 250 से ज़्यादा दुकानें ग्राउंड फ्लोर तक पानी में डूब गई हैं, जिससे अरबों रुपये के कपड़े पानी में सड़ रहे हैं। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस प्राकृतिक आपदा से व्यापारियों को 200 करोड़ रुपये से ज़्यादा का नुकसान हुआ है। 'पक्को गुजरात' डायमंड सिटी में हुई इस भारी तबाही की ग्राउंड रिपोर्ट लेकर आया है। पोद्दार मार्केट में पानी का बहाव इतना तेज़ था कि व्यापारियों को अपनी दुकानों से सामान निकालने का मौका तक नहीं मिला। बेसमेंट और ग्राउंड फ्लोर पर मौजूद 250 से ज़्यादा दुकानों में कीमती साड़ियों, ड्रेस मटीरियल और रेडीमेड कपड़ों के हज़ारों बॉक्स पानी में तैरते दिखे। जो कपड़े सूरत से पूरे देश और विदेशों में सप्लाई होने वाले थे, वे अब सीवर और बाढ़ के गंदे पानी में कागज़ की तरह भीगकर बेकार हो चुके हैं। सीज़न की शुरुआत में ही लगे इस बड़े झटके से व्यापारियों की ज़िंदगी बर्बाद हो गई है और मार्केट के कई परिवार सदमे में हैं। सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हर साल मानसून से पहले करोड़ों रुपये खर्च करके ड्रेनेज की सफाई और प्री-मानसून कार्यों के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन पोद्दार मार्केट के हालात ने कॉरपोरेशन के दावों की पोल खोल दी है। करोड़ों रुपये का टैक्स भरने वाले व्यापारी अब बेबस होकर अपनी कमाई को पानी में डूबते हुए देख रहे हैं। सिस्टम की इस नाकामी और खराब व्यवस्था को लेकर मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और व्यापारियों में भारी गुस्सा है। अगर पानी निकालने का सही सिस्टम होता, तो व्यापारियों को इतना बड़ा नुकसान नहीं उठाना पड़ता 'देश को सबसे ज़्यादा टैक्स देने वाले सूरत के व्यापारी हर मॉनसून में कब तक ऐसी बेबसी झेलते रहेंगे

पुलिस एक्शन मोड में सड़क और भवन विभाग को लिखित में फटकार 'अगर कोई दुर्घटना हुई, तो अधिकारी और ठेकेदार सीधे जेल जाएंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा / डभोई। डभोई-वडोदरा हाईवे, जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' (एकता नगर) को जोड़ता है और जहां देश-विदेश के पर्यटकों की हमेशा भीड़ रहती है, वह अब प्रशासन की अक्षमता और भ्रष्ट सुस्ती के कारण 'मौत का कुआं' बन गया है! पलासवडा रेलवे गेट के पास ओवरब्रिज का काम कछुए की गति से चल रहा है (पिछले एक साल से जारी है) और वहां दिया गया खतरनाक डायवर्जन किसी भी समय बड़ी दुर्घटना को न्योता दे रहा है। इस मामले में, जनता की जान बचाने के लिए डभोई पुलिस 'सिंघम' स्टाइल में हरकत में आई है। पी.आई. ए.टी. पटेल और पी.एस.आई. जे.जी. वाघेला ने सड़क और भवन विभाग के लापरवाह अधिकारियों को होश में लाने के लिए सख्त शब्दों में लिखित चेतावनी जारी की है ग्राउंड ज़ीरो पर स्थिति इतनी भयानक है कि अनजान वाहन चालकों का यहां से जिंदा निकलना किस्मत की बात हो गई है। जानलेवा मोड़: पुल के काम के लिए सड़क के दोनों ओर बड़े सीमेंट ब्लॉक रखे गए हैं। हाईवे डिवाइडर को तोड़ दिया गया है और ट्रैफिक को दाईं ओर मोड़ दिया गया है, लेकिन इस डायवर्जन के आने से पहले ही इतना खतरनाक मोड़ है कि चालकों को यह भी नहीं दिखता कि आगे की सड़क बंद है अपर्याप्त साइन बोर्ड: दुर्घटनाओं को रोकने के लिए लगाया गया बोर्ड इतना छोटा और अंदर की तरफ है कि 100 की गति से आने वाले वाहनों को आखिरी पल तक कुछ दिखाई नहीं देता। नतीजतन, चालक आखिरी सेकंड में जोर से ब्रेक लगाते हैं और वाहन पलट जाते हैं; लोग बाल-बाल बचते हैं। पुलिस ने इन जानलेवा दृश्यों को अपनी आंखों से देखा हैं।

करोड़ों खर्च करने के बाद भी राजली गाँव 'नरक' बन गया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजली। एक तरफ सरकार स्वच्छ भारत मिशन के लिए करोड़ों रुपये का अनुदान इस्तेमाल कर रही है और कागजों पर डिजिटल और साफ़-सुथरे गाँवों का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ डभोई तालुका के राजली गाँव में स्थानीय प्रशासन की भारी लापरवाही और सुस्ती का ऐसा मामला सामने आया है जिसे देखकर गुस्सा आ जाता है। राजली गाँव के निवासी पिछले तीन साल से नरक जैसी ज़िंदगी जीने को मजबूर हैं। गाँव के एक खास इलाके में पूरे गाँव का कचरा और जानवरों का गोबर खुलेआम लोगों के घरों के ठीक बगल में फेंका जा रहा है। इतना ही नहीं, सीवर से बहने वाला गंदा पानी भी इसी कचरे के ढेर में डाला जा रहा है, जिससे पूरा रिहायशी इलाका मच्छरों और ज़हरीले कीड़ों का अड्डा बन गया है। आज इस सोए हुए प्रशासन की आँखें खोलने के लिए ज़मीनी हकीकत की रिपोर्ट पेश कर रहा है। स्थानीय परेशान निवासियों के गुस्से का ज्वालामुखी अब फूट पड़ा है। ग्रामीणों के अनुसार, वे पिछले 3 साल से इस सिरदर्द पैदा करने वाली बदबू और नरक जैसे माहौल से छुटकारा पाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं। गाँव के सरपंच और तलाटी (पंचायत मंत्री) से कई बार व्यक्तिगत रूप से, मौखिक और लिखित रूप में शिकायतें की गई हैं। इसके बावजूद,ष्ट कमरों और सत्ता के नशे में चूर स्थानीय प्रशासन पर कोई असर नहीं हो रहा है। जनता के टैक्स के पैसे से वेतन पाने वाले अधिकारी ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे गाँव के गरीब लोगों को कीड़े-मकोड़े समझ रहे हों। गंदगी के इस आलम के कारण इलाके में ज़हरीले मच्छरों और कीड़ों का आतंक इतना बढ़ गया है कि घरों में रहना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों के घरों में छोटे-छोटे मासूम बच्चे हैं, जो चौबीसों घंटे इस प्रदूषित और ज़हरीले माहौल में साँस लेने को मजबूर हैं।

संक्षिप्त न्यूज

राम के दरबार में डकैत? अयोध्या राम मंदिर का दान चुराने वालों के खिलाफ़ सख़्त कानूनों की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में दान चोरी की घटना के बाद देशभर में आक्रोश का माहौल है। श्रद्धालु इसे केवल चोरी नहीं, बल्कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था पर हमला मान रहे हैं। घटना के बाद धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। कई लोगों ने ऐसे मामलों की फास्ट-ट्रैक कोर्ट में सुनवाई और सख्त दंड का प्रावधान करने की मांग उठाई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

कानून समझाने गए वकील की गर्दन पकड़कर जेल में डालने की धमकी दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। अहमदाबाद के अधिवक्ता अभि राजपूत ने दाहोद पुलिस थाने के पीआई एस. वारू पर अभद्र व्यवहार और धमकी देने का आरोप लगाया है। अधिवक्ता का दावा है कि 7 जुलाई को जमीन से जुड़े एक मामले में पुलिस थाने पहुंचने पर कानून संबंधी जानकारी देने के दौरान उनके साथ धक्का-मुक्की की गई, मोबाइल छीन लिया गया और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई। घटना के बाद वकील समुदाय में नाराजगी है

जी.आर. मरकाम ने निगम आयुक्त का पदभार ग्रहण किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। नगर पालिक निगम के नवागत आयुक्त जी.आर. मरकाम ने आज अपरान्ह में पदभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि छ.ग.शासन सामान्य प्रशासन विभाग,महानदी भवन मंत्रालय रायपुर के आदेश क्रं. ई.एस.डी.बी. 102(1)/414/2026-जी.ए.डी.-4 नवा रायपुर अटल नगर दिनांक 07 जुलाई 2026 द्वारा जी.आर. मरकाम (राप्रसे, आर.आर.-2014) अपर कलेक्टर जिला मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी को आयुक्त,नगर पालिक निगम राजनांदगांव के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री मरकाम ने आज अपरान्ह में नगर निगम कार्यालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया एवं नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया।

पहली ही बारिश में टूटा 26 करोड़ का सांसद ने मांगी उच्च स्तरीय जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। करोड़ों रुपये की लागत से गति शक्ति योजना के तहत बने बरगा और आलीवारा रेल ओवरब्रिज पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गए। भारी बारिश के बाद ब्रिज में 60-70 फीट लंबी दरारें आने से आवागमन बंद कर दिया गया है। सांसद संतोष पांडे ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर निर्माण कार्य में लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। साथ ही दोषी निर्माण एजेंसी को ब्लैकलिस्ट कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

विकसित गुजरात 2047 बनाम बाढ़ 2026: भविष्य के सुनहरे सपने दिखाने वाली सरकार वर्तमान की आपदाओं पर कब जागेगी?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। सरकार बार-बार गर्व से 'विकसित गुजरात 2047' का विज़न पेश करती है। भविष्य का भव्य रोडमैप, ग्लोबल प्रोजेक्ट्स और अरबों रुपये के विकास के दावे पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन में बहुत आकर्षक लगते हैं। लेकिन 2047 में अभी कई दशक बाकी हैं; उन आम टैक्स देने वाले नागरिकों का क्या, जो अभी 2026 की कड़वी सच्चाई में जी रहे हैं? क्या सरकार उनके बारे में कुछ सोचती है या स्मार्ट सिटी सिर्फ़ कागज़ों पर बन रही है? भले ही मॉनसून अभी शुरू ही हुआ है, दक्षिण गुजरात में सिर्फ़ एक भारी बारिश ने विकास की पोल खोल दी है। सूरत, नवसारी और वलसाड समेत कई इलाकों में करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कें कुछ ही घंटों में नदियों में बदल गईं। गरीबों और मध्यम वर्ग के घरों में पानी घुस गया है, व्यापारियों की दुकानों में लाखों का सामान भीगकर बर्बाद हो गया है, और कीमती गाड़ियां खिलौनों की तरह डूब गई हैं। जो आम आदमी साल भर खून-पसीना एक करके अपनी रोज़ी-रोटी कमाता है, उसकी जीवन भर की जमा-पूंजी कुछ ही घंटों में सीवर के गंदे पानी में बह जाती है। जब हर साल एक ही जगह और एक ही मौसम में वही समस्या पैदा होती है, तो इसे प्राकृतिक आपदा कहकर इसका बचाव नहीं किया जा सकता। यह प्राकृतिक आपदा नहीं है, यह प्रशासन की आपराधिक लापरवाही और प्लानिंग की भारी विफलता है। 2047 के ग्लोबल सपने दिखाने से पहले, अधिकारियों को 2026 की इस भयानक सच्चाई का जवाब देना होगा। जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये कहाँ जाते हैं? स्मार्ट सिटी के नाम पर भ्रष्टाचार की कमियां बारिश में ही क्यों उजागर होती हैं? याद रखिए, विकास के बारे में लंबे-चौड़े भाषण देने से सड़कों पर जमा पानी नहीं हटता। सरकारी अखबारों में बड़े-बड़े विज्ञापन ज़मीन पर ड्रेनेज लाइनों को साफ नहीं करते। गांधीनगर में बैठकर तैयार किए गए विज़न डॉक्यूमेंट्स से गरीबों के घरों में घुसा पानी अपने आप नहीं निकलता। अगर करोड़ों रुपये की लागत से बनी नई सड़कें पहली ही बारिश में बह जाती हैं, अगर बड़े शहरों के ड्रेनेज सिस्टम नकली साबित होते हैं, तो शासक इसके लिए ज़िम्मेदारी कब लेंगे? क्या ज़िम्मेदारी 2047 में तय होगी? सरकार का दावा है कि 2047 में हम एक वर्ल्ड-क्लास राज्य बन जाएंगे। लेकिन आज की कड़वी सच्चाई यह है कि 2026 में, गुजरात का आम आदमी अपने छोटे बच्चों, बीमार बुजुर्गों और घर के कीमती सामान को बचाने के लिए सड़कों पर बेबस होकर संघर्ष कर रहा है। सोशल मीडिया पर ऐसे दृश्य भी वायरल होते हैं जहाँ लोगों को अंतिम संस्कार के लिए घुटने-भर पानी से गुज़रना पड़ता है। क्या इसे एक विकसित राज्य की पहचान कहा जा सकता है? अगर मरने के बाद भी सम्मान नहीं मिलता, तो आम आदमी ऐसे डिजिटल विकास का क्या करेगा? 2047 का सपना लोगों को तभी सच और भरोसेमंद लगेगा जब 2026 में नागरिकों को सीवेज के पानी से सुरक्षित और आज़ाद ज़िंदगी मिलेगी। लोग भविष्य के खोखले वादे नहीं, बल्कि

वर्तमान में साफ़ नतीजे चाहते हैं। लोग चापलूसी भरे विज्ञापन नहीं, बल्कि पानी निकालने वाली बेहतर ड्रेनेज लाइनें चाहते हैं। लोग हर साल नए नारे नहीं, बल्कि मज़बूत सड़कें चाहते हैं जो बारिश में मगरमच्छ की पीठ जैसी न बन जाएं। लोग सिर्फ़ खोखले दावे नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी लेने वाला सिस्टम चाहते हैं।

बंद रास्तों के कारण गर्भवती महिला की घर पर डिलीवरी हुई कीचड़, दलदल में 500 मीटर तक स्ट्रेचर पर ले जाकर माँ और नवजात की जान बचाई गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर / जामजोधपुर। एक तरफ जहाँ गुजरात में भारी बारिश ने तबाही मचाई है और रास्ते बंद कर दिए हैं, वहीं दूसरी तरफ जामनगर के जामजोधपुर इलाके से इंसानियत और बहादुरी की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जो सलाम करने पर मजबूर कर देती हैं। भारी बारिश के कारण रास्ते बंद होने से एक गर्भवती महिला प्रसव पीड़ा से तड़प रही थी। लेकिन कहावत है कि 'जाको राखे साइयां, मार सके न कोय'... भगवान तो समय पर नहीं आए, लेकिन 108 एम्बुलेंस के बहादुर कर्मचारी भगवान बनकर पहुँचे और एक नई मिसाल कायम की! घटना की जानकारी यह है कि जामजोधपुर के ग्रामीण इलाके में एक गर्भवती महिला को अचानक असहनीय प्रसव पीड़ा हुई। परिवार ने तुरंत 108 पर कॉल किया। एम्बुलेंस तो निकली, लेकिन भारी बारिश के कारण गाँव की सड़क कीचड़ और पानी से भरी हुई थी, इसलिए गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकी। एक पल भी बर्बाद किए बिना, 108 के इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन और पायलट ने एम्बुलेंस वहीं खड़ी की और डिलीवरी किट लेकर कीचड़ में से होते हुए पैदल ही गर्भवती महिला के घर की ओर दौड़े। घर पर सफल डिलीवरी: अस्पताल पहुँचने का समय नहीं था, इसलिए 108 की टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए घर के अंदर ही सफल और सुरक्षित डिलीवरी कराई। माँ ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया।

500 मीटर का मुश्किल सफर: डिलीवरी के बाद माँ और नवजात बच्चे को अस्पताल ले जाना ज़रूरी था। लेकिन बाहर घुटनों तक

कीचड़ था।

बाहुबली जैसा साहस: स्थानीय लोगों की मदद से, 108 कर्मियों ने माँ और नवजात बच्चे को एक खाट पर लिटाया और उस खाट को अपने कंधों पर उठाकर आधे किलोमीटर (500 मीटर) तक कीचड़ में से होते हुए एम्बुलेंस तक पहुँचाया! इन नायकों को सलाम! जब तक ऐसे कर्मचारी गुजरात की धरती पर अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, तब तक कोई भी प्राकृतिक आपदा जनता का कुछ नहीं बिगाड़ सकती। 'पक्को गुजरात' 108 सेवा के उन बहादुर जवानों को सलाम करता है, जिन्होंने कीचड़ और मुश्किल हालात की परवाह किए बिना और अपनी जान जोखिम में डालकर एक माँ और बच्चे की जान बचाई। फिलहाल, माँ और नवजात शिशु दोनों एक सुरक्षित अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं और जान बचने के बाद परिवार ने नम आँखों से 108 टीम का शुक्रिया अदा किया।

राजस्थान में इंसानियत शर्मसार: 18 अपराधियों ने 12 साल की मासूम बच्ची के साथ गैंगरेप किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान। राजस्थान की धरती से एक दिल दहला देने वाली और रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है, जिसने किसी भी सभ्य समाज का सिर शर्म से झुका दिया है। सभ्य समाज में छिपे भेड़ियों ने 12 साल की एक मासूम और नासमझ बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया। यह कोई मामूली अपराध नहीं है, यह एक घिनौना अपराध है जो इंसानियत पर एक कलंक है। पुलिस के मुताबिक, इस मासूम बच्ची के साथ न सिर्फ रेप किया गया, बल्कि उसे लगातार चार दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया और वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया! 'पक्को गुजरात' इन अपराधियों की क्रूरता और पूरे मामले के बारे में चौंकाने वाला खुलासा कर रहा है पुलिस जांच में सामने आई जानकारी किसी का भी खून खौलाने के लिए काफी है। पीड़िता की उम्र सिर्फ 12 साल

है, जो अभी दुनियादारी से पूरी तरह अनजान है। कुछ अपराधियों ने उसका अपहरण कर लिया और उसे किसी अज्ञात जगह पर बंधक बनाकर रखा। बच्ची को चार दिनों तक एक अंधेरे कमरे में कैद रखा गया। वहां उसे असहनीय शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी गई। सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि 18 अलग-अलग अपराधियों ने बच्ची के साथ रेप किया और उसे वेश्यावृत्ति के गंदे धंधे में धकेल दिया। बच्ची की जान बचाने की गुहार इन अपराधियों के बहरे कानों तक गूंजती रही, लेकिन इन पापियों का दिल नहीं पसीजा। जैसे ही यह शर्मनाक मामला पुलिस तक पहुंचा, पूरा सिस्टम हरकत में आ गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत अलग-अलग टीमें बनाईं और छापेमारी शुरू कर दी। पुलिस ने एक ऑपरेशन चलाकर बच्ची को इस नर्क से छुड़ाया और इस घिनौने अपराध में शामिल सभी 18 अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता बच्ची को अब मेडिकल इलाज और काउंसलिंग के लिए भेजा गया है। देश में बेटियों पर ऐसे अत्याचार कब बंद होंगे? आखिर कब तक बेगुनाह लोग ऐसी क्रूरता का शिकार बनते रहेंगे क्या ऐसे अपराधियों पर फास्ट-ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर कुछ ही दिनों के भीतर सरेआम फांसी नहीं दी जानी चाहिए, ताकि कोई और ऐसा अपराध करने से पहले हजार बार सोचे और कांप उठे? इस घटना के सामने आने के बाद पूरे देश में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है।

'मुसीबत के समय सबसे पहले पहुँचने वाले फ़रिश्ते

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/अहमदाबाद। जब कोई समस्या आने पर पूरी दुनिया पीछे हट जाती है, या कोई बड़ी आपदा, दुर्घटना या इमरजेंसी आती है, तो आम नागरिक के मुँह से सबसे पहला शब्द क्या निकलता है? 'पुलिस को बुलाओ!' हाँ, वही पुलिस, जो साल के 365 दिन और 24 घंटे जनता की सुरक्षा का ध्यान रखती है। हाल ही में, गुजरात के लोकप्रिय और कुशल गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी ने पुलिस की असली पहचान बताते हुए एक ज़बरदस्त बयान दिया, जिसने आज हर नागरिक का दिल जीत लिया है। उन्होंने कहा, 'किसी भी आपदा या मुश्किल में सबसे पहले पहुँचने वाले लोग पुलिस ही होते हैं। बहुत से लोगों के लिए पुलिस कानून का एक सख्त हथियार हो सकती है, लेकिन असल में, पुलिस जनता के 'भरोसे' का ही दूसरा नाम है। चाहे दुर्घटना हो, बाढ़, तूफ़ान, सांप्रदायिक तनाव या कोई अपराध हो, जब आम आदमी बेबस हो

जाता है, तो खाकी वर्दी वाला जवान ही सबसे पहले मौके पर पहुँचता है, अपनी जान जोखिम में डालकर भी। जब पूरा राज्य अपने परिवार के साथ दिवाली, उत्तरायण या नवरात्रि जैसे त्योहार मनाता है, तो पुलिस का जवान सड़क पर खड़ा होकर ट्रैफ़िक और सुरक्षा का ध्यान रखता है ताकि नागरिक बिना किसी डर के त्योहार का आनंद ले सकें। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में, आज गुजरात पुलिस न केवल अपराधियों के लिए काल बन गई है, बल्कि आम जनता के लिए एक सच्चे दोस्त के तौर पर भी सामने आ रही है। हमारी पुलिस, जो 'सेवा, सुरक्षा और शांति' के आदर्श वाक्य को पूरा करती है, आज टेक्नोलॉजी से लैस है

झालोड तालुका पंचायत की आम बैठक चित्रोदिया के महामंडलेश्वर मंदिर में आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोड । झालोड तालुका पंचायत की आम बैठक बुधवार को चित्रोदिया के महामंडलेश्वर मंदिर में तालुका पंचायत अध्यक्ष सुरेशभाई कटारा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में तालुका पंचायत के सभी 20 चुने हुए सदस्य मौजूद थे। बैठक में तालुका विकास अधिकारी नानजीभाई राठवा, उपाध्यक्ष तेजलबेन भाभोर, तालुका पंचायत के अधिकारी और कर्मचारी, साथ ही झालोड तालुका समन्वय से जुड़े विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत 25/05/2026 को हुई पहली बैठक की कार्यवाही को पढ़ने और उसकी पुष्टि करने के साथ हुई। इसके बाद, तालुका पंचायत की नई कमेटियों के गठन पर चर्चा की गई। इसमें कार्यकारी समिति और सामाजिक न्याय समिति के गठन के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई। बैठक के दौरान, इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि तालुका पंचायत के दायरे में आने वाले प्राकृतिक आपदाओं और आपात स्थितियों से प्रभावित लोगों को समय-सीमा के भीतर सहायता मिले। साथ ही, तालुका पंचायत कार्यालय के प्रशासनिक खर्चों को

मंजूरी देने और कार्यालय के कामकाज को अधिक कुशल बनाने के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से कंप्यूटर ऑपरेटरों, चपरासियों (कर्मचारियों) सहित स्टाफ की नियुक्ति और वेतनमान तय करने पर भी चर्चा हुई। खासकर बैठक के दौरान, तालुका के चुने हुए सदस्यों से उनके क्षेत्र के विकास कार्यों, बुनियादी सुविधाओं और जन-कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सुझाव और अभ्यावेदन प्राप्त हुए। सदस्यों ने सड़कों, पेयजल, स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न मुद्दों पर अपने सुझाव रखे। बैठक में इन सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई और आने वाले समय में आवश्यक योजना और कार्यों पर विचार किया गया। बैठक के अंत में, सदस्यों ने अध्यक्ष द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। पूरी बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में आयोजित की गई, समग्र विकास देने के लिए विभिन्न मुद्दों पर रचनात्मक चर्चा हुई।

मेघतांडव: सूरत शहर में 38 घंटों में 19 इंच बारिश,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दक्षिण गुजरात, खासकर सूरत शहर और ग्रामीण इलाकों में पिछले दो दिनों से बारिश का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। सूरत शहर में 38 घंटों की कम अवधि में रिकॉर्ड 19 इंच भारी बारिश हुई है, जिससे पूरा शहर जलमग्न हो गया है। निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए प्रशासन और बचाव दल युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं। भारी बारिश से बनी आपातकालीन स्थिति के बीच, प्रशासन ने अब तक बाढ़ के पानी में फंसे 3,416 लोगों को बचाया है।

इसके अलावा, सुरक्षा के तौर पर 3,862 और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन और समाजसेवी संस्थाओं ने शहर में राहत और बचाव कार्यों के तहत आश्रय लेने वाले विस्थापित लोगों के लिए भोजन की पर्याप्त व्यवस्था की है, जिसके तहत अब तक 9,563 भोजन के पैकेट बांटे जा चुके हैं। दूसरी ओर, सूरत के ग्रामीण इलाकों में कोहरा भी देखा जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में पिछले 24 घंटों में 7.59 इंच भारी बारिश हुई है। ग्रामीण इलाके के पलसाना तालुका में जलभराव की गंभीर समस्या के कारण 19 लोगों को तुरंत दूसरी जगहों पर पहुंचाया गया है। स्थानीय प्रशासन ने इन सभी प्रभावित लोगों के लिए आश्रय गृहों और भोजन के पैकेट की व्यवस्था की है। अभी भी सूरत शहर और ग्रामीण इलाकों में राहत कार्य जोर-शोर से चल रहे हैं।

राजकोट में BJP नेता की दादागिरी: 'हम तुम्हारे बाप हैं, दादा भी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। स्मार्ट सिटी राजकोट के 'स्मार्ट' नेताओं की असली दादागिरी और गुंडागर्दी कैमरे में कैद हो गई है। राजकोट नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी को ज़िले के एक तथाकथित बड़े BJP नेता ने सबके सामने इस तरह धमकाया कि सुनने वालों के रोंगटे खड़े हो जाएं! जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, राजनीति गरमा गई और इन अधिकारियों की मनमानी को उजागर कर रहा है। राजकोट नगर निगम के कर्मचारी मणि चौक के पास ड्रेनेज लाइन की सफाई कर रहे थे, जो वार्ड नंबर 13 और 8 की सीमा पर स्थित है। ये कर्मचारी मॉनसून के दौरान लाइनों को जाम होने से बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर गंदगी साफ कर रहे थे। तभी ज़िले का एक बड़ा BJP नेता वहां पहुंचता है। किसी बात पर बहस शुरू हो जाती है और उसके बाद जो हुआ, वह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक था। वायरल वीडियो में, यह BJP नेता सफाई कर्मचारी पर शेर की तरह दहाड़ रहा है। बिना किसी डर के, वह कर्मचारी को धमकाता है और कहता है एक सरकारी कर्मचारी, जो अपनी ड्यूटी कर रहा था, उसे सबके सामने इस तरह अपमानित किया गया। नेताजी का अहंकार इतना ज़्यादा था कि उन्हें आस-पास खड़े लोगों या कैमरों की कोई परवाह नहीं थी।

क्या अहमदाबाद में 'सेठ की सीख' (लापरवाही) जारी है? पिछली आग की घटना के बावजूद, प्रशासन गहरी नींद में है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। राजकोट के टीआरपी गेम ज़ोन अग्निकांड के बाद पूरे गुजरात में फायर सेफ्टी को लेकर सख्ती के दावे किए गए थे, लेकिन अहमदाबाद के साउथ बोपल स्थित एक गेमिंग ज़ोन में सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप एक बार फिर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहे हैं। आरोप है कि वीआईपी क्षेत्र स्थित टीआरपी मॉल की पांचवीं मंजिल पर संचालित इस गेमिंग ज़ोन में करीब 200 लोगों की क्षमता होने के बावजूद प्रवेश और निकास के लिए केवल एक ही संकरा रास्ता है। सबसे गंभीर आरोप यह है कि आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) का गेट भी बंद रखा जाता है, जिससे किसी हादसे की स्थिति में लोगों की जान खतरे में पड़ सकती है। सोशल एक्टिविस्ट शुभम ठाकरे ने इस मामले में अहमदाबाद फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज के मुख्य अग्निशमन अधिकारी और जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि पहले भी यहां आग की घटना हो चुकी है, इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं किया गया।

20% रिटर्न का झांसा, 1 करोड़ की ठगी का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। भावनगर लोकल क्राइम ब्रांच ने निवेश पर हर महीने 20 प्रतिशत निश्चित रिटर्न का झांसा देकर एक करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने निवेशकों से करीब 1.03 करोड़ रुपये जमा कराए, लेकिन तय रिटर्न और मूलधन वापस नहीं लौटाया। शिकायत मिलने पर वर्तज पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं तथा गुजरात डिपॉजिटर्स प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आईजी राजेंद्र वी. असारी और पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे के निर्देशन में एलसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी संजयभाई मुलजीभाई धमेच को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके घर से लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, निवेशकों के रिकॉर्ड से जुड़ी हिसाब-किताब की डायरी, स्टाम्प पेपर तथा अन्य दस्तावेज जब्त किए गए हैं। पुलिस के अनुसार बरामद दस्तावेज जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकते हैं। मामले का दूसरा आरोपी योगेश वेलजीभाई धमेचा फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश में एलसीबी की टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। पुलिस पूरे नेटवर्क और निवेश की रकम के लेन-देन की भी जांच कर रही है।

'हम गांधीनगर जा रहे थे लेकिन सड़कें ब्लॉक करके हमें रोक दिया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गांधीनगर कूच कर रहे किसानों को बुधवार को पुलिस ने रास्ते में रोक दिया। किसानों का आरोप है कि वे शांतिपूर्ण ढंग से सरकार को ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, लेकिन गांधीनगर पहुंचने से पहले ही पुलिस ने सड़कें बैरिकेडिंग कर बंद कर दीं और कई किसान

नेताओं को हिरासत में ले लिया। इसके विरोध में किसानों ने सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि वे भूमि, बिजली, फसल बीमा, उचित समर्थन मूल्य और अन्य लंबित मांगों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहते थे। उनका आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया गया, जो लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। किसान नेताओं ने कहा कि गिरफ्तारी या पुलिस कार्रवाई से आंदोलन नहीं रुकेगा और जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। दूसरी ओर, पुलिस ने सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर किसानों को गांधीनगर में प्रवेश से रोका। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, हालांकि किसानों ने आने वाले दिनों में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है।

श्रीगंगानगर की घटना से उठते सवाल- बचपन की असुरक्षा और समाज की विफलता

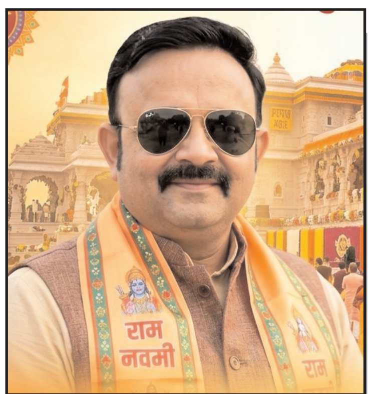

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> **हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।**

राजस्थान के श्रीगंगानगर में एक तेरह वर्षीय छात्रा के साथ कथित सामूहिक यौन उत्पीड़न का मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं है। यह उस सामाजिक संकट का संकेत है, जिसकी आहट वर्षों से सुनाई दे रही है, लेकिन जिसे हम हर नई घटना के बाद कुछ दिनों के आक्रोश में भुला देते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार एक नाबालिग छात्रा को कई दिनों तक बंधक बनाकर उसके साथ गंभीर अपराध किए जाने के आरोप हैं। पुलिस ने कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है। न्यायालय का अंतिम निर्णय अभी आना बाकी है, इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुँचना जल्दबाजी होगी। लेकिन इस घटना ने एक बार फिर उस प्रश्न को हमारे सामने खड़ा कर दिया है, जिससे बचना अब संभव नहीं–क्या भारत अपने बच्चों, विशेषकर अपनी बेटियों, को सुरक्षित बचपन दे पा रहा है?

हर बार जब ऐसी कोई घटना सामने आती है, तो हमारा सार्वजनिक विमर्श लगभग एक जैसा होता है। राजनीतिक बयान आते हैं, सोशल मीडिया पर आक्रोश उमड़ता है, कठोर दंड की मांग उठती है और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य हो जाता है। लेकिन अपराध सामान्य नहीं होते। वे समाज की गहराइयों में मौजूद उन विकृतियों का परिणाम होते हैं, जिन्हें हम लंबे समय तक अनदेखा करते रहते हैं। इसलिए श्रीगंगानगर की घटना को केवल पुलिस कार्रवाई या अदालत की प्रक्रिया तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता। यह हमारे सामाजिक चरित्र, नैतिक शिक्षा, प्रशासनिक सतर्कता और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता की सामूहिक परीक्षा है।

भारत में बाल यौन हिंसा का संकट नया नहीं है। पिछले डेढ़ दशक में ऐसे मामलों की रिपोर्टिंग बढ़ी है। इसका एक कारण यह भी है कि बच्चों के यौन शोषण को लेकर समाज में पहले की तुलना में अधिक जागरूकता आई है और पॉक्सो कानून के लागू होने के बाद शिकायत दर्ज कराने का रास्ता अपेक्षाकृत स्पष्ट हुआ है। लेकिन इसके साथ यह भी सच है कि बच्चों के विरुद्ध यौन अपराध आज भी भयावह स्तर पर मौजूद हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े लगातार बताते हैं कि हर वर्ष हजारों बच्चे यौन हिंसा का शिकार होते हैं। इनमें अधिकांश पीड़ित बच्चियां होती हैं और बड़ी संख्या में उनकी आयु किशोरावस्था से भी कम होती है।

इन आंकड़ों का सबसे भयावह पक्ष यह नहीं कि अपराध बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अजनबी नहीं होता। वह परिवार का परिचित, पड़ोसी, रिश्तेदार, मित्र या ऐसा व्यक्ति होता है जिस पर बच्चा और उसका परिवार भरोसा करता है। यानी खतरा बाहर से कम और भीतर से अधिक है। यह तथ्य हमारी पारंपरिक सुरक्षा की समझ को बदल देता है। हम बच्चों को अनजान लोगों से सावधान रहना सिखाते हैं, लेकिन क्या उन्हें यह भी सिखाते हैं कि किसी परिचित द्वारा अनुचित व्यवहार होने पर वे बिना भय अपनी बात कह सकें?

समाजशास्त्री लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि किसी भी समाज में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध हिंसा केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं होती। वह उस सामाजिक सोच का परिणाम होती है जिसमें शक्ति, प्रभुत्व और स्त्री के प्रति असमान दृष्टि गहराई से मौजूद होती है। जब स्त्री को बराबरी के मनुष्य के बजाय नियंत्रण और उपभोग की वस्तु की तरह देखने वाली मानसिकता संस्कृति, भाषा, मनोरंजन और रोजमर्रा के व्यवहार में सामान्य होने लगती है, तब उसके सबसे भयावह रूप बच्चों के विरुद्ध अपराधों में दिखाई देते हैं। इसलिए केवल अपराधियों को राक्षस कह देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह भी देखना होगा कि ऐसी मानसिकता पैदा कैसे होती है और समाज उसे रोकने में क्यों विफल रहता है।

भारतीय समाज का एक बड़ा विरोधाभास यही है कि एक ओर हम कन्या पूजन करते हैं, स्त्री को शक्ति का स्वरूप बताते हैं, दूसरी ओर बच्चियों के प्रति हिंसा की खबरें लगातार सामने आती रहती हैं। यह विरोधाभास केवल धार्मिक या सांस्कृतिक नहीं, बल्कि सामाजिक व्यवहार का प्रश्न है। सम्मान का अर्थ केवल प्रतीकात्मक पूजा नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सुरक्षा, समानता और गरिमा सुनिश्चित करना है। यदि एक बच्ची अपने घर, स्कूल, पड़ोस या सार्वजनिक स्थानों पर भी स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं करती, तो हमारी सांस्कृतिक घोषणाएँ खोखली

सिद्ध होती हैं।

श्रीगंगानगर की घटना ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है–क्या हमारे सार्वजनिक संस्थान बच्चों की सुरक्षा को लेकर पर्याप्त सतर्क हैं? यदि किसी नाबालिग को संदिग्ध परिस्थितियों में लगातार विभिन्न स्थानों पर ले जाया जाता है, तो क्या कहीं भी ऐसी व्यवस्था नहीं है जो समय रहते संदेह व्यक्त करे? यह प्रश्न केवल पुलिस का नहीं है। होटल, परिवहन तंत्र, स्थानीय समुदाय, बाल संरक्षण तंत्र और नागरिक समाज–सभी की भूमिका की निष्पक्ष समीक्षा आवश्यक है। किसी भी सभ्य समाज में बच्चों की सुरक्षा केवल कानून की जिम्मेदारी नहीं होती; वह सामाजिक संस्कृति का हिस्सा होती है।

यही कारण है कि इस घटना को केवल एक क्राइम स्टोरी की तरह पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारतीय समाज के बदलते चरित्र, संस्थागत जवाबदेही और लोकतांत्रिक संवेदनशीलता के व्यापक संदर्भ में समझना होगा। क्योंकि जब बचपन असुरक्षित होने लगे, तब संकट केवल कानून का नहीं रहता, वह राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है।

भारत ने बच्चों की सुरक्षा के लिए वर्ष 2012 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) लागू किया। इस कानून ने पहली बार बच्चों के विरुद्ध यौन अपराधों की स्पष्ट परिभाषा दी, उनकी पहचान गोपनीय रखने का प्रावधान किया और त्वरित न्याय का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके बाद समय-समय पर कानून को और कठोर बनाया गया। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या केवल कठोर कानून बना देने से अपराध रुक जाते हैं?

वास्तविकता यह है कि कानून का प्रभाव उसकी कठोरता से नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन से तय होता है। देश में आज भी अनेक मामलों में जांच लंबी खिंच जाती है, फोरेंसिक रिपोर्ट आने में देरी होती है, गवाह मुकर जाते हैं, पीड़ित परिवार सामाजिक दबाव और आर्थिक कठिनाइयों से टूट जाता है तथा मुकदमे वर्षों तक अदालतों में लंबित रहते हैं। न्याय में देरी केवल पीड़ित के साथ अन्याय नहीं होती, बल्कि अपराधियों के भीतर यह विश्वास भी पैदा करती है कि दंड से बच निकलने की संभावना बनी हुई है। श्रीगंगानगर की घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न उठाया है कि क्या हमारी संस्थाएं बच्चों की सुरक्षा के प्रति पर्याप्त संवेदनशील हैं। यदि कोई नाबालिग कई दिनों तक संदिग्ध परिस्थितियों में विभिन्न स्थानों पर रहती है, तो क्या किसी स्तर पर चेतावनी की घंटी नहीं बजनी चाहिए? होटल, परिवहन व्यवस्था, स्थानीय प्रशासन और नागरिक समाज–सभी की अपनी-अपनी जिम्मेदारी है। विकसित देशों में होटल उद्योग और सार्वजनिक संस्थानों के कर्मचारियों को मानव तस्करी तथा बाल शोषण की पहचान के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत में भी ऐसी व्यवस्था को गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है।

लेकिन इस पूरे विमर्श का सबसे कठिन पक्ष समाज के भीतर छिपा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और विभिन्न अध्ययनों से यह तथ्य सामने आता रहा है कि अधिकांश मामलों में अपराधी कोई अपरिचित व्यक्ति नहीं होता। वह परिवार का सदस्य, रिश्तेदार, पड़ोसी, शिक्षक, मित्र या परिचित होता है। इसका अर्थ यह है कि बच्चों की सुरक्षा का संकट केवल सार्वजनिक स्थानों तक सीमित नहीं है; वह विश्वास के दायरे के भीतर भी मौजूद है। यह स्थिति परिवारों के सामने नई चुनौती खड़ी करती है।

भारतीय परिवारों में यौन शिक्षा को लेकर आज भी असहजता है। माता-पिता बच्चों से इस विषय पर खुलकर बात करने से बचते हैं। परिणाम यह होता है कि बच्चे अनुचित व्यवहार की पहचान ही नहीं कर पाते या पहचान लेने के बाद भी भय, शर्म और अपराधबोध के कारण अपनी बात किसी से नहीं कह पाते। यही मौन अपराधियों की सबसे बड़ी ताकत बन जाता है। विद्यालयों में गुड टच-बैड टच, व्यक्तिगत सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और सहायता मांगने की प्रक्रिया पर व्यवस्थित शिक्षा अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है।

डिजिटल युग ने इस संकट को और जटिल बना दिया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने ज्ञान के नए अवसर दिए हैं, लेकिन अश्लील सामग्री, ऑनलाइन ग्रूमिंग, साइबर ब्लैकमेल और यौन शोषण के नए रास्ते भी खोले हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के दौर में बच्चों की सुरक्षा केवल भौतिक दुनिया तक सीमित नहीं रह गई है। अभिभावकों और शिक्षकों को डिजिटल दुनिया की चुनौतियों को समझना होगा। निगरानी और विश्वास के बीच संतुलन बनाना आज पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

समाज को भी अपने भीतर झांकना होगा। क्या हम बच्चों के प्रति सचमुच संवेदनशील हैं? क्या किसी बच्चे की असामान्य स्थिति देखकर हम हस्तक्षेप करते हैं, या यह सोचकर आगे बढ़ जाते हैं कि यह किसी और का मामला है? नागरिक जिम्मेदारी का अर्थ केवल मतदान करना या कर देना नहीं है। यदि समाज अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा के प्रति सजग नहीं है, तो लोकतंत्र का नैतिक आधार भी कमजोर पड़ जाता है।

मीडिया की भूमिका पर भी गंभीर विचार की आवश्यकता है। लोकतंत्र में स्वतंत्र पत्रकारिता अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चों से जुड़े यौन अपराधों की रिपोर्टिंग में संवेदनशीलता सर्वोपरि होनी चाहिए। पीड़ित की पहचान की रक्षा, अपुष्ट सूचनाओं से बचाव और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान–ये केवल कानूनी दायित्व नहीं, बल्कि पत्रकारिता की नैतिक जिम्मेदारियां भी हैं। दुर्भाग्य से कई बार प्रतिस्पर्धा और सनसनी के कारण इन मूल्यों की उपेक्षा होती है। इससे पीड़ित और उसके परिवार की पीड़ा कई गुना बढ़ जाती है। यह भी ध्यान रखना होगा कि हर ऐसी घटना को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का माध्यम बना देना समस्या का समाधान नहीं है। अपराधी का कोई धर्म, जाति या दल नहीं होता; उसका केवल अपराध होता है। बच्चों की सुरक्षा पर राष्ट्रीय सहमति बननी चाहिए। यह विषय चुनावी बहस का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संकल्प का होना चाहिए।

यदि इस संकट का समाधान केवल कठोर दंड में खोजा जाएगा, तो हम समस्या के केवल एक हिस्से को ही संबोधित करेंगे। दंड आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक आवश्यक है अपराध की सामाजिक जमीन को कमजोर करना। यह तभी संभव होगा जब बाल सुरक्षा को कानून-व्यवस्था के सीमित दायरे से निकालकर सार्वजनिक नीति और सामाजिक संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए।

सबसे पहले न्याय व्यवस्था को अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाना होगा। पॉक्सो के मामलों की जांच के लिए प्रशिक्षित पुलिस अधिकारियों, आधुनिक फोरेंसिक प्रयोगशालाओं और समयबद्ध अभियोजन की व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतों का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब वे वास्तव में त्वरित न्याय दें। न्याय में अनावश्यक विलंब केवल पीड़ित का विश्वास ही नहीं तोड़ता, बल्कि कानून के प्रति समाज का भरोसा भी कमजोर करता है।

दूसरा, बाल संरक्षण की संस्थाओं को अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है। स्कूल, आंगनवाड़ी, बाल कल्याण समितियां, जिला बाल संरक्षण इकाइयां और स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा संबंधी नियमित प्रशिक्षण, परामर्श सेवाएं और शिकायत तंत्र विकसित किए जाएं। प्रत्येक विद्यालय में ऐसा वातावरण बने, जहां कोई बच्चा बिना भय अपनी बात कह सके।

तीसरा, परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। भारतीय परिवारों में बच्चों से संवाद का दायरा अक्सर पढ़ाई, अनुशासन और भविष्य तक सीमित रहता है। अब समय आ गया है कि माता-पिता बच्चों से उनके अनुभवों, भय, मित्रों, डिजिटल गतिविधियों और व्यक्तिगत सुरक्षा पर भी खुलकर बातचीत करें। विश्वास का संबंध किसी भी सुरक्षा व्यवस्था की पहली शर्त है। जिस बच्चे को यह भरोसा हो कि उसकी बात सुनी जाएगी और उस पर विश्वास किया जाएगा, वह संकट की स्थिति में चुप नहीं रहेगा।

चौथा, समाज को अपनी संवेदनशीलता पुनः अर्जित करनी होगी। हम ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सार्वजनिक जीवन में उदासीनता बढ़ती जा रही है। लोग किसी संदिग्ध स्थिति को देखकर भी हस्तक्षेप करने से बचते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी होगी। एक सजग नागरिक केवल कानून का पालन करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने आसपास घट रही असामान्य घटनाओं के प्रति भी जिम्मेदार होता है। बच्चों की सुरक्षा सामुदायिक जिम्मेदारी है, केवल पुलिस की नहीं।

डिजिटल माध्यमों की बढ़ती पहुंच को देखते हुए सरकार, तकनीकी कंपनियों और नागरिक समाज को मिलकर ऑनलाइन बाल सुरक्षा के लिए भी व्यापक अभियान चलाना होगा। इंटरनेट आज बच्चों की शिक्षा का माध्यम भी है और खतरे का रास्ता भी। इसलिए डिजिटल साक्षरता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

मीडिया को भी आत्मसंयम का परिचय देना होगा। किसी भी नाबालिग पीड़ित की गरिमा सर्वोच्च होनी चाहिए। सनसनी, अपुष्ट दावे और भावनात्मक उत्तेजना से अधिक महत्वपूर्ण तथ्य, संवेदनशीलता और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान है। पत्रकारिता का धर्म समाज को जागरूक करना है, भय और उत्तेजना फैलाना नहीं।

श्रीगंगानगर की घटना का अंतिम निर्णय न्यायालय करेगा। दोषी कौन हैं, किसकी क्या भूमिका रही, यह कानून तय करेगा। लेकिन इस घटना ने जो प्रश्न समाज के सामने रखे हैं, उनका उत्तर अदालत नहीं दे सकती। उनका उत्तर हमें देना होगा। हमें यह तय करना होगा कि क्या हम हर भयावह घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त कर फिर सामान्य हो जाने वाला समाज बने रहेंगे, या ऐसी परिस्थितियां पैदा करेंगे जिनमें बच्चों के विरुद्ध अपराध करना कठिन हो जाए।

किसी राष्ट्र की सभ्यता का मूल्यांकन उसके सकल घरेलू उत्पाद, राजमार्गों, स्मार्ट शहरों या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं किया जाता। उसका वास्तविक मूल्यांकन इस आधार पर होता है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों की कितनी रक्षा करता है। बच्चे किसी भी समाज की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि उनका बचपन भय, हिंसा और असुरक्षा में बीते, तो विकास की हर उपलब्धि अपना नैतिक अर्थ खो देती है।

भारत आज विश्वगुरु बनने, विकसित राष्ट्र बनने और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। यह लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब देश का हर बच्चा और हर बच्ची भयमुक्त वातावरण में जी सके। सुरक्षित बचपन केवल सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व भी है। संविधान ने प्रत्येक बच्चे को गरिमा, समानता और जीवन का अधिकार दिया है। उन अधिकारों की रक्षा केवल न्यायालयों का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है।

श्रीगंगानगर की घटना को यदि हम केवल एक समाचार बनाकर भूल गए, तो यह हमारी सबसे बड़ी नैतिक पराजय होगी। लेकिन यदि यह घटना हमें अपने सामाजिक व्यवहार, संस्थागत व्यवस्थाओं और सार्वजनिक नीतियों की गंभीर समीक्षा के लिए प्रेरित करती है, तो शायद उन असंख्य बच्चों के भविष्य को अधिक सुरक्षित बनाया जा सकेगा, जिनकी आवाज आज भी हमारे शोर में दब जाती है।

प्रश्न केवल इतना नहीं है कि अपराधियों को कितनी कठोर सजा मिलेगी। उससे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम ऐसा भारत बना पाएंगे, जहां किसी बच्ची का बचपन भय के साए में न बीते। इसी प्रश्न का उत्तर आने वाले समय में हमारे समाज की वास्तविक पहचान तय करेगा।

संपादकीय

शर्मसार हैं हम

अब आए दिन देश के प्रिंट मीडिया से लेकर अन्य सूचना माध्यमों में यौन अपराधों की विचलित करने वाली घटनाएं सुर्खियों में रहती हैं। यौन लिप्साओं का यह विस्फोट विचलित करने वाला है। कोई निर्भया, किसी के साहस के बूते अपने साथ हुए अन्याय को उजागर कर देती है, वहीं देश की अनेक निर्भयाएं यौन हिंसा व क्रूरता के बावजूद गुमनामी के अंधेरे में त्रास झेलने को अभिशप्त हो जाती हैं। हाल की दो घटनाओं ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में बारह वर्षीय बालिका को चार दिन बंधक बनाकर दो दर्जन लोगों द्वारा दुराचार किया गया। इस मामले में 18 अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं और कुछ गिरफ्तारियां बाकी हैं। दूसरी घटना पश्चिम बंगाल की है जहां बारुईपुर में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। शव परीक्षण में पाया गया कि उसके सिर व निजी अंगों पर गंभीर चोटें थी। इतना ही नहीं, दुराचार के बाद उसे बोरे मे बंद करके जिंदा ही तालाब में डुबो दिया गया। दोनों ही घटनाएं विचलित करने वाली हैं, लेकिन श्रीगंगानगर की घटना हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली है। जनाक्रोश के चलते प्रशासन ने न केवल 18 लोगों को गिरफ्तार किया बल्कि उन होटलों को भी ध्वस्त किया गया जहां अलग-अलग जगहों में बच्ची को बंधक बनाकर देह व्यापार कराया गया। निस्संदेह, मोबाइल के बढ़ते हस्तक्षेप से परिवार संस्था की चूलें हिली नजर आती हैं। कथित सोशल मीडिया समाज में विद्रूपताओं को जन्म दे रहा है। श्रीगंगानगर की बारह वर्षीय लड़की शहर से सौ किमी दूर अपने एक इंस्टाग्राम फ्रेंड से मिलने जाती है, जो उससे वहां दुराचार करता है। वहां से देर रात शहर लौटने पर एक रिक्शेवाले के झांसे में आकर होटल पहुंचती है और फिर उसके साथ दुराचार का अंतहीन सिलसिला शुरू हो जाता है। परिजनों के लापता किशोरी के तलाश में थाने पहुंचने के बाद पुलिस हरकत में आती हैं, फिर उसे मुक्त कराया जाता है। निस्संदेह, ये घटनाएं इंसानियत को शर्मसार करने वाली हैं। इस राक्षसी कृत्य से उद्वेलित लोग श्रीगंगानगर की सड़कों पर उतर आए। क्षुब्ध लोगों ने मशाल जुलूस निकालकर कानून के रखवालों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया। जनाक्रोश को देखते हुए 18 लोगों की गिरफ्तारी हुई। कुछ और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। लेकिन सवाल यह कि भारतीय समाज में हो रहे यौन लिप्साओं के विस्फोट की वजह क्या है? ये नैतिक पतन की पराकाष्ठा क्यों हो रही है? हवस के भूखे भेड़िए न उम्र देखते हैं, न किसी बेटी की बेबसी। उस किशोरी के साथ हुई बर्बरता के बारे में सोचकर भी रूह कांपती है। जो शायद ही जीवनभर इस त्रासदी से उबर पाये।

हम अपना शरीर बदल सकते हैं, लेकिन आत्मा का सॉफ्टवेयर लगातार हमारे साथ यात्रा करता है

आज हमारे पास मोबाइल या कंप्यूटर हो, तो हम समय-समय पर उसका सॉफ्टवेयर अपडेट करते रहते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हमारा यह शरीर और मन भी एक बहुत बड़े और सुपर-फास्ट सॉफ्टवेयर पर काम करता है? हमारा यह जीवन और कुछ नहीं, बल्कि हमारे पिछले जन्म का एक अदृश्य सॉफ्टवेयर है, जो हमारे भीतर लगातार चल रहा है। जब हम इस दुनिया में जन्म लेते हैं, तब हमारा मन बिल्कुल कोरी स्लेट जैसा नहीं होता। हम अपने साथ पुरानी आदतें, संस्कार और कर्मों का एक बहुत बड़ा बैकअप लेकर आते हैं।

यह सॉफ्टवेयर हमारे जीवन में कैसे काम करता है, आइए इसे बहुत सरल भाषा में समझते हैं:

1. चित्तः हमारे भीतर की 'हार्ड डिस्क'

कंप्यूटर में जैसे सारा पुराना डेटा सुरक्षित रखने के लिए एक हार्ड डिस्क होती है, वैसे ही हमारे भीतर 'चित्त' नाम की एक हार्ड डिस्क है। पिछले कई जन्मों में हमने जो कुछ भी अच्छा-बुरा किया है, देखा है या अनुभव किया है, वह सब कुछ इसमें सेव हो जाता है। कई बार हम किसी बिल्कुल अनजान जगह पर पहली बार जाते हैं, फिर भी अंदर से ऐसा लगता है कि 'मैं यहाँ पहले भी आ चुका हूँ।' या कोई बिल्कुल अजनबी व्यक्ति हमें पहली ही मुलाकात में बहुत प्यारा लगने लगता है, उसके साथ एक पवित्र और निस्वार्थ मित्रता (सख्य भाव) बन जाती है। यह और कुछ नहीं, बल्कि हमारी पुरानी हार्ड डिस्क से किसी फाइल के अचानक 'लोड' होने का संकेत है।

2. संस्कारः मोबाइल की 'प्री-इंस्टॉल्ड ऐप्स'

जब हम नया मोबाइल खरीदते हैं, तो उसमें वॉट्सऐप या कैमरे जैसी कुछ ऐप्स पहले से ही डाउनलोड की हुई आती हैं। बस, ठीक उसी तरह हमारे भीतर भी कुछ आदतें और प्रतिभाएं पहले से ही डाउनलोड की हुई होती हैं। आपने देखा होगा कि दो सगे भाई-बहन एक ही घर में, एक ही माता-पिता के पास बड़े होते हैं, फिर भी दोनों का स्वभाव बिल्कुल अलग होता है। कोई बच्चा बचपन से ही सुंदर लिखने लगता है, कोई खेल के मैदान में मेडल जीतने के लिए दौड़ने लगता है, तो किसी बच्चे के दिल में मूक पशु-पक्षियों के प्रति अपार करुणा और 'जीव दया' का भाव होता है। यह सब पूर्वजन्म की कमाई है, जो इस जन्म में अपने आप हमारे साथ आती है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण भी कहते हैं कि पूर्वजन्म के संस्कार मनुष्य को अपने आप अच्छे मार्ग की ओर खींच ले जाते हैं।

3. कर्म का गणितः जैसा इनपुट, वैसा आउटपुट

कोई भी सॉफ्टवेयर एक नियम पर चलता है कंप्यूटर में जैसा टाइप करोगे, स्क्रीन पर वैसा ही दिखेगा। हमारा कर्मों का सिद्धांत भी ऐसा ही है।

हमारे शास्त्र कहते हैं कि हमारे कर्म तीन भागों में बंटे हुए हैं:

संचित कर्म (बड़ा स्टोरेज): हमारे सभी जन्मों के पुण्य और पाप का पूरा हिसाब-किताब।

प्रारब्ध कर्म (भाग्य):उस बड़े हिसाब में से जितना हिस्सा हमें इस जन्म में भोगने के लिए मिला है, वह। जीवन में आने वाले सुख-दुख या परिस्थितियां इसी प्रारब्ध के कारण सामने आती हैं।

आगामी कर्म (लाइव कोडिंग): यह सबसे महत्वपूर्ण है! आज वर्तमान में हम जो नए और अच्छे कार्य करते

हैं, वह हमारी 'लाइव कोडिंग' है। इससे हमारा भविष्य बदलता है।

भले ही सॉफ्टवेयर (भाग्य) पिछले जन्म का हो, लेकिन इसे फिर से लिखने का कीबोर्ड (पुरुषार्थ/मेहनत) आज भी हमारे हाथ में है। मनुष्य का चरित्र (किरदार) ऐसा होना चाहिए कि चाहे जैसी भी मुसीबत आए, अंदर का सॉफ्टवेयर कभी क्रैश न हो।

सॉफ्टवेयर को 'अपग्रेड' कैसे करें?

इस विषय को समझने का अर्थ यह नहीं है कि हम भाग्य के भरोसे बैठ जाएं। यह तो हमें जगाने के लिए है.

नकारात्मकता के वायरस डिलीट करें: गुस्सा, ईर्ष्या और स्वार्थ उस वायरस की तरह हैं जो हमारा जीवन बर्बाद करते हैं। अच्छे विचारों से इन्हें रोज साफ करें।

सत्कर्म का नया डेटा जोड़ें:रोज कोई अच्छी किताब पढ़ें, किसी की मदद करें और पशु-पक्षियों के प्रति दया का भाव रखें। यह सब आपकी आत्मा के खाते में 'नए अपडेट' के रूप में जमा होता है।

हंसते हुए सामना करें जीवन में कभी कोई मुश्किल या अन्याय जैसी स्थिति बने, तब हिम्मत हारने के बजाय मुस्कुराते हुए उसका सामना करें; क्योंकि वह हमारा ही कोई पुराना हिसाब चुकता हो रहा है।

अंत में बस इतना ही...

पोशाक बदले जैसे यहाँ सिर्फ काया बदलती है,

बाकी आत्मा का सॉफ्टवेयर तो भवोभव (हर जन्म) साथ चलता है।

मृत्यु तो केवल 'हार्डवेयर' बदलने की एक प्रक्रिया है, बाकी यह आत्मा तो अपने संस्कारों के साथ ही सफर करती है। हम अपना शरीर बदल सकते हैं, लेकिन आत्मा का सॉफ्टवेयर हमेशा हमारे साथ यात्रा करता है। आइए, आज ही अपने अच्छे विचारों और कड़ी मेहनत के दम पर इस सॉफ्टवेयर को इतना सुंदर बना दें कि हमारा जीवन पूरे समाज के लिए प्रेरणा का झरना बन जाए!

दर्शना पटेल
(नेशनल मेडलिस्ट) स्पोर्ट्स टीचर.

यूपी के 12 लाख शिक्षकों और कर्मचारियों को मिलेगा 1 करोड़ का एक्सीडेंटल बीमा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के 12 लाख से ज्यादा शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी सौगात दी है। इन लोगों को अब से एक करोड़ रुपये का एक्सीडेंटल बीमा मिलेगा। साथ ही कैशलेस इलाज की सुविधा भी दी जाएगी। यूपी सरकार ने इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ

समझौता किया है। यूपी पहला राज्य है जहां शिक्षकों को यह सुविधा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कैशलेस इलाज और एक करोड़ रुपये बीमे के लिए एसबीआई के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया। सीएम योगी ने कहा कि दुर्घटना किसी के साथ भी हो सकती है। ऐसे में शिक्षकों के परिवार को हर तरह की सुविधा मिलनी चाहिए। इसीलिए एसबीआई के साथ शिक्षकों के बीमा के लिए समझौता किया गया है। इसके दायरे में बेसिक शिक्षा विभाग के 4.50 लाख स्थायी और 5.50 लाख संविदा कार्मिक आएंगे। इसमें टीचर, शिक्षामित्र, अनुदेशक, मिड डे मील योजना से जुड़े रसोइयां आदि शामिल हैं।

बच्चों की पढ़ाई और बेटियों की शादी के लिए मिलेगा पैसा

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अगर किसी शिक्षक या कर्मचारी के साथ अनहोनी होती है तो उनके बच्चों की पढ़ाई और बेटियों की शादी के लिए भी आर्थिक सहायता मिलेगी। इस योजना के तहत 10 लाख का ग्रुप टर्म इंश्योरेंस, एक करोड़ रुपये का पर्सनल एक्सीडेंट कवर और एक करोड़ रुपये का स्थायी दिव्यांगता कवर मिलेगा। इसके अलावा 1.60 करोड़ रुपये का अतिरिक्त दुर्घटना बीमा कवर दिया जाएगा।

शिक्षकों ने कभी ऐसी सुविधा की मांग नहीं की

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सामाजिक सुरक्षा की नई योजना है जिसकी घोषणा पहली बार की जा रही है। शिक्षकों ने कभी ऐसी सुविधा की मांग नहीं की थी लेकिन सरकार ने उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। हादसा किसी के साथ भी हो सकता है।

राम मंदिर में बड़ा बदलाव, बैंक खाते से लेकर दान पेटी तक के बदल गए सारे नियम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आयोध्या। राम मंदिर ट्रस्ट ने चढ़ावा व्यवस्था में बड़े बदलाव किए हैं. अब बैंक खातों का संचालन कृष्ण मोहन, जगदीश और चंदन राय के संयुक्त हस्ताक्षर से होगा. दान गणना स्थल पर सुरक्षा बढ़ाई गई है और 13 नए सीसीटीवी लगाए गए हैं. वहीं दूसरी ओर आजतक को मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रस्ट नियमों के तहत कार्रवाई की संभावना के बीच चंपत राय और अनिल मिश्रा ने इस्तीफा

दिया. राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने दान व्यवस्था और बैंकिंग सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं. अब मंदिर के बैंक खातों का संचालन एक व्यक्ति के बजाय तीन अधिकृत हस्ताक्षरकर्ताओं के माध्यम से होगा. इसके साथ ही दान पेटियों से मिले पैसे की गिनती तक की पूरी प्रक्रिया में सुरक्षा बढ़ा दी गई है. अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाई गई है और पुलिस की तैनाती भी मजबूत की गई है. राम मंदिर ट्रस्ट ने बैंक खातों के संचालन की व्यवस्था में बदलाव किया है. अब कार्यकारी महासचिव कृष्ण मोहन के साथ उनके दो सहयोगियों जगदीश और चंदन राय को भी अधिकृत किया गया है. नई व्यवस्था के तहत मंदिर के बैंक खातों से जुड़े किसी भी वित्तीय लेनदेन के लिए इन तीनों के संयुक्त हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे. यानी अब किसी एक व्यक्ति के हस्ताक्षर से बैंकिंग संबंधी प्रक्रिया पूरी नहीं होगी. अब तक बैंकिंग व्यवस्था की जिम्मेदारी ट्रस्टी अनिल मिश्रा के पास थी और बैंक में उनके हस्ताक्षर ही मान्य थे. ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी के केवल डिजिटल हस्ताक्षरों का उपयोग किया जाता था. नई व्यवस्था को वित्तीय पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है.

दान गणना स्थल पर बढ़ाई गई सुरक्षा

दान व्यवस्था में सुरक्षा को लेकर भी कई बदलाव किए गए हैं. अब दान गणना स्थल पर कुल 43 लोग मौजूद रहेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया कई स्तरों पर निगरानी में हो. इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए 13 अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. जिन स्थानों पर पहले कैमरे नहीं थे, वहां भी नए कैमरे स्थापित कर दिए गए हैं. ट्रस्ट का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि दान पेटी से लेकर नकदी की गिनती तक हर गतिविधि कैमरों की निगरानी में रहे. नई व्यवस्था के तहत दान पेटियों से नकदी को गणना स्थल तक पहुंचाने के लिए 27 एसआईएस सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है. इसके अलावा पुलिस बल की अलग से तैनाती भी की जाएगी. दान पेटी और गणना स्थल के बीच आने वाले विभिन्न पिलरों पर पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे. विशेष रूप से पिलर नंबर 34 के पास तीन अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी. ट्रस्ट के अनुसार, इस स्थान पर गुप्त दान पेटी रखी गई है, इसलिए यहां अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं. जानकारी के मुताबिक, चढ़ावा चोरी मामले में चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफों के पीछे ट्रस्ट के नियमों से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कारण भी सामने आया है. सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट के नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि यदि कोई पदाधिकारी या ट्रस्टी किसी गड़बड़ी या अनियमितता का दोषी पाया जाता है.

महादेव के दर्शन के लिए गुजरात के श्रद्धालुओं से कॉन्स्टेबल ने की डील, ऐंठे 13,200 रुपए

ओंकारेश्वर मंदिर में वीवीआईपी दर्शन के नाम पर कॉन्स्टेबल ने गुजरात के श्रद्धालुओं से 13,200 रुपए ऐंठ लिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंडवा। देश के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंगों में से एक, पावन तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में एक बार फिर आस्था और भक्ति के साथ आए श्रद्धालु ठगी का शिकार हुए हैं। देश के अलग-अलग कोनों से बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने आने वाले भक्तों को कभी सुरक्षाकर्मियों की धक्कामुक्की का सामना करना पड़ता है, तो कभी वे धोखाधड़ी के जाल में फंस जाते हैं। इस बार ठगी का यह गंभीर मामला मांधाता थाने के आरक्षकों और स्थानीय साठगांठ से जुड़ा हुआ है।

भीड़ का फायदा उठाकर ऐंठे 13,200

गुजरात से श्रद्धालुओं का एक दल ओंकारेश्वर दर्शन के लिए पहुंचा था। ओंकारेश्वर मंदिर में भारी भीड़ होने के कारण परेशान श्रद्धालुओं ने वहां तैनात आरक्षक धर्मेंद्र गुर्जर से बेहतर दर्शन कराने की गुहार लगाई। बाहर से आए इन श्रद्धालुओं को मंदिर प्रबंधन द्वारा तय की गई आधिकारिक VIP दर्शन व्यवस्था और प्रोटोकॉल की सही जानकारी नहीं थी। इसी का फायदा उठाकर आरक्षक धर्मेंद्र गुर्जर ने स्थानीय जिला प्रशासन के ग्रुप से प्रोटोकॉल लिंक का उपयोग किया और वीआईपी दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से ?13,200 वसूल लिए। हैरान करने वाली बात यह है कि यह राशि मंदिर प्रबंधन के पास जमा ही नहीं की गई।

SP और कलेक्टर का कड़ा एक्शन

मामला उजागर होने और विवाद बढ़ने पर खंडवा SP अगम जैन ने तत्काल प्रभाव से कड़ा एक्शन लिया। उन्होंने आरोपी आरक्षक धर्मेंद्र गुर्जर और अमन को तत्काल लाइन अटैच कर दिया है। साथ ही मांधाता थाना प्रभारी अनूप सिंधिया को मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। आरक्षकों के प्रभाव को देखते हुए SP ने लाइन अटैच अवधि के दौरान उनके मंदिर परिसर में प्रवेश पर भी पूरी तरह रोक लगा दी है।VIP प्रोटोकॉल के नाम पर आने वाली किसी भी लिंक की पहले बारीकी से जांच की जाए, उसके बाद ही दर्शन की अनुमति दी जाए। ऋषव गुप्ता, खंडवा कलेक्टर

मंदिर के सुरक्षा गार्ड और फोटोग्राफर पहुंचे जेल

जांच के प्रथम चरण में यह साफ हो गया कि इस खेल में सिर्फ पुलिसकर्मी ही नहीं, बल्कि एक पूरा सिंडिकेट काम कर रहा था। ठगी के इस मामले में मंदिर ट्रस्ट द्वारा नियुक्त सुरक्षा गार्ड संजय मोरे और वहां फोटो खींचने वाले सचिन अग्रवाल के नाम भी सामने आए हैं। मंदिर प्रबंधन की शिकायत पर मांधाता थाना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है।

गड्डें को तालाब बता डकार गए लाखों रुपये MP में सामने आया बड़ा घोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में सरकारी धन के कथित दुरुपयोग का बड़ा मामला सामने आया है. यहां स्टेट हाईवे निर्माण के दौरान सड़क किनारे बने गड्डें को तालाब बताकर जिला खनिज प्रतिष्ठान फंड से 25 लाख रुपये निकालने का आरोप लगा है. पूरे प्रकरण के सामने आने के बाद प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक रीवा से शहडोल के टेटका मोड़ तक सड़क निर्माण के दौरान ठेका कंपनी ने सड़क किनारे से मिट्टी निकालकर उसका उपयोग सड़क बनाने में किया था. इससे कई बड़े गड्डेंबन गए. आरोप है कि जयसिंहनगर ब्लॉक के जोरा गांव में इन्हीं गड्डें को तालाब बताकर DMF फंड से 25 लाख रुपये खर्च दिखा दिए गए. शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया कि मामला सिर्फ जोरा गांव तक सीमित नहीं है. वर्ष 2022-23 में DMF फंड से तालाब निर्माण और उनके सौंदर्यीकरण के लिए करीब साढ़े सात करोड़ रुपये स्वीकृत किए

गए थे. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कई स्थानों पर नए तालाब बनाने के बजाय पहले से मौजूद तालाबों के नाम पर ही सरकारी राशि निकाल ली गई. स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पिछले करीब एक साल से इस कथित गड़बड़ी की शिकायत कर रहे थे, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया. बाद में जांच शुरू होने पर पूरा मामला उजागर हुआ. अब प्रशासन ने सभी कार्यों की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है.

'बेटी के साथ कुछ हुआ तो गोली मार दूंगा', कानपुर में छेड़छाड़ से आहत पिता ने आरोपी को धमकाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। बर्रा थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय बच्ची से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया है. बेटी को परेशान किए जाने से नाराज पिता ने आरोपी युवक के घर पहुंचकर उसके पिता को तमंचा दिखाकर धमकी दे दी. घटना के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

दरअसल, बच्ची ने पड़ोस में रहने वाले युवक पर लगातार परेशान करने और अश्लील हरकतें करने का आरोप लगाया था. बच्ची का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें वह रोते हुए अपनी परेशानी बता रही है. वीडियो में बच्ची ने आरोप लगाया कि घर से बाहर निकलने पर युवक छत से उसे गलत इशारे करता है, सीटी बजाकर परेशान करता है और साइकिल चलाने जाने पर उसका पीछा करता है. बेटी की परेशानी को लेकर पिता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि किसी बड़ी घटना के बाद मोमबत्तियां जलाने से बेहतर है कि समय रहते एक मासूम बच्ची के लिए आवाज उठाई जाए. उन्होंने प्रशासन से कार्रवाई की मांग करते हुए सवाल उठाया कि क्या किसी बड़ी वारदात का इंतजार किया जा रहा है. पिता ने आरोप लगाया कि आरोपी पक्ष प्रभावशाली है और मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है. उन्होंने मुख्यमंत्री और कानपुर पुलिस से बच्ची की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की. पुलिस के मुताबिक, 27 जून को बच्ची के पिता आरोपी के घर पहुंचे थे. इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बातचीत कर मामला शांत कराने का प्रयास किया जा रहा था. आरोप है कि इसी बीच बच्ची के पिता तमंचा लेकर पहुंचे और आरोपी के पिता को धमकाया. पिता ने कथित तौर पर कहा कि अगर भविष्य में उनकी बेटी के साथ कोई घटना हुई तो वह गोली मार देंगे. मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली.

'आप गुंडई करेंगे, दिमाग खराब है...',हाई कोर्ट के जज को फटकारते हुए बनाया AI वीडियो, पुलिस ने दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंगरौली। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जबलपुर हाईकोर्ट के खिलाफ.ढ्ढ फेक वीडियो कांफ्रेंसिंग बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है आरोपी की पहचान अमित कुमार तिवारी पिता बृजेन्द्र तिवारी उम्र 26 साल निवासी पिपराझापी जिला सिंगरौली के रूप में हुई है.

जबलपुर हाईकोर्ट ने खुद लिया संज्ञान

पुलिस के अनुसार आरोपी हाई कोर्ट जबलपुर की फर्जी वीडियो कांफ्रेंसिंग की वीडियो में वह न्यायालय के विरुद्ध अमर्यादित और अभद्र टिप्पणी करता दिख रहा था। इस वीडियो को आरोपी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक और एक्स यानी ट्विटर हैंडल पर शेयर कर दिया. मामले ने तूल पकड़ा तो उच्च न्यायालय जबलपुर ने 06.07.2026 को इसका स्वतः संज्ञान लिया और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए. इसके पालन में थाना सिविल लाइन जबलपुर में जीरो पर प्राथमिकी दर्ज कर विवेचना के लिए बैढ़न थाना को भेजा गया . थाना बैढ़न में आरोपी के खिलाफ 859/26 धारा 351(4), 353(2), 356(2), 319(2), 296 बीएनएस एवं 67 आईटी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया.

'जितना केस तुम देखे नहीं हो न ...'

बता दें कि वीडियो में युवक ऑनलाइन कॉनफ्रेंसिंग पर जज को फटकारता दिख रहा है और कह रहा है- जज हैं तो कुछ भी करेंगे दिमाग खराब है. हद तो तब हो गई जब उसने कहा- आप गुंडागर्दी करेंगे तो मुझसे बड़ा गुंडा कोई नहीं है. ऐसा वैसा वकील समझे हैं क्या, जितना केस तुम देखे नहीं हो उतने में मैं रोज अपीयर होता हूं. मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी षियाज के.एम. ने त्वरित गिरफ्तारी के निर्देश दिए जहां पुलिस की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है. पूछताछ में अमित तिवारी ने बताया कि उसने अपने फेसबुक पेज 'प्रचंड प्रहार' की रीच बढ़ाने के लिए यह फर्जी वीडियो बनाकर वायरल किया था .पुलिस ने वीडियो बनाने में प्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त कर लिए हैं. आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है.

कौशांबी में बेकाबू अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे पंचर बनवा रहे 2 सगे भाइयों समेत 4 लोगों को रौंदा

यूपी के कौशांबी में मंगलवार की रात त्रिलोकपुर गांव के निकट पंचर हुए पिकअप वाहन का पंचर बनवा रहे 2 सगे भाइयों समेत 4 लोगों को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने रौंद दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

यूपी। कौशांबी में मंगलवार की रात त्रिलोकपुर गांव के पास हुआ हादसा, गाड़ी का पंचर बनवा रहे लोगों को तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, अज्ञात वाहन की टककर से 2 सगे भाइयों समेत 4 लोगों को मौत, यूपी के कौशांबी में मंगलवार की रात त्रिलोकपुर गांव के निकट पंचर हुए पिकअप वाहन का पंचर बनवा रहे 2 सगे भाइयों समेत 4 लोगों को तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। जिससे सभी गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज आवाज के साथ हुई वाहनों की टक्कर सुनकर पहुंचे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने सभी को इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सको ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दी और शवों को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है।

चारपाई बनाने का कारोबार करते थे

नगर पंचायत सिराथू के वार्ड नंबर 10 निवासी दो सगे भाई साबिर और अकबर, लोहे से बनी चारपाई बनाने का कारोबार करते है। मंगलवार की अर्धरात्रि लगभग 11 बजे वह अपने दो साथियों अनवर निवासी मूरतगंज तथा एहसान निवासी रसूलपुर के साथ मिलकर पिकअप वाहन में चारपाई लादकर उन्नाव जनपद जा रहे थे। पिकअप वाहन सैनी से चन्द दूरी स्थित त्रिलोकपुर गांव के निकट कंगन होटल पहुंचे ही थे कि वाहन का पिछला पहिया पंचर हो गया। पंचर वाले को बुलाकर चालक और उसके साथी सड़क किनारे पंचर टायर बदल रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। तेज आवाज के साथ हुई वाहनों की टक्कर सुनकर पहुंचे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराथू पहुंचाया।

नोएडा में कार सीख रही महिला ने ब्रेक की जगह दबाया एक?सीलेटर, स्कूल बस का इंतजार कर रहे 5 बच्चे घायल

नोएडा में कार सीख रही महिला की गलती से पांच बच्चों को चोट लग गई। सोसाइटी वालों ने महिला पर कई आरोप लगाए हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। पंचशील ग्रीन-2 सोसायटी के बाहर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कार चलाना सीख रही एक महिला वाहन पर नियंत्रण खो बैठी और स्कूल जाने के लिए तैयार बच्चों पर गाड़ी चढ़ा दी। मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन सभी घायल बच्चों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे में महिला कार चालक के सिर में भी चोट आई है। सोसायटी में रहने वाले लोगों के मुताबिक, महिला ने गाड़ी चलाते समय गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबा दिया, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे स्कूल बस का इंतजार कर रहे बच्चों की ओर बढ़ गई। इस घटना में पांच स्कूली बच्चे घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद जगह पर अफरा-तफरी मच गई और लोग चीख-पुकार करने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोसाइटी के एग्जिट गेट के पास ढलान है। फोन पर बात करने के कारण महिला ने एक्सीलेटर पर पैर रख? दिया। इस वजह से सर्विस लेन में खड़े स्कूटी में जोरदार टक्कर लगा जिसके कारण कार

की रफ्तार धीमी हो गई अन्यथा आज कई लोगों और बच्चों की जान चली गई होती।

महिला भी बच्चों को स्कूल छोड़ने जा रही थी

बताया जा रहा है कि महिला भी अपने बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए कार लेकर निकली थी। वह अभी कार चलाना सीख रही थी। सोसायटी के गेट से निकलते वक्त कार का संतुलन बिगड़ा और वह ब्रेक की जगह गलती से एक्सीलेटर दबा बैठी। गाड़ी तेज होकर पहले सड़क के किनारे खड़ी एक स्कूटी से जा टकराई। टक्कर के बावजूद कार रुकी नहीं और आगे बढ़ते हुए स्कूल बस का इंतजार कर रहे पांच बच्चों को कुचलते हुए आगे बढ़ गई। हादसे के बाद वहां मौजूद लोगों ने फौरन पहुंच कर बच्चों को कार के नीचे और आसपास से बाहर निकाला। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस भी मौके पर पहुँचे और सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, बच्चों को हल्की-फुल्की चोटें आई थीं। प्राथमिक उपचार करके उन्हें छुट्टी दे दी गई। सोसायटी के लोगों का आरोप है कि दुर्घटना के बाद महिला कार लेकर मौके से चली गई। गुस्साए अभिभावकों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए और कहा कि सुबह के समय यहां बड़ी संख्या में बच्चे स्कूल बस का इंतजार करते हैं, मगर उचित सुरक्षा व्यवस्था न होने के कारण हमेशा हादसे का खतरा बना रहता है। निवासियों का यह भी दावा है कि घटना के वक्त महिला मोबाइल पर व्यस्त थी। हालांकि, पुलिस की तरफ से अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि या कोई बयान सामने नही आया है। घटना की खबर मिलते ही इलाके की पुलिस तुरंत घटना स्थल पर पहुंची और जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी।

पुणे-लोनावला मार्ग पर परिवार को ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख की रंगदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। हाईवे स्टेट पुलिस के दो कॉन्स्टेबल और तीन वार्डन को एक परिवार से पांच लाख रुपये वसूलने की कोशिश में हिरासत में लिया गया है. आरोपियों ने लोनावला जा रहे शिकायतकर्ता और उसके परिवार को ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगे थे. घटना 5 और 6 जुलाई की रात को बताई जा रही है. महाराष्ट्र के पुणे जिले में हाईवे स्टेट पुलिस के दो कॉन्स्टेबल और तीन वार्डन को एक परिवार से पांच लाख रुपये वसूलने की कोशिश के आरोप में हिरासत में लिया गया है. आरोप है कि इन लोगों ने वाहन चालक और उसके परिवार को ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगे थे. यह घटना 5 और 6 जुलाई की रात लोनावला जाते समय हुई. मामला सामने आने के बाद कामशेत पुलिस ने शिकायत दर्ज कर पांच लोगों को हिरासत में लिया है. पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता अपने दोस्त और उसके परिवार के साथ लोनावला जा रहा था. रास्ते में छह लोगों ने उनकी गाड़ी रोक ली. इनमें ट्रैफिक वार्डन और खाकी वर्दी में मौजूद अन्य लोग शामिल थे. सभी ने रिफ्लेक्टिव जैकेट पहन रखी थी जिस पर एचएसपी यानी हाईवे स्टेट पुलिस लिखा था. शिकायत के अनुसार आरोपियों ने शिकायतकर्ता को ड्रग्स से जुड़े मामले में फंसाने की धमकी दी और पांच लाख रुपये की मांग की. उन्होंने कहा कि अगर पैसे नहीं दिए तो कानूनी कार्रवाई होगी. इसके बाद आरोपी शिकायतकर्ता और गाड़ी में मौजूद बाकी लोगों को तलेगांव के पास एक एटीएम पर ले गए. इसी दौरान शिकायतकर्ता के दोस्त ने अपनी स्मार्ट वॉच से किसी परिचित को मैसेज भेज दिया. आरोपियों को इस बात का पता चल गया. इसके बाद दो आरोपी गाड़ी से उतरकर अपनी एसयूवी में बैठे और मौके से फरार हो गए. घटना के बाद पीड़ितों ने कामशेत पुलिस थाने पहुंचकर छह लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो कॉन्स्टेबल और तीन वार्डन समेत पांच संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है. एक आरोपी की अब भी तलाश जारी है. कामशेत थाने के एक अधिकारी ने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है और सबूतों के आधार पर औपचारिक गिरफ्तारी की जाएगी. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक आकाश पवार ने कहा कि यह जांच की जा रही है कि क्या असल में कोई पैसा वसूला गया, शिकायतकर्ता को किस जगह रोका गया था और क्या पीड़ितों को कहीं और भी ले जाया गया था. पुलिस ने साफ किया है कि यह मामला पुणे ग्रामीण पुलिस ने दर्ज किया है और वही इसकी जांच कर रही है, लेकिन जिन कर्मचारियों की जांच हो रही है वे हाईवे स्टेट पुलिस से जुड़े हैं न कि पुणे ग्रामीण पुलिस से.

लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ग्लोबल कमर टूटी! अमेरिका, कनाडा और यूरोप में बड़ा ऑपरेशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। ग्लोबल जांच एजेंसियों ने कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के इंटरनेशनल क्राइम सिंडिकेट पर अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। लॉरेंस भारतीय जेलों में बैठकर दुनिया भर में दहशत फैला रहा है। इंटरनेशनल एजेंसियों ने अमेरिका और भारत में मौजूद तीन बड़े संगठित अपराध समूहों के खिलाफ विदेशी धरती पर एक साथ कार्रवाई करते हुए लॉरेंस के नेटवर्क को तोड़ दिया है। अमेरिका, कनाडा और यूरोप के अलग-अलग देशों से एक-दो नहीं, बल्कि 24 हाई-प्रोफाइल संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे हड़कंप मच गया है। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यह ऑपरेशन इतना गुप्त और ज़बरदस्त था कि लॉरेंस के साथियों को भागने का मौका ही नहीं मिला। गिरफ्तार किए गए सभी 24 लोग सीधे तौर पर लॉरेंस बिश्नोई और भारत में मौजूद अन्य संगठित अपराध समूहों से जुड़े थे। ग्लोबल फंडिंग और हथियारों का नेटवर्क: ये संदिग्ध टारगेट किलिंग, रंगदारी, ड्रग तस्करी और विदेश से भारत में आधुनिक हथियार सप्लाई करने का एक बड़ा नेटवर्क चला रहे थे। अमेरिकी जेलों से चल रहा सिंडिकेट भारतीय जेलों से लेकर अमेरिका और कनाडा तक फैले इस पूरे नेटवर्क के खुलासे ने अब पश्चिमी देशों की सुरक्षा एजेंसियों को भी चौंका दिया है। तीन देश, एक कार्रवाई: अमेरिका की FBI, कनाडा की पुलिस और यूरोपीय एजेंसियों ने मिलकर ऑपरेशन चलाया। भारत के 3 गैंग पर कार्रवाई: न सिर्फ लॉरेंस, बल्कि उससे जुड़े तीन अन्य गैंगस्टर समूहों की जड़ें भी उखाड़ दी गई हैं। बड़े खुलासे की आशंका: इन 24 इंटरनेशनल अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद, विदेश में पनाह लिए हुए खालिस्तानी तत्वों और अंडरवर्ल्ड के बीच का कनेक्शन भी बड़े पैमाने पर सामने आएगा। अब लॉरेंस की मुश्किलें दोगुनी: गैंगस्टर चारों तरफ से घिरा भारत में सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से लेकर कई हाई-प्रोफाइल मर्डर केस और बॉलीवुड सेलेब्स को धमकी देने तक, लॉरेंस बिश्नोई चर्चा में रहा है। लेकिन अब यह मामला सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। विदेश में 24 साथियों की गिरफ्तारी से यह साबित होता है कि लॉरेंस गैंग का डेथ वारंट अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी हो चुका है।

राम मंदिर के बाद MP के सिद्धपीठ बगलामुखी में भी चढ़ावे की चांदी और नगदी चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। दान विवाद के बीच अब मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर में भी दान में मिली चांदी, आभूषण और नकदी में कथित अनियमितताओं के आरोपों से हड़कंप मच गया है. श्रद्धालुओं की शिकायतों के बाद कलेक्टर ने तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर सात दिन में रिपोर्ट मांगी है, जिससे पूरे मामले पर सभी की नजरें टिकी हैं. अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी का मामला अभी ठंडा नहीं हुआ, मध्य प्रदेश में आगर मालवा जिले के नलखेड़ा में स्थित विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां बगलामुखी मंदिर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां गैर सरकारी समिति गठित कर चांदी, आभूषण और नगदी रूप में विभिन्न दानों की चोरी जैसे गंभीर आरोप लगे हैं. इस आरोप के चलते श्रद्धालुओं सहित प्रशासन के भी कान खड़े हो गये है. दरअसल,नलखेड़ा में मंदिर के रजत सौंदर्यीकरण के लिए मंदिर परिसर में एक गैर-शासकीय समिति द्वारा श्रद्धालुओं से नगद, स्वर्ण और रजत दान मिलने और उनके उपयोग में वित्तीय अनियमिताएं पाए जाने के आरोप लगे हैं. जिसके बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया है. आगर मालवा की कलेक्टर प्रीति यादव ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए तीन सदस्यीय संयुक्त जांच दल का गठन किया है. इस दल के अध्यक्ष मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बी.एस.सोलंकी होंगे. उनके साथ जिला कोषालय अधिकारी मनीष सोलंकी और नगर परिषद नलखेड़ा की मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल को सदस्य बनाया गया है. यह समिति सात दिनों के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट कलेक्टर को सौंपेगी. कलेक्टर ने अपने आदेश में जांच समिति को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वह यह जांच करे कि क्या मंदिर परिसर में अधिकृत प्रबंधन व्यवस्था से अलग समानांतर दान संग्रह की व्यवस्था संचालित की गई है या चल रही है. साथ ही समिति यह भी जांच करे कि श्रद्धालुओं से मिले नगद, सोना और चांदी का वास्तविक रिकॉर्ड क्या है, उसका लेखा-जोखा किस प्रकार रखा गया है, संबंधित बैंक खातों और अभिलेखों की स्थिति क्या है और इस पूरे मामले में किसी अधिकारी, कर्मचारी, मंदिर प्रबंधन या अन्य संबंधित व्यक्तियों की जवाबदेही बनती है या नहीं . कलेक्टर के आदेश में यह भी कहा गया है कि जांच दल तत्काल मंदिर परिसर का निरीक्षण करे.

सोनम वांगचुक के आमरण अनशन के 11वें दिन AAP ने केंद्र सरकार को घेरा

जंतर मंतर पर 11 दिनों से आमरण अनशन कर रहे सोनम वांगचुक की बिगड़ती सेहत को लेकर AAP ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने पर्यावरण कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार की मांग उठा रहे सोनम वांगचुक के आमरण अनशन को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल किया कि आखिर वह इस मुद्दे पर चुप क्यों हैं। सोनम वांगचुक पिछले 11 दिनों से जंतर-मंतर पर आमरण अनशन पर बैठे हैं और उनकी सेहत लगातार बिगड़ रही है। संजय सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'सोचकर तकलीफ होती है मोदी जी, आप इतने निर्मम कैसे हो सकते हैं? सोनम वांगचुक जैसे पढ़े-लिखे शख्स पेपर लीक के खिलाफ पिछले 11 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे हैं। उनकी हालत बिगड़ रही है, उनका वजन 7 किलो घट चुका है। मोदी जी को उनकी बात सुनने की फुर्सत नहीं। आप तो जंतर-मंतर पहुंचिए। सोनम वांगचुक ने जंतर-मंतर पर आमरण अनशन शुरू किया है। वह परीक्षा में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक के मुद्दे पर जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। इस आंदोलन में कई सामाजिक कार्यकर्ता और छात्र संगठन भी उनका समर्थन कर रहे हैं। अनशन के दौरान वांगचुक की सेहत लगातार गिरने की जानकारी सामने आई है। उनके सहयोगियों के अनुसार उनका वजन करीब 7 किलो कम हो चुका है। साथ ही ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर का स्तर भी घटा है, जिससे समर्थकों की चिंता बढ़ गई है।AAP ने सरकार को घेरा AAP का कहना है कि इतने लंबे समय से अनशन पर बैठे व्यक्ति की मांगों पर सरकार को बातचीत करनी चाहिए। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री से अपील की कि वह जंतर-मंतर जाकर वांगचुक से मिलें और उनकी बात सुनें। हालांकि, खबर लिखे जाने तक केंद्र सरकार की ओर से संजय सिंह के इस बयान पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

डॉक्टर-नर्स से मारपीट पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी, रमेश म्हात्रे की गिरफ्तारी की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (शिंदे) के कॉरपोरेटर रमेश म्हात्रे ने कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शास्त्रीनगर अस्पताल एनआईसीयू वॉर्ड में बेड को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला डॉक्टर (गायनेकोलॉजिस्ट) और कई नर्सिंग स्टाफ सदस्यों के साथ मारपीट की। इस घटना पर प्रियंका चतुर्वेदी ने शिवसेना (शिंदु गुट) पर हमला बोला है। उन्होंने इसे शिवसेना का गुंडा राज बताया है। प्रियंका चतुर्वेदी KDMC में डॉक्टर-नर्स से मारपीट पर कॉरपोरेटर रमेश म्हात्रे की गिरफ्तारी की मांग की है।

एक्स पर शेयर किया वीडियो

एक्स पर इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि शिंदे सेना का गुंडाराज। ये सरकार के प्रतिनिधि हैं जो हिंसा करते हैं, महिलाओं पर हाथ उठाते हैं और आम तौर पर गुंडों जैसा बर्ताव करते हैं। कार्रवाई का मतलब सिर्फ़ FIR दर्ज करना नहीं, बल्कि गिरफ़्तारी और नौकरी से निकालना होना चाहिए।

डॉक्टरों ने दी हड़ताल के चेतावनी

वहीं इस घटना से नाराज डॉक्टरों ने हड़ताल की चेतावनी दी है। म्युनिसिपल कमिश्नर अभिनव गोयल ने कार्रवाई का भरोसा देते हुए हड़ताल नहीं करने की अपील की है। एसीपी सुहास हेमाडे ने बताया कि डॉक्टर और नर्सों की शिकायत के बाद चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कांग्रेस ने भी डॉक्टरों पर हमले की आलोचना की है।

क्या है मामला

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना म्युनिसिपल अस्पताल में हृढ्रष्ट बेड की उपलब्धता को लेकर हुए विवाद के कारण हुई। डॉक्टरों ने एक गर्भवती महिला के परिवार को बताया था कि डिलीवरी के बाद नवजात शिशु को हृढ्रष्ट केयर की जरूरत पड़ सकती है। एनआईसीयू वॉर्ड में बेड पहले से भरे हुए थे। डॉक्टरों ने परिवार को सलाह दी कि अगर बच्चे को एनआईसीयू में एडमिट करना पड़ा तो उन्हें दूसरे हॉस्पिटल में जाना पड़ेगा। इसके बाद विवाद शुरू हो गया।

CJP प्रोटेस्ट को कहां-कहां से मिल रहा समर्थन, बाहरी देशों से भी जंतर-मंतर पर जुट रहे लोग!

स्वर्ण खबर डेस्क

नई दिल्ली। पहले गर्मी और अब जबरदस्त बारिश के बीच भी जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी है। इस बीच देश के अलग-अलग राज्यों से लोग दिल्ली के प्रदर्शन स्थल पर पहुंच रहे हैं। लोगों में पेपर लीक को लेकर इतना रोष है कि कुछ लोग तो विदेश से भी यहां आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया से आए एक शख्स ने बताया है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी का प्रदर्शन देखा और खुद को जंतर-मंतर पर आने से नहीं रोक पाए। आइए आपको बताते हैं कि CJP के प्रोटेस्ट में लोग कहां-कहां से आए हैं।

नर्सरी से PHD तक पढ़ाई फ्री

ऑस्ट्रेलिया से आए विकास राणा ने बताया कि वो पिछले 10 साल से विदेश में हैं। वो सोशल मीडिया से दूर रहते हैं। अगर वहां जाते भी हैं तो उनके फीड में भारत की न्यूज कम ही आती हैं। लेकिन जब उन्होंने जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रोटेस्ट की न्यूज देखी तो उनसे रहा नहीं गया। नीट पेपर लीक पर गुस्सा जाहिर करते हुए विकास ने कहा कि छात्र सुसाइड कर रहे हैं, ये देखकर उन्हें बहुत निराशा हुई। ऑस्ट्रेलिया के एजुकेशन सिस्टम पर बात करते हुए विकास ने कहा कि वहां लोगों के बीच अमीर और गरीब का फासला नहीं है। वहां, अगर आपके माता-पिता फीस नहीं भर सकते तो नर्सरी से लेकर U PHD तक पढ़ाई फ्री है। राजस्थान के भरतपुर से जंतर-मंतर पहुंचे बीएस आर्या ने बताया कि वो इस मूवमेंट को सपोर्ट करने आए हैं। उन्होंने कहा कि वो दो हफ्ते से यहां पर हैं। उन्होंने बताया कि शिक्षा के खिलाफ जो इतना भ्रष्ट सिस्टम चल रहा है, उसके खिलाफ सड़कों पर उतरना जरूरी है। आर्या ने कहा कि वो कॉकरोच जनता पार्टी से नहीं जुड़े हैं, वो सिर्फ नीट पेपर लीक के खिलाफ इस आंदोलन को सपोर्ट करने यहां आए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अनशन चल रहा है, कई बच्चे अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं, लेकिन किसी को फर्क नहीं पड़ रहा है। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कई बार ऐसे मौके भी आए, जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को परेशान करने की कोशिश करती है।

करंट लगने से पति-पत्नी और बेटा-बेटी की मौत, एक ही झटके में खत्म हुआ महाराष्ट्र के सतारा में पूरा परिवार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। सतारा से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। यहां एक ही परिवार के चार लोगों को करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, खामगांव में एक प्राइवेट इंग्लिश-मीडियम स्कूल के पास रहने वाले सतीश उर्फ पिसुरड्या किसान शिंदे (45) सबसे पहले अपने घर के बाहर बिजली के एक चालू तार के संपर्क में आए। उन्हें बिजली का झटका लगते देख उनकी पत्नी गंगुबाई शिंदे (40), बेटे सचिन शिंदे (26) और बेटी आरती शिंदे (24) उन्हें बचाने के लिए दौड़े। लेकिन, वे भी उस चालू तार के संपर्क में आ गए और उन्हें भी बिजली का झटका लगा। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। सतारा के पुलिस अधीक्षक निखिल पिंगले ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि एक केबल टूट गई और ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन के संपर्क में आने से उसमें करंट आ गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद फलटन ग्रामीण पुलिस मौके पर पहुंची और शुरुआती जांच की। बाद में शवों को पोस्टमार्टम के लिए फलटन उप-जिला अस्पताल भेजा गया।

लापरवाही किसकी, पुलिस कर रही जांच

फलटन पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि आशंका है कि तार के संपर्क में आने से एक व्यक्ति को बिजली का झटका लगा और परिवार के अन्य सदस्य उसे बचाने दौड़े, जिससे उन्हें भी बिजली का झटका लगा। पुलिस अब जांच कर रही है कि घर के बाहर तार में करंट कैसे आया, दुर्घटना का कारण क्या था और क्या इसमें कोई लापरवाही बरती गई थी। घटना का सही कारण जांच पूरी होने के बाद ही पता चलेगा। पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज की है। एक अलग घटना में, शनिवार को नालासोपारा में अपने घर के अंदर बिजली का झटका लगने से 20 वर्षीय कॉलेज छात्र वेदांत सावंत की मौत हो गई। उनकी मौत के साथ ही मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में एक सप्ताह के भीतर मॉनसून से जुड़ी बिजली के झटके से मरने वालों की संख्या छह हो गई है। मॉनसून के दौरान बिजली का झटका लगने की घटनाएं बढ़ने के कारण, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने लोगों से बिजली के उपकरणों और बिजली लाइनों के आसपास अतिरिक्त सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए जन सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में लोगों से गीले बिजली के उपकरणों को न छूने या गीले हाथों से बिजली के उपकरणों का इस्तेमाल न करने का आग्रह किया गया है। इसमें यह भी सलाह दी गई है कि अगर बिजली वाले हिस्सों में पानी घुस जाए तो मुख्य बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाए और केवल ISI-प्रमाणित बिजली के उत्पादों का ही इस्तेमाल किया जाए।

उम्रकैद से भागे, फरारी में की 'सुपारी किलिंग अब 10 साल बाद धरे दोनों सगे भाई

दोनों उम्रकैद की सजा से बच रहे थे और अब उन्हें तिहाड़ जेल भेज दिया गया है, जबकि आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। करीब एक दशक से उम्रकैद की सजा से बच रहे दो सगे भाइयों को क्राइम ब्रांच ने अलग-अलग राज्यों से गिरफ्तार किया। इनकी पहचान फिरासत अली (56) और शाहनवाज अली (51) के रूप में हुई है। दोनों को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और झारखंड के गोड्?डा से पकड़ा गया। आरोपी फिरासत अली 2006 के मुंबई के चर्चित सुपारी मर्डर में फरार चल रहा था।

डीसीपी (क्राइम) संजीव यादव के मुताबिक, रघुबीर नगर स्थित पुराने कपड़ों के बाजार में साड़ी खरीदने को लेकर दो परिवारों के बीच 27 सितंबर 1996 को विवाद हुआ।

आरोपी शाहनवाज ने इश्तियाक अहमद को मारने की धमकी दी।

शाम करीब 4:30 बजे शाहनवाज ने अपने भाइयों फिरासत अली, अरशद अली और साथी जहांगीर खान के साथ इश्तियाक की चाकू से हत्या कर दी, रियासत और डब्बू को भी जख्मी हुए, राजौरी गार्डन थाने में केस दर्ज हुआ। सेशन कोर्ट ने 2000 में फिरासत और शाहनवाज को उम्रकैद दी. जमानत के बाद दोनों फरार हो गए। फिरासत 2006 में मुंबई के एक सनसनीखेज हत्या के केस में भी वॉन्टेड था।

पुराने कपड़ों का कर रहे थे कारोबार

मुंबई पुलिस ने 2018 में फिरासत को गिरफ्तार किया, जिसे 2021 में बॉम्बे हाई कोर्ट से जमानत मिली। दिल्ली मर्डर में 2023 में फरलो लेकर फिर फरार हो गया। शाहनवाज 2016 से गायब था।

दिल्ली के रिज में लगेंगे पीपल-बरगद, बदलेगी राजधानी की सूरत, 70 से ज्यादा तालाब भी बनेंगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। तीन-चार वर्षों में दिल्ली के रिज क्षेत्र की सूरत बदलने वाली है। यहां से विलायती कीकर और बबूल जैसे पेड़ों को हटाकर उनकी जगह पर्यावरण के अनुकूल और ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पीपल, बरगद, नीम, अर्जुन, जामुन जैसे देसी प्रजाति के पेड़ लगाए जाएंगे। इस तरह पूरे रिज क्षेत्र को 'दिल्ली का लंग्स' यानी फेफड़ा बनाया जाएगा, जो शहर को स्वच्छ हवा मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाएगा।

आम लोगों को प्रकृति से जोड़ने के लिए रिज एरिया में खास तरह के 8 वन भी बनाए जाएंगे और उनमें अलग-अलग तरह के देसी प्रजाति के पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।

साथ ही रिज एरिया में मौजूद वॉटर बॉडीज और पुरातात्विक संरचनाओं का संरक्षण भी किया जाएगा।

यहां 70 से अधिक छोटे तालाब और कुछ छोटे रेस्तरां भी बनाए जाएंगे। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली में पौधरोपण महाअभियान की शुरुआत करते हुए ये जानकारियां साझा कीं। इस अभियान के तहत दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

प्रदूषण कम करने पर जोर

अभियान के तहत दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में सरकारी विभागों, स्कूलों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जाएगा। इसका उद्देश्य सिर्फ पेड़ लगाना नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सरकार का कहना है कि इससे राजधानी का हरित क्षेत्र बढ़ेगा, वायु गुणवत्ता में सुधार होगा और आने वाले वर्षों में दिल्ली को प्रदूषण से राहत दिलाने में मदद मिलेगी।

सीएम हाउस के सामने सड़क पर खाना खाए नकटी पीड़ित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायपुर/राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ की सियासत में सोमवार को एक ऐसा दृश्य सामने आया जिसने सबको हिला कर रख दिया। नवा रायपुर से लगे नकटी गांव में बीते दिनों हुई भारी बरसात के कारण बेघर हुए पीड़ितों ने न्याय की गुहार लगाने के लिए सीएम हाउस के सामने ही चूल्हा जलाकर भोजन बनाया और आंसुओं के साथ खाना खाया। राज्य के इतिहास में शायद ये पहला मौका है जब पीड़ितों को अपनी बात सुनवाने के लिए सत्ता के सबसे बड़े दरवाजे पर इस तरह का विरोध करना पड़ा। नकटी गांव में लगातार बारिश के कारण दर्जनों परिवारों के घर गिर गए और लोग खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि घटना के बाद भी प्रशासन और सरकार की तरफ से कोई ठोस मदद नहीं पहुंची। इसी नाराजगी को लेकर कांग्रेस नेता तरुण सिन्हा के नेतृत्व में दर्जनों पीड़ित परिवार रायपुर पहुंचे और मुख्यमंत्री निवास के सामने धरने पर बैठ गए। विरोध का नेतृत्व कर रहे तरुण सिन्हा ने कहा कि ये छत्तीसगढ़ के इतिहास में पहली बार हुआ है कि अपने ही प्रदेश के लोग अपने अधिकार की बात करने सीएम हाउस पहुंचे और उन्हें एक गिलास पानी तक नहीं पूछा गया। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा, 'नकटी के पीड़ित लोग भरे बरसात में बेघर हो गए। बच्चे, महिलाएं, बुजुर्ग सब खुले में हैं। ये लोग अपनी व्यथा लेकर सीएम हाउस के सामने बैठे थे। लेकिन प्रदेश के मुखिया को इतनी भी सुध नहीं आई। भाजपा के निर्दयी शासक इतने कठोर हो गए हैं कि अपने ही प्रदेशवासियों को दरवाजे पर भूखा-प्यासा छोड़ दिया।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दो ठग तुमडीबोड़ पुलिस के गिरफ्त में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। पुलिस अधीक्षक राजनांदगांव सुश्री अंकिता शर्मा (भा.पु.से.) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़ द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए आरापीयों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। प्रार्थिया श्रीमती धनेश्वरी साहू, निवासी ग्राम दिवानमेडी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि राहुल देशलहरे (निवासी मचानपार) एवं भागवत निषाद (निवासी अर्जुनी) ने उनकी पुत्री को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक तुमड़ीबोड़ में सहायक प्रबंधक तथा पुत्र को छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक दिवानभेडी में क्लर्क के पद पर नौकरी दिलाने का झांसा देकर नगद एवं फोन-पे के माध्यम से कुल 1,15,000 रुपये प्राप्त कर न नौकरी लगाई और न ही राशि वापस कर धोखाधडी किया है। पुलिस चौकी तुमडीबोड़ क्षेत्रान्तर्गत दुसरी घटना का प्रार्थी हेमंत साहू, निवासी डुमरडीह ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि दोनों आरोपियों ने उसके पुत्र को भारतीय स्टेट बैंक रावनवाड़ी (डोंगरगढ़) में सहायक मैनेजर के पद पर नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर नगद एवं आनलाइन माध्यम से कुल 99,000 रुपये प्राप्त कर धोखाधड़ी किया है। दोनों मामलों की जॉच उपरान्त आरोपीगण के विरुद्ध पृथक-पृथक अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारम्भ की गई। आरोपीयो द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर राशि प्राप्त करने संबंधी तैयार किये गये इकरारनामा, बैंक स्टेटमेंट एवं गवाहो के कथन पर आरोपीगण द्वारा प्रार्थीयो से नौकरी लगाने के नाम पर रकम प्राप्त कर धोखाधडी करना सबुत पाये जाने पर आरोपीयो को विवेचना में सहयोग हेतु विधीवत नोटिस तामील किए जाने के बाद भी सहयोग न कर आरोपीगण फरार हो गयें।

कलेक्टर ने सेवा सेतु परियोजना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेवा सेतु केन्द्र संचालकों को किया सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सेवा सेतु परियोजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सेवा सेतु केन्द्र संचालकों को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर ने सेवा सेतु केन्द्र तहसील कार्यालय छुरिया के प्रबंधक महेश्वर पटेल को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। श्री पटेल द्वारा सेवा सेतु केन्द्र में प्राप्त कुल आवेदनों में से 97.73 प्रतिशत आवेदनों का सफल अनुमोदन कराया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत तुमड़ीबोड़ के सेवा सेतु केन्द्र संचालक देवेन्द्र पटेल को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उनके द्वारा प्राप्त कुल आवेदनों में से 97.55 प्रतिशत आवेदनों का अनुमोदन सुनिश्चित किया गया है। कलेक्टर ने दोनों संचालकों से सेवा सेतु परियोजना के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने नागरिकों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार समर्पित भाव से कार्य करते रहने के लिए शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने कहा कि सेवा सेतु परियोजना के माध्यम से आम नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, सुगम एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन में सेवा सेतु केन्द्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कांग्रेस ने भाजपा-संघ पर लगाया मिलीभगत का आरोप, ट्रस्ट भंग करने की मांग

अयोध्या (एजेंसी)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि ये संगठन असली दोषियों को बचाने के लिए पूरे प्रकरण पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि वर्तमान राम मंदिर ट्रस्ट को तुरंत भंग कर दिया जाए और नए ट्रस्ट में संघ परिवार या विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रतिनिधियों के बजाय हिंदू संतों और धार्मिक प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए, ताकि मंदिर की पारदर्शिता और आस्था की शुचिता बनी रहे।

यह राजनीतिक घमासान उस समय और तेज हो गया जब राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने एक हस्तलिखित संदेश में खुद पर लगे गबन के आरोपों को निराधार बताया और कहा कि वे विशेष जांच दल (एसआईटी) की अंतिम रिपोर्ट आने के बाद ही जवाब देंगे। गौरतलब है कि इससे ठीक एक दिन पहले ट्रस्ट ने चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए थे। दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मांग की कि इस मामले की स्वतंत्र जांच उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हो और मंदिर के चढ़ावे का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ने की मांग करते हुए कहा कि चूंकि मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री ने किया था, इसलिए इस मामले पर उनकी जिम्मेदारी बनती है। गहलोत ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल (2018-23) का जिक्र करते हुए एक और गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए राजस्थान के भरतपुर के बंसी पहाड़पुर से जो पत्थर लाया जा रहा था, वहाँ बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा था। उन्होंने चंपत राय से खुद कहा था कि पवित्र कार्य में अवैध पत्थरों का उपयोग न हो। बाद में राज्य सरकार की सिफारिश पर केंद्र के सहयोग से उस क्षेत्र को वन भूमि की श्रेणी से हटाया गया ताकि काम न रुके। गहलोत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण से भाजपा और संघ परिवार का वास्तविक चाल, चरित्र और चेहरा जनता के सामने आ गया है और इन संगठनों ने मंदिर प्रशासन पर अनधिकृत कब्जा कर रखा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर भी गहलोत ने तीखा पलटवार किया, जिसमें योगी ने कहा था कि कांग्रेस को इस पर बोलने का अधिकार नहीं है। गहलोत ने कहा कि अगर ऐसा है, तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री खुद नए ट्रस्ट का नेतृत्व क्यों नहीं करते और जनता का विश्वास बहाल क्यों नहीं करते? यह बयानबाजी दर्शाती है कि राम मंदिर से जुड़ा यह विवाद अब एक गंभीर राजनीतिक रूप ले चुका है।

मुंबई एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा, एक ही रनवे पर आमने-सामने आए एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस के दो विमान एक ही रनवे पर आमने-सामने आ गए, जिससे यात्रियों के बीच कुछ समय के लिए घबराहट और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की सतर्कता और समय रहते उठाए गए कदमों से संभावित बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे की है। उस समय बागडोगरा से मुंबई पहुंचा एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान लैंडिंग के बाद अभी पूरी तरह रनवे से बाहर नहीं निकला था। इसी दौरान मुंबई से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट द्ब816 को उसी रनवे से उड़ान भरनी थी। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि विमान ने टेकऑफ की प्रक्रिया शुरू कर दी थी, लेकिन इसी बीच एयर ट्रैफिक कंट्रोल से तुरंत उड़ान रोकने का निर्देश मिला। निर्देश मिलते ही पायलट ने टेकऑफ रन को तत्काल रद्द कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से वापस पार्किंग बे में ले जाया गया। इस त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई। एयरलाइन के अनुसार, टेकऑफ रन रद्द किए जाने के बाद विमान की स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) के तहत आवश्यक तकनीकी जांच की जाएगी। इसके बाद ही विमान को दोबारा उड़ान के लिए मंजूरी दी जाएगी। साथ ही यात्रियों को उनके गंतव्य तक जल्द पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जा रही है। एयर इंडिया ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि एटीसी के निर्देशों का पूरी तरह पालन किया गया और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। हालांकि, एयरलाइन ने घटना के तकनीकी कारणों या दोनों विमानों में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है।

अमरनाथ यात्रा: रिकॉर्ड तोड़ श्रद्धालु उमड़े, 6 जत्थे में 8 हजार से अधिक रवाना

जम्मू (एजेंसी)। पवित्र अमरनाथ यात्रा लगातार नए कीर्तिमान बना रही है। मंगलवार को यात्रा के छठे जत्थे में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में 8,815 श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुए। इन श्रद्धालुओं को बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों तक पहुंचाने के लिए कुल 363 वाहनों का एक विशाल काफिला तैनात हुआ। जिला प्रशासन अधिकारियों ने बताया कि यात्रा के पहले चार दिनों में ही 86 हजार से अधिक श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं, जिससे इस वर्ष यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है।

6 जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं में 5,831 पुरुष, 2,193 महिलाएं, 30 बच्चे, 598 साधु, 131 साध्वियां, एक बाल साधु तथा 31 विदेशी पुरुष श्रद्धालु शामिल रहे, जो यात्रा की व्यापक पहुंच को दिखाता है। बालटाल मार्ग के लिए 3,989 श्रद्धालु सुबह 3.35 बजे 181 वाहनों में रवाना हुए, जबकि पारंपरिक पहलगाम मार्ग के लिए 4,826 श्रद्धालु सुबह 4.08 बजे 182 वाहनों के काफिले के साथ निकले। इस काफिले में 172 बसें, 58 मीडियम मोटर व्हीकल, 130 लाइट मोटर व्हीकल और तीन दोपहिया वाहन शामिल थे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। पूरे मार्ग पर सुरक्षा बलों की व्यापक तैनाती के साथ-साथ चिकित्सा सुविधाएं, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक सेवाओं की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े।

गौरतलब है कि 57 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ जी यात्रा का शुभारंभ 3 जुलाई को हुआ था और इसका समापन 28 अगस्त को होगा। दक्षिण कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिम शिवलिंग के दर्शन के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु हर वर्ष पहुंचते हैं। इस वर्ष भी श्रद्धालुओं की रिकॉर्ड संख्या इस यात्रा की लोकप्रियता और धार्मिक आस्था की गहराई का स्पष्ट प्रमाण है। श्रद्धालुओं में बढ़ता जोश व उत्साह इतना है कि रिकॉर्ड संख्या में लोग बिना पंजीकरण के भी पहुंच रहे हैं और मौके पर ही तत्काल पंजीकरण करा रहे हैं।

भारी बारिश में मुंबई का हाल बेहाल, सड़कों पर भरा पानी, रेल यातायात भी ठप

-जलभराव के चलते रिहायशी इलाके में आया 6 फीट मगरमच्छ, रेस्क्यू कर पकड़ा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन बुरा असर पड़ा है। पानी भरने से जहां एक तरफ रेल यातायात ठप है, वहीं दूसरी तरफ जलभराव के कारण जंगली जानवर भी रिहायशी इलाकों में घुस आए हैं। ऐसा ही घटना पवई के चांद शाह वली दरगाह के पास देखने को मिली। जहां खड़ी गाड़ियों के नीचे एक 6 फीट लंबा मगरमच्छ देखा गया। भारी बारिश के कारण मगरमच्छ रास्ता भटक कर झील से बाहर आ गया था।

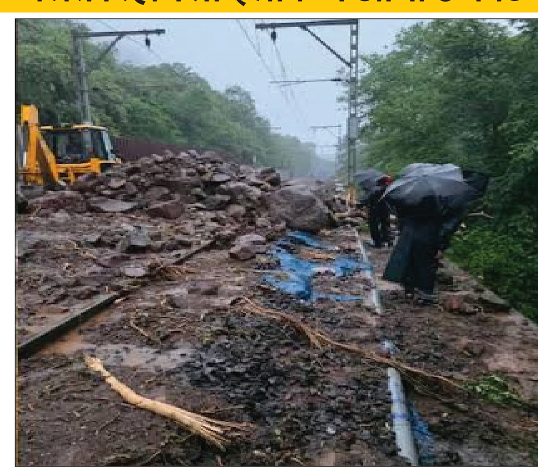

सूचना मिलते ही वन विभाग और वन्यजीव संस्थाओं की टीम ने मिलकर सुरक्षित रूप से मगरमच्छ का रेस्क्यू किया। डॉक्टर द्वारा जांच किए जाने के बाद इसे वापस इसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया जाएगा। इस घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। पर्यावरणविदों का कहना है कि झीलों के आस-पास बढ़ते निर्माण कार्यों की वजह से मगरमच्छों के रहने की जगह कम हो रही है, जिससे वे इंसानी बस्तियों की तरफ आ रहे हैं।

बता दें मुंबई में भारी बारिश का सबसे ज्यादा असर वेस्टर्न रेलवे पर पड़ा है। नवसारी-मारोली सेक्शन में पटरियों पर पानी भर जाने के कारण रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बुधवार को चलने वाली कई प्रमुख ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, जिनमें अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस, अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस कर्णावती एक्सप्रेस, अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल एसी डबल डेकर एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे घर से निकलने से पहले हेल्पलाइन नंबर 139 या ऐप के जरिए अपनी ट्रेन का स्टेटस जरूर चेक कर लें। मौसम विभाग ने बुधवार को मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग की माने तो निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और ट्रैफिक जाम की स्थिति बन सकती है। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग के मुताबिक 9 जुलाई से बारिश की रफ्तार थोड़ी कम होगी और 12 जुलाई से हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है।

बता दें एक तरफ जहां मुंबई और पश्चिमी महाराष्ट्र में भारी बारिश हो रही है, वहीं राज्य के कुछ हिस्सों जैसे धुले, नंदुरबार, सोलापूर और मराठवाड़ा में अब तक औसत से कम बारिश हुई है। मुख्यमंत्री कार्यालय और कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को देखकर ही खेती की तैयारी करें और जहां कम बारिश हुई है, वहां जमीन में अच्छी नमी होने से पहले बुवाई की जल्दबाजी न करें।

महिलाओं को दिल्ली सरकार देगी तोहफा! हर महीने मिलेंगे 2500 रुपए

-महिला समृद्धि योजना का शुभारंभ 28 अगस्त को कर सकते हैं पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को वित्तीय सहायता देने के लिए बहुप्रतीक्षित महिला समृद्धि योजना का औपचारिक शुभारंभ 28 अगस्त को किया जा सकता है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए सीधे उनके बैंक खाते में भेजे जाएंगे। बताया जा रहा है कि पीएम मोदी योजना की शुरुआत कर सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी होना बाकी है।

दिल्ली सरकार ने इस योजना के लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल तैयार है और पात्रता के मानदंड भी तय कर दिए गए हैं। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में इस योजना के लिए 5110 करोड़ का प्रावधान किया गया है। अनुमान है कि दिल्ली की 20 से 22 लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। सीएम रेखा गुप्ता पहले कह चुकी हैं कि सरकार योजना को पूरी तैयारी के साथ लागू करना चाहती है, ताकि सभी पात्र महिलाओं तक इसका लाभ बिना किसी बाधा के पहुंचे और भविष्य में भी योजना सुचारु रूप से चलती रहे।

महिला समृद्धि योजना का लाभ केवल दिल्ली की आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को मिलेगा। इसके लिए तय प्रमुख पात्रताएं इस प्रकार हैं। आवेदक महिला की आयु 21 से 60 साल के बीच हो। परिवार की वार्षिक आय 2.50 लाख से 3 लाख तक हो। दिल्ली की स्थायी निवासी होना जरुरत है। राशन कार्ड धारक महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सरकार ने कुछ श्रेणियों की महिलाओं को योजना से बाहर रखा है। इनमें सरकारी नौकरी करने वाली महिलाएं, आयकर भरने वाली महिलाएं, सरकारी पेंशन प्राप्त करने वाली महिलाएं और चार पहिया वाहन की मालिक महिलाएं शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक योजना के लिए आवेदन पूरी तरह ऑनलाइन किया जाएगा। आवेदन के समय महिलाओं को जो जानकारी देनी होगी उसमें आधार नंबर, नाम और जन्म तिथि, लिंग पिता या माता का नाम, वैवाहिक स्थिति, मोबाइल नंबर, ई-मेल आईडी, दिल्ली में निवास की अवधि आधार से लिंक बैंक खाता। महिला समृद्धि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को नियमित वित्तीय सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

मुस्लिम आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंची विजय सरकार, हाईकोर्ट के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्लाम धर्म अपनाने वालों को आरक्षित वर्ग के तहत प्राप्त आरक्षण के लाभ को खत्म करने के मद्रास हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु की सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा था कि इस्लाम धर्म अपना लेने वाला व्यक्ति पिछड़े वर्ग के तहत मिलने वाले आरक्षण के लाभ का हकदार नहीं है। मद्रास हाईकोर्ट ने इसको लेकर तमिलनाडु सरकार के 2024 के आदेश को ही असंवैधानिक घोषित कर दिया था। गो-हत्या पर रोक हटाने की मांग के बाद तमिलनाडु सरकार ने मुस्लिम आरक्षण के मुद्दे पर भी सुप्रीम कोर्ट का रुख करने का फैसला किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2024 में तमिलनाडु सरकार ने पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अधिसूचित समुदाय या अनुसूचित जाति से इस्लाम धर्म अपनाने वाले लोगों को पिछड़ा वर्ग (मुस्लिम) मानने का आदेश जारी किया था। यही नहीं, तत्कालीन स्टालिन सरकार ने कम्युनिटी सर्टिफिकेट भी जारी करना शुरू कर दिया था, जिन मुस्लिम जातियों को यह आरक्षण दिया जा रहा था उनमें- अंसार, दक्कनी मुस्लिम, दुबेकुला, लब्बाइस, रोवथर, मराकायार, मपिल्ला, शेख और सैयद शामिल हैं।

मद्रास हाईकोर्ट में जस्टिस जीआर स्वामीनाथन और जस्टिस पीबी बालाजी की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि सरकारी आदेश उन न्यायिक निर्णयों के पूरी तरह से खिलाफ हैं, जो हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने दिए हैं। इन न्यायिक फैसलों के मुताबिक धर्म बदलकर इस्लाम अपनाने वाले व्यक्ति को सिर्फ मुसलमान ही माना जा सकता है। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाई कोर्ट के इसी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। तमिलनाडु की टीवीके सरकार ने इस मामले में 6 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन दायर किया है।

तीन देशों के दौरे में पीएम मोदी ब्रह्मोस, रेयर अर्थ मैटेरियल और समुद्री सीमा पर कर रहे चर्चा

-इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देगा भारत, चीन की बढ़ती दादागिरी पर लगेगा ब्रेक

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी का इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड दौरे में जिन समझौतों और साझेदारियों पर चर्चा हो रही है, उनका असर सीधे तौर पर चीन की रणनीतिक क्षमता पर पड़ सकता है। पीएम मोदी की ये यात्राएं दक्षिण चीन सागर में शक्ति के संतुलन पर असल डालने वाली हैं। भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस और अस्त्र देकर चीन की दादागिरी पर एक ब्रेक सा लगा दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ सालों में चीन ने इंडो पैसिफिक और दक्षिण चीन सागर के कई देशों पर धौंस जमाने की कोशिश की। एक ऐसी रणनीति पर काम किया, जिससे वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया जैसे देशों पर सीधा दबाव बढ़ा और तो और चीन ने दक्षिण चीन सागर के साथ भारत की घेराबंदी के लिए इंडिया के पड़ोसी देशों को साधने की कोशिश की। अब भारत के सहयोग से इंडोनेशिया ने तय किया है कि वह अपनी सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा मजबूत करेगा और इसीलिए उसने ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का फैसला किया है। इससे अब इंडोनेशिया की समुद्री निगरानी क्षमता बढ़ेगी।

ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसका इस्तेमाल मुख्य रूप से दुश्मन के जहाजों, समुद्री ठिकानों और जमीन पर मौजूद सैन्य लक्ष्यों को निशाना बनाने के लिए किया जाता है। इंडोनेशिया की बढ़ती ताकत को देख चीन का परेशान होना लाजिमी है। ब्रह्मोस डील के अलावा भारत और इंडोनेशिया के बीच सबांग पोर्ट को लेकर बढ़ता सहयोग सबसे ज्यादा चर्चा में है। सबांग बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के मुहाने पर स्थित है, जहां से दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। चीन का करीब 80 फीसदी ऊर्जा आयात इसी रास्ते से होकर आता है। ऐसे में भारत की बढ़ती मौजूदगी चीन का टेंशन और बढ़ा सकती है। इंडोनेशिया के बाद पीएम मोदी 8 जुलाई को मेलबर्न पहुंच रहे हैं, जहां उनका ऑस्ट्रेलिया दौरा 8-10 जुलाई तक चलेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया पिछले कुछ सालों में रणनीतिक साझेदार के रूप में तेजी से करीब आए हैं। दोनों देश क्वाड समूह का हिस्सा हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में मुक्त एवं खुले समुद्री मार्गों की वकालत करते हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा में महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन और रक्षा सहयोग पर चर्चा केंद्र में है। चीन लंबे समय से दुर्लभ खनिजों और इसके वैश्विक सप्लाई चेन पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस बार रेयर अर्थ और क्रिटिकल मिनरल्स सहयोग पीएम मोदी की यात्रा का सबसे अहम एजेंडा माना जा रहा है। दोनों देश ऐसे समझौतों पर काम कर रहे हैं, जिनसे भारत की चीन पर निर्भरता कम हो और इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उद्योग के लिए जरूरी खनिजों की सुरक्षित सप्लाई सुनिश्चित हो सके।

ऑस्ट्रेलिया के बाद पीएम मोदी न्यूजीलैंड जाएंगे। न्यूजीलैंड भले ही सैन्य दृष्टि से बड़ा खिलाड़ी न हो, लेकिन अपने लोकेशन की वजह से हिंद-प्रशांत की राजनीति में उसका महत्व बढ़ रहा है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार, कृषि, शिक्षा और डिजिटल सहयोग पर जोर दिया जा रहा है। दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी चर्चा तेज हुई है, लेकिन इसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है। चीन लंबे समय से न्यूजीलैंड का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, लेकिन

वेलिंगटन अब अपने आर्थिक विकल्पों को विविध बनाने की कोशिश कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा है कि अपनी न्यूजीलैंड यात्रा में वे आर्थिक, व्यापारिक और कमर्शियल संबंधों को और कैसे बेहतर बनाया जाए इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

अब एफपीआई फीस का भुगतान अमेरिकी डॉलर नहीं भारतीय रुपए में होगा

-यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों पर लागू होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) नियमों में बदलाव करते हुए शुल्क भुगतान की व्यवस्था को अमेरिकी डॉलर की जगह भारतीय रुपए में कर दिया है। यह बदलाव विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों और विदेशी वेंचर कैपिटल निवेशकों दोनों पर लागू होगा। नए नियम छह महीने बाद प्रभावी होंगे, ताकि विदेशी निवेशकों को नई व्यवस्था अपनाने के लिए पर्याप्त समय मिल सके। अधिसूचना के मुताबिक एफपीआई नियमों में 1,000 अमेरिकी डॉलर की जगह अब 90,000 रुपए शुल्क तय किया गया है। सेबी ने कैटेगरी-1 एफपीआई और एफवीसीआई के रजिस्ट्रेशन शुल्क को 2,500 डॉलर से बदलकर 2.3 लाख रुपए कर दिया है। इसी तरह देरी से भुगतान और कंटिन्यूएंस फीस में भी संशोधन किया है। भारत में एफपीआई के लेनदेन संभालने वाले डिजिग्नेटेड डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट्स को रजिस्ट्रेशन मिलने के पांच कार्य दिवस के अंदर यह शुल्क सेबी को जमा कराना होगा। रिपोर्ट के मुताबिक कम्प्लायंस और ऑपरेशंस को आसान बनाने के लिए एफपीआई रजिस्ट्रेशन के कॉमन एप्लिकेशन फॉर्म में अब जन्म तिथि या कंपनी के गठन की तिथि भी शामिल की जाएगी। इसका मकसद मार्च में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा जारी नई अधिसूचना के बाद पेन आवेदन की प्रक्रिया को आसान बनाना है। सेबी को वित्त वर्ष 2025-26 में एफपीआई और एफवीसीआई से रजिस्ट्रेशन, कंटिन्यूएंस और अन्य शुल्क के रूप में 1.298 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इस राशि में जीएसटी भी शामिल है। सेबी ने कहा कि डॉलर में शुल्क लेने के कारण मैनुअल अकाउंटिंग, इनवॉइसिंग और रियल-टाइम अकाउंटिंग में दिक्कतें आती थीं। इससे वित्तीय रिपोर्टिंग में भी देरी होती थी। नई व्यवस्था से इन समस्याओं को कम करने में मदद मिलेगी। सेबी ने कस्टोडियन द्वारा दिए जाने वाले शुल्क की व्यवस्था भी बदल दी है। अब उन्हें सालाना 10 लाख रुपए की जगह हर महीने 85,000 रुपए शुल्क देना होगा। सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों में इंट्रा-डे उधारी से जुड़े बदलावों को भी अधिसूचित किया है। नए नियमों के तहत म्युचुअल फंड अब पे-इन और पे-आउट सेटलमेंट के समय के अंतर, एसेट क्लास के भीतर लेनदेन, फरिक्स सेटलमेंट और अन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए इंट्रा-डे उधार ले सकेंगे। यह सुविधा पहले से उपलब्ध उस व्यवस्था के अतिरिक्त होगी, जिसके तहत म्युचुअल फंड योजनाएं यूनिटधारकों को भुगतान के लिए अपनी नेट एसेट्स के 20फीसदी तक कर्ज ले सकती हैं। सेबी ने साफ कहा है कि एसेट मैनेजमेंट कंपनियों को दिन खत्म होने से पहले यह उधार चुकाना होगा। अगर ऐसा नहीं होता, तो उसे म्युचुअल फंड नियमों के मुताबिक ओवरनाइट उधारी माना जाएगा।

होर्मुज में फिर तनाव से कच्चे तेल में लगी आग, दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

-क्रूड ऑयल अचानक 3 फीसदी से ज्यादा की तेजी लेकर 76 डॉलर के पार पहुंचा

नई दिल्ली।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता बैठकों को लेकर आ रहे अपडेट्स के बीच दुनिया की 20 फीसदी तेल जरूरत को पूरा करने के लिए जरूरी होर्मुज स्टेट फिर से तनाव की वजह बनता जा रहा है। वजह है अमेरिका का ईरान पर हमला। इन सबके बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में अचानक कच्चे तेल की कीमतों में उथल-पुथल मच गई है और दुनियाभर के शेयर बाजारों में भी हड़कंप मचा है, जो भारतीय शेयर बाजार के लिए निगेटिव संकेत दे रहे हैं। भारतीय स्टॉक मार्केट के लिए प्रमुख संकेतक माना जाने वाला गिफ्ट निफ्टी भी रेड जोन में ट्रेड कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर गहराने लगा है। होर्मुज में तीन कॉमर्शियल जहाजों पर ईरान से मिसाइल अटैक के बाद अमेरिकी सेना ने पलटवार किया और ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर बड़े पैमाने पर एयरस्ट्राइक की है। यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब ईरान में अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार चल रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ये जवाबदेह हमले उन लोगों को भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेंगे, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रूट में आम नागरिकों वाले कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाकर अटैक किया है। एक बयान में कहा गया कि ये ताजा स्ट्राइक ईरान द्वारा उन तीन कमर्शियल जहाजों पर किए गए हमलों के जवाब में हैं, जो होर्मुज से गुजर रहे थे और ये सीजफायर का सीधा उल्लंघन था। ईरानी हमलों पर अमेरिकी स्ट्राइक के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक फिर से उछाल आ गया।

चालू माह में मिल रही अल्ट्रोज और टियागो पर विशेष छूट

नई दिल्ली।

जुलाई महीने में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक अल्ट्रोज और टियागो पर आकर्षक छूट की घोषणा की है। अल्ट्रोज के रेसर वैरिएंट पर सबसे अधिक 55,000 रुपये तक का डिस्काउंट उपलब्ध है। इसके पेट्रोल और डीज़ल वैरिएंट्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट और 20,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस मिल रहा है। वहीं, अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल पर इन छूटों के साथ 20,000 रुपये का इंटरचेंज ऑफर भी दिया जा रहा है। अल्ट्रोज की एक्स-शोरूम कीमतें 6.3 लाख रुपये से 10.65 लाख रुपये के बीच हैं, और यह कई इंजन विकल्पों व उन्नत सुरक्षा फीचर्स जैसे 6 एयरबैग और ईएसपी के साथ आती है।

दूसरी ओर, टाटा मोटर्स प्री-फेसलिफ्ट टियागो के बचे हुए स्टॉक पर 35,000 रुपये तक की छूट दे रही है। एक्सई वैरिएंट को छोड़कर, टियागो के पेट्रोल और सीएनजी दोनों मॉडल्स पर 15,000 रुपये का कैश डिस्काउंट, 15,000 रुपये का स्क्रैपेज बोनस और 5,000 रुपये का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है।

बैंकों के लोन में तेजी और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद, जमा की रफ्तार धीमी

-कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर बढ़ सकता है 5 फीसदी

नई दिल्ली।

बैंकों का लोन तेजी से बढ़ रहा है और मुनाफा भी बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन दूसरी तरफ जमा की रफ्तार अभी भी लोन के मुकाबले धीमी है। इसके अलावा ब्याज से होने वाली कमाई पर भी दबाव बना रह सकता है। खासकर प्राइवेट बैंकों में मार्जिन थोड़ा घटने की आशंका है। सरकारी बैंकों में भी कुछ दबाव रहेगा, हालांकि उनकी स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रह सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में उसके कवरेज वाले बैंकों का कुल शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर करीब 5फीसदी बढ़ सकता है। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें 8फीसदी की गिरावट आने का अनुमान है।रिपोर्ट के मुताबिक प्राइवेट बैंकों का मुनाफा सालाना आधार पर करीब 11फीसदी बढ़ सकता है। वहीं सरकारी बैंकों का मुनाफा करीब 2फीसदी घटने का अनुमान लगाया गया है। हालांकि इसमें एक बड़ा कारण बैंक ऑफ बड़ौदा है। रिपोर्ट के मुताबिक यूएई से जुड़े एक कानूनी मामले के निपटारे के लिए बैंक को करीब 5,700 करोड़ रुपए का एकमुश्त प्रावधान करना पड़ सकता है। अगर बैंक ऑफ बड़ौदा को अलग कर दें, तो बाकी सरकारी बैंकों का मुनाफा भी करीब 12फीसदी बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही में बैंकों की लोन ग्रोथ मजबूत बनी रही। 15 जून तक आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम में लोन 17.7फीसदी की दर से बढ़े, जबकि डिपॉजिट सिर्फ 12फीसदी बढ़े यानी बैंक तेजी से कर्ज दे रहे हैं, लेकिन उसी रफ्तार से उनके पास जमा नहीं बढ़ रही है।

शेयर बाजार भारी गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 1,677, निफ्टी 516 अंक गिरा

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट अमेरिका के ईरान पर किये हमलों के बाद दुनिया भर के बाजारों में मची उथल-पुथल से बिकवाली हावी होने और कच्चे तेल की कीमतें फिर बढ़ने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 1,677.12 टूटकर 76,503.60 पर खिसक गया जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 516.65 अंक की गिरावट के साथ ही 23,882.05 पर फिसल गया। इसके अलावा व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और स्मॉलकैप इंडेक्स में भी काफी गिरावट दर्ज की गई। वहीं क्षेत्रवार देखें तो सभी प्रमुख सूचकांक गिरावट पर हुए। निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी बैंक का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट आई, इसके अलावा निफ्टी बैंक , निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी एफएमसीजी) और निफ्टी मीडिया में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी ऑयल एंड गैस , निफ्टी ऑटो, निफ्टी फार्मा,निफ्टी और निफ्टी इंफ्रास्ट्रक्चर में भी गिरावट रही।

निफ्टी के सबसे ज्यादा गिरावट वाले शेयरों में जियो फाइनेंशियल, इंटरग्लोब एविएशन, श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी और एचयूएल शामिल रहे, जबकि ओएनजीसी और बजाज ऑटो, हिंडाल्को और कोल इंडिया के शेयर उछले।

इस बिकवाली में बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 8 लाख करोड़ से ज्यादा की गिरावट आई। गत दिवस बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का बाजार मूल्यांकन 480.20 लाख करोड़ रुपए था, जो अब घटकर 471.44 करोड़ रुपए हो गया है। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करोड़ों का नुकसान हुआ है। गौरतलब है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम समाप्त हो गया है जिसके बाद से ही निवेशकों ने बाजार से दूरी बना ली है।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 625 अंक फिसलकर 77,555.52 के निचले स्तर तक खुला जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 गिरकर 24,207.20 के स्तर तक रहा।

मोबाइल रिचार्ज में भारी बढ़ोतरी तय, जेब पर पड़ेगा सीधा असर

रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक मंहगे हो सकते

मुंबई।

भारतीय मोबाइल उपभोक्ताओं को महंगाई का एक और बड़ा झटका लगने वाला है। जल्द ही आपके मासिक या वार्षिक रिचार्ज प्लान 12 से 15 प्रतिशत तक महंगे हो सकते हैं, जिससे आपकी जेब पर सीधा बोझ पड़ेगा। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, देश की प्रमुख टेलीकॉम कंपनियां रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया अपने औसत राजस्व प्रति उपयोगकर्ता (एआरपीयू) में सुधार लाने और 5जी नेटवर्क पर किए बड़े निवेश की भरपाई की तैयारी में हैं। पिछले टैरिफ बढ़ोतरी के झटके से उपभोक्ता अभी उबर भी नहीं सके थे कि यह दूसरी बड़ी वृद्धि सामने आने वाली है।टेलीकॉम विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन से चार महीनों के भीतर यह बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। बाजार में अब केवल 3+1 खिलाड़ी होने के कारण, कंपनियों के लिए कीमतें बढ़ाना आसान हो गया है और प्रतिस्पर्धा का दबाव कम हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि आने वाली तिमाही में सभी निजी टेलीकॉम ऑपरेटरों के एआरपीयू में 1-1.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। इसका मुख्य कारण ग्राहकों का 2जी से 4जी और 5जी नेटवर्क पर अपग्रेड होना, पोस्टपेड ग्राहकों की बढ़ती संख्या और डेटा उपयोग में लगातार वृद्धि है।रिलायंस जियो और भारती एयरटेल अपने सब्सक्राइबर मार्केट शेयर में लगातार इजाफा कर रहे हैं, जबकि दोनों ही कंपनियाँ देश के 90 प्रतिशत से अधिक जिलों में 5जी सेवाएं शुरू कर चुकी हैं और अपने नेटवर्क में अधिक 5जी डिवाइस जोड़ने पर काम कर रही हैं। वोडाफोन आइडिया भी लगभग 100 शहरों में अपनी 5जी सेवा का विस्तार कर रहा है। डेटा के बढ़ते इस्तेमाल को देखकर टेलीकॉम कंपनियों को लगता है कि कीमतों में बढ़ोतरी का सही समय है।

तीन महीनों में खत्म होगी 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन

-जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर

नई दिल्ली।

नुवामा इंस्टिट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषण के मुताबिक जुलाई से सितंबर के बीच कुल 53 कंपनियों के प्री-लिस्टिंग शेयरधारक लॉक-इन हटाए जाने हैं, जिन शेयरों के लॉक-इन खत्म हो रहे हैं, उनकी वैल्यू 11 अरब डॉलर है। हालांकि ये सभी शेयर, बाजार में नहीं आएंगे क्योंकि प्रवर्तक और प्रवर्तक समूहों के पास भी इनका एक बड़ा हिस्सा है। कुछ शेयरों के लिए एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है और कुछ अन्य के लिए तीन या छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है, जिन शेयरों का एक महीने का लॉक-इन खत्म हो रहा है, उनमें सीएमआर ग्रीन टेक्नॉलजीज, टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस, वॉटरवेज लीजर टूरिज्म, हेक्सागन न्यूट्रिशन, एडवाइट ज्वेल्स और सीएसएम टेक्नॉलजीज शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी शेयरों का तीन महीने का लॉक-इन सितंबर तक खत्म हो जाएगा। इनके अलावा, ओम पावर ट्रांसमिशन और ऑनईएमआई टेक्नोलजी सॉल्यूशंस ऐसी कंपनियां हैं, जिनका तीन महीने का लॉक-इन पीरियड सितंबर के आखिर से पहले खत्म हो जाएगा। भारत कोकिंग कोल, शैडोफैक्स टेक्नॉलजीज और आय फाइनैंस उन फर्मों में शामिल हैं, जिनका छह महीने का लॉक-इन खत्म होने वाला है।

जानकारों का कहना है कि आईपीओ लॉक-इन की समयसीमा खत्म होने से द्वि तीयक बाजार में शेयरों की संख्या में तेजी नहीं आती है क्योंकि संस्थागत निवेशकों और प्राइवेट इक्विटी फंड आम तौर पर खुले बाजार में सीधे शेयर बेचने के बजाय बातचीत के जरिये नियोजन या ब्लॉक ट्रेड के जरिये अपना निवेश निकालने की योजना बनाते हैं। स्वतंत्र इक्विटी विश्लेषक ने कहा कि अक्सर लेनदेन खास तरीके से तय या नियोजित किए जाते हैं। ब्रोकर, मर्चेंट बैंकर और खुद कंपनी भी इच्छुक खरीदारों को खोजने में मदद करते हैं ताकि ज्यादा उथल-पुथल के बिना शेयर बिक जाएं।

सोने और चांदी के भावों में आई नरमी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में बुधवार को नरमी आई है। कीमती धातुओं में ये गिरावट डॉलर में मजबूती और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की जून बैठक के मिनट्स जारी होने से पहले निवेशकों की सतर्कता से आई है। इससे सोने-चांदी की कीमतें गिरी हैं। दुनिया भर के साथ ही घरेलू बाजारों में भी कीमतें नीचे आयी हैं। आज कॉमिक्स पर सोना 4,100 डॉलर प्रति औंस से नीचे आया। वहीं चांदी भी 60 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक खिसकी। घरेलू मार्केट मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज भी फिसला है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव 1,44,950 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,29,300 रुपये के करीब रहे। आज सोने के वायदा भाव की शुरुआत में भी कमी आई। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 192 रुपये की गिरावट के साथ ही 1,45,200 रुपये के भाव पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,45,392 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचे थे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 842 रुपये की गिरावट के साथ 2,30,015 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 2,30,857 रुपये था। चांदी का वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा।

सरकार ने ईवी वाहन में लगे सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का ऑडिट के दिए निर्देश

-यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया

नई दिल्ली।

सरकार ने वाहन विनिर्माताओं और वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनियों को कनेक्टेड कारों और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में लगे वाहन प्रबंधन सॉफ्टवेयर एवं उपकरणों का व्यापक ऑडिट करने का निर्देश दिया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश यात्री और वाणिज्यिक दोनों वाहन श्रेणियों पर लागू होगा।

यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन हैकिंग की चिंताओं के मद्देनजर ऐपल और गूगल को तीन ऐप हटाने का निर्देश दिए जाने के बाद उठाया गया है। भारी उद्योग मंत्रालय ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन सायम और वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के संगठन एक्मा को लिखे पत्र में कंपनियों से अपने बैटरी संचार इंटरफेस का ऑडिट करने और असुरक्षित डिफॉल्ट सेटिंग, कमजोर प्रमाणीकरण या असुरक्षित ओवर-द-एयर विकल्पों को खत्म करने का आग्रह किया है।

बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी इस पत्र को देखा है। उसके मुताबिक भारी उद्योग मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाहन विनिर्माताओं को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कारखाना स्तर पर बेहतर और दमदार साइबर सुरक्षा डिजाइन प्रोटोकॉल स्थापित करने चाहिए। पत्र में हैकिंग की घटनाओं को सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता बताया है जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। सूत्र ने बताया कि सरकार की मुख्य चिंता कनेक्टेड कारों के लिए है।

कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए सेबी के पास जमा किए दस्तावेज, 950 करोड़ जुटाने की तैयारी

नई दिल्ली।

फिटनेस और वेलनेस कंपनी कल्ट फिट ने आईपीओ के लिए बाजार नियामक सेबी के पास कागजात जमा कर दिए हैं। इस आईपीओ से कंपनी 950 करोड़ रुपए तक की नई पूंजी जुटा सकती है। कंपनी भारत में हेल्थ और वेलनेस सेवाओं की बढ़ती मांग का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। इस ऑफर में नए शेयर जारी करना और मौजूदा निवेशकों की बिक्री पेशकश शामिल है। मामले के जानकार लोगों का मानना है कि आईपीओ का कुल आकार करीब 4,000 करोड़ रुपए तक हो सकता है। टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट लक्जमबर्ग, चिराटे वेंचर्स, टाटा डिजिटल, एक्सेल इंडिया, कलारी कैपिटल और श्रोडर्स कैपिटल जैसे मौजूदा निवेशक ओएफएस में करीब 17.86 करोड़ शेयर बेचने की योजना बना रहे हैं। हर इक्विटी शेयर की फेस वैल्यू 1 रुपए है। इस आईपीओ में सह-संस्थापक मुकेश बंसल, एंजेल निवेशक ब्रूनो रैंगल और अभिनेता ऋतिक रोशन भी अपने शेयर बेच रहे हैं। शेयर बेचने वालों में एशियन पेंट्स की प्रमोटर कंपनी डोली ट्रेडिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स, हॉस्पिटैलिटी कंपनी सन एन सैंड होटल्स, एडिया पार्टनर्स के संस्थापक सतीश अंद्रा, मिंत्रा के पूर्व सीईओ अनंत नारायणन का फैमिली ट्रस्ट और अभिनेता ऋतिक रोशन की निवेश कंपनी एक्सट्रीम ब्रांड्स भी शामिल हैं। कल्ट डॉट फिट में मैकरिची इन्वेस्टमेंट्स सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास 20.3 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल कर्ज चुकाने और अपने कल्ट एलीट और कल्ट नियो फिटनेस सेंटरों को बढ़ाने के लिए करेगी। वह नए कल्टस्पोर्ट रिटेल आउटलेटों में भी निवेश करेगी, लिस से जुड़े पेमेंट करेगी, मार्केटिंग और ब्रांड प्रमोशन पर खर्च बढ़ाएगी और इसका सामान्य कॉरपोरेट कार्यों में इस्तेमाल करेगी। 31 मार्च 2026 तक कल्ट फिट भारत का सबसे बड़ा फिटनेस और ऐक्टिव-लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म था। इसके 77 शहरों में 708 फिटनेस सेंटर थे। 2025-26 में कंपनी के करीब 9,87,000 फिटनेस सदस्य थे जो पैसे देकर सेवाएं लेते हैं।

फेब्रिक्स कंपनी कुसुमगर का 650 करोड़ रुपए का खुला आईपीओ

-आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मांग मजबूत

नई दिल्ली।

इंजीनियर्ड फैब्रिक्स बनाने वाली कंपनी कुसुमगर का बहुप्रतीक्षित इनिशियल पब्लिक ऑफर बुधवार 8 जुलाई से निवेशकों के लिए खुल गया है। कंपनी इस सार्वजनिक निर्गम के जरिए 650 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है। हालांकि, यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) है, इसलिए इस आईपीओ से मिलने वाली रकम कंपनी के पास नहीं जाएगी, बल्कि प्रमोटर शेयरधारकों को मिलेगी। आईपीओ खुलने से पहले ही ग्रे मार्केट में इसके शेयरों की मजबूत मांग है। ऐसे में कई निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या इस आईपीओ में निवेश करना सही रहेगा या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक कुसुमगर का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल पर आधारित है। इसके तहत प्रमोटर करीब 1.55 करोड़ इक्विटी शेयर बेच रहे हैं। कंपनी इस इश्यू के जरिए कोई नए शेयर जारी नहीं कर रही है। आईपीओ का प्राइस बैंड 398 रुपए से 419 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है। एक लॉट में 35 शेयर शामिल हैं यानी खुदरा निवेशकों को कम से कम 14,665 का निवेश करना होगा। वहीं अधिकतम 13 लॉट के लिए करीब 1,90,645 का निवेश करना पड़ेगा।

आईपीओ खुलने से पहले कुसुमगर के अनलिस्टेड शेयर ग्रे मार्केट में मजबूत प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। बाजार सूत्रों के मुताबिक शेयर करीब 590 के भाव पर ट्रेड कर रहे हैं। यह आईपीओ के ऊपरी प्राइस बैंड 419 रुपए के मुकाबले 171 रुपए प्रति शेयर या करीब 40.81 फीसदी का ग्रे मार्केट प्रीमियम दर्शाता है। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना चाहिए कि ग्रे मार्केट प्रीमियम केवल बाजार की धारणा को दर्शाता है। इसे लिस्टिंग या भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।कुसुमगर आईपीओ में निवेश करने की आखिरी तारीख 10 जुलाई है। शेयरों का आवंटन 13 जुलाई को हो सकता है। सफल निवेशकों के डिमैट खाते में शेयर 14 जुलाई तक पहुंच सकते हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों की 15 जुलाई को शेयर बाजार में लिस्टिंग होने की उम्मीद है। चूंकि यह पूरा इश्यू ऑफर फॉर सेल है, इसलिए आईपीओ से जुटाई गई राशि कंपनी को कारोबार में इस्तेमाल नहीं होगी। कंपनी ने अपने रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में स्पष्ट किया है कि इस इश्यू से मिलने वाली पूरी रकम संबंधित प्रमोटर शेयरधारकों को जाएगी।

अमेरिका के ईरान पर हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में आया उछाल

-ईरान ने हमलों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यावसायिक जहाजों पर हुए हमलों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए और साथ ही ईरान को अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल बेचने की दी गई अस्थायी छूट वापस ले ली है।

इन घटनाओं ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच हुए युद्धविराम पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी सेना का कहना है कि यह कार्रवाई युद्धविराम के उल्लंघन और समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों के जवाब में की गई। वहीं ईरान ने इन कदमों को समझौते का उल्लंघन बताते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है।मीडिया रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से जानकारी दी गई है कि हमलों में ईरान की एयर डिफेंस सिस्टम, तटीय निगरानी प्रणाली, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च साइट्स को निशाना बनाया गया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक्स पर कहा कि ईरान की आक्रामक कार्रवाई न केवल अनुचित और खतरनाक थी, बल्कि यह युद्धविराम का स्पष्ट उल्लंघन भी थी। ईरानी मीडिया के मुताबिक दक्षिणी शहर सीरिक, क्रेश्म द्वीप और बंदर अब्बास में कई विस्फोट हुए। एक व्यावसायिक बंदरगाह पर प्रोजेक्टाइल गिरने से कुछ लोग घायल हुए, जबकि मछली पकड़ने वाली कई नौकाओं में आग लग गई। हालांकि, किसी नागरिक की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिका ने ईरान को तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के निर्यात की जो अस्थायी अनुमति दी थी उसे भी रद्द कर दिया है।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को ꖦदेवताओं की घाटीꖦ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू – देवताओं की घाटी

कुल्लू को ꖦदेवताओं की घाटीꖦ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर– यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा– यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हजारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर– एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली– साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर– यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली– स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास– यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड– यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे ?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है– प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

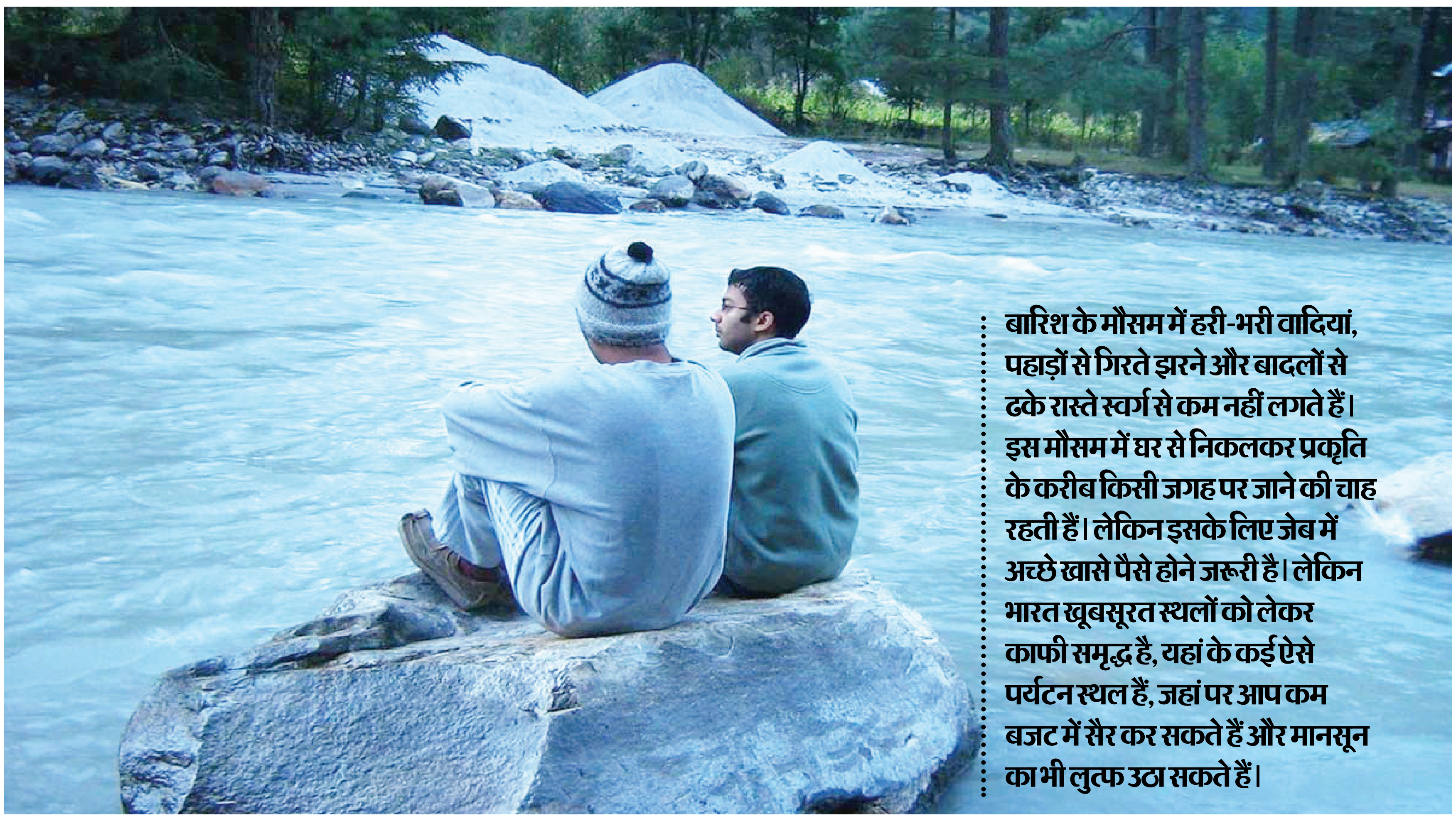

बारिश के मौसम में हरी-भरी वादियां, पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते हैं। इस मौसम में घर से निकलकर प्रकृति के करीब किसी जगह पर जाने की चाह रहती हैं। लेकिन इसके लिए जेब में अच्छे खासे पैसे होने जरूरी है। लेकिन भारत खूबसूरत स्थलों को लेकर काफी समृद्ध है, यहां के कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहां पर आप कम बजट में सैर कर सकते हैं और मानसून का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

पहाड़ों से गिरते झरने और बादलों से ढके रास्ते स्वर्ग से कम नहीं लगते

ऐसे में अगर आपका बजट कम है, तो भी परेशान होने की जरूरत नहीं हैं। क्योंकि भारत में कई ऐसी खूबसूरत और फेमस जगहे हैं, जहां पर आप सिर्फ 5,000 रुपए में दिल खोलकर ट्रैवल कर सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको लो-बजट मानसून डेस्टिनेशंस के बारे में बताने जा रहे हैं।

लैंसडाउन

आप जुलाई में उत्तराखंड के लैंसडाउन की यात्रा कर सकते हैं। हल्की बारिश के मौसम में यह जगह काफी सुहावनी हो सकती है। दिल्ली से लैंसडाउन की दूरी करीब 250 किमी है। आप यहां पर बस के जरिए पहुंच सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर पर्यटक ताजी हवा का आनंद लेने आते हैं। मानसून में हरियाली और बादल का अद्भुत नजारा काफी मनमोहक हो जाता है।

टेहरी झील

उत्तराखंड के टिहरी झील घूमन के लिहाज से सबसे अच्छा समय जून से सितंबर और दिसंबर तक है। इस दौरान मौसम काफी सुहावना हो जाता है। झील के पानी में खेलने के साथ आप अन्य कई एक्टिविटी कर सकते हैं। यहां पर आप एडवेंचर्स ट्रिप कर सकते हैं। कैंपिंग, बोटिंग और लोकल खाने आदि को मिलाकर 5,000 रुपए तक का खर्च आएगा। बारिश में झील और पहाड़ों का मिलन दिल छू लेता है।

भीमताल

उत्तराखंड का नैनीताल हिल स्टेशन लोकप्रिय होने की वजह से यहां पर ज्यादा भीड़ होती है। लेकिन अगर आप भीड़भाड़ से दूर किसी सुकून वाली जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आपको उत्तराखंड के भीमताल या नौकुचियाताल जाना चाहिए। यहां पर आपको नैनीताल से कम भीड़ और अधिक सुकून व शांति नजर आएगी। यहां पर आप झील किनारे बैठ सकते हैं, बोटिंग, ट्रैकिंग और बारिश का मजा ले सकते हैं।

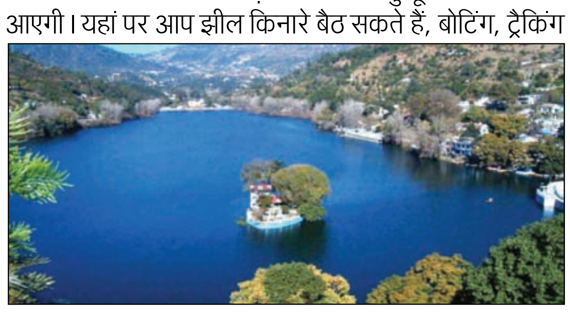

मांडू

मध्य प्रदेश का मांडू हेरिटेज और हरियाली का संगम है। जुलाई से मार्च तक आप कभी यहां पर आ सकते हैं। बारिश के मौसम में यहां पर स्थित महलों की खूबसूरती दोगुनी हो जाती है। दिल्ली या अधिकतर स्थानों से आप मांडू के लिए रेल यात्रा कर सकते हैं। होटल और होम स्टे के साथ स्थानीय भोजन आदि मिलाकर आप कुल 4,500 रुपए के अंदर पूरी कर सकते हैं।

चिखलदरा

महाराष्ट्र में मानसून में घूमने के लिए वैसे तो कई फेमस और लोकप्रिय जगहे हैं। लेकिन अगर आप कम पैसों में घूमने का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो चिखलदरा की सैर पर जा सकते हैं। मार्च से जून का महीना चिखलदरा घूमने के लिए बेस्ट है। चिखलदरा विदर्भ क्षेत्र का एकमात्र हिल स्टेशन है, जोकि अमरावती जिले में है। यहां पर मानसून में झरनों और कॉफी प्लांटेशन का बेहतरीन दृश्य देख सकते हैं।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर बिखारा है सौंदर्य

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है। जम्मू और कश्मीर राज्य के गंदरबल ज़िले में स्थित सोनमर्ग (जिसका अर्थ है सोने की घाटी) एक सुरम्य पर्यटन स्थल है, जो प्राकृतिक सौंदर्य, शांत वातावरण और रोमांचक गतिविधियों का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है। समुद्र तल से लगभग 2,800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह जगह गर्मियों के मौसम में हरे-भरे घास के मैदानों और जाड़ों में बर्फीले चादरों से ढकी होती है।

प्राकृतिक सौंदर्य की अद्भुत झलक

सोनमर्ग चारों ओर से बर्फ से ढकी ऊंची-ऊंची चोटियों, देवदार और चीड़ के घने जंगलों तथा कलकल बहती नदियों से घिरा हुआ है। यहाँ की सबसे प्रसिद्ध नदी है सिंध नदी, जो बर्फीले ग्लेशियरों से निकलती है और यहाँ के जीवन को जीवन्त बनाती है।

प्रमुख आकर्षण स्थल

1. ठाजीवास ग्लेशियर

यह सोनमर्ग से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित है और यहाँ का सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल है। पर्यटक यहाँ घोड़ों पर सवारी करके जाते हैं और बर्फ में खेलते हैं। गर्मियों में भी यहाँ बर्फ देखने को मिलती है।

2. ज़ोजिला पास

यह दर्रा श्रीनगर को लेह-लद्दाख से जोड़ता है। साहसिक पर्यटकों के लिए यह स्थान बेहद रोमांचक है। यह रास्ता ऊँचा, घुमावदार और रोमांच से भरपूर होता है।

3. बालटाल

यह अमरनाथ यात्रा का प्रमुख पड़ाव है। सोनमर्ग से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह जगह अमरनाथ गुफा तक ट्रेकिंग के लिए जानी जाती है।

रोमांच और गतिविधियाँ

ट्रेकिंग : सोनमर्ग से कई खूबसूरत ट्रेक शुरू होते हैं, जैसे गंगाबल झील ट्रेक, किशनसर और विषनसर झील ट्रेक आदि।

फिशिंग : सिंध नदी ट्राउट मछली पकड़ने के लिए प्रसिद्ध है।

कैम्पिंग : घास के मैदानों में टेंट लगाकर रात बिताने का अनुभव बेहद खास होता है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग

सोनमर्ग उन लोगों के लिए आदर्श स्थान है जो भीड़भाड़ से दूर, शांतिपूर्ण वातावरण में प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हैं। फूलों से ढके मैदान, नीले आसमान के नीचे बर्फ से चमकते पहाड़, और पंछियों की मधुर चहचहाहट – यह सब किसी चित्रपटल जैसा लगता है।

कैसे पहुंचें

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा श्रीनगर (लगभग 80 किमी) है।

सड़क मार्ग : श्रीनगर से सोनमर्ग तक का सफर टैक्सी या बस से आसानी से किया जा सकता है। यात्रा के दौरान मनोहारी दृश्य मन मोह लेते हैं।

यात्रा का उपयुक्त समय – मई से सितंबर तक का समय सोनमर्ग घूमने के लिए सबसे अच्छा होता है। सर्दियों में भारी बर्फबारी के कारण रास्ते बंद हो सकते हैं, पर बर्फ प्रेमियों के लिए यह भी एक अनोखा अनुभव हो सकता है।

सोनमर्ग प्रकृति की गोद में बसा ऐसा पर्यटन स्थल है, जहाँ हर कदम पर सौंदर्य बिखरा है। चाहे आप रोमांच की तलाश में हों या शांति की, सोनमर्ग आपके हर सपने को साकार करता है। अगर आप वादियों के संगीत को सुनना चाहते हैं और स्वर्ग जैसी जगह का अनुभव करना चाहते हैं, तो सोनमर्ग आपके इंतजार में है।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की हार जारी

● इंग्लैंड ने टीम इंडिया को किया 76 पर ढेर

नई दिल्ली। इंग्लैंड ने भारत को 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच मैच में 125 रनों से हरा दिया और 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में मंगलवार (7 जुलाई) को भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। फिल सॉल्ट ने अर्धशतक जड़ा। भारत के लिए प्रिंस यादव ने अच्छी गेंदबाजी की। 2 विकेट झटके। इसके जवाब में भारत 11.4 ओवर में 76 रन पर ढेर हो गया।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों जोफ्रा आर्चर और जोश टंग ने जबरदस्त गेंदबाजी की। जोफ्रा आर्चर (3 ओवर में 3/29) और जोश टंग (4 ओवर में 4/28) ने पावरप्ले में जबरदस्त आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की। जब भारत का स्कोर पांच ओवर में 5 विकेट पर 52 रन हो गया, तभी मैच का नतीजा लगभग तय हो गया था।

सबसे बुरी बात यह रही कि यह हाल के समय में भारत के सबसे खराब बल्लेबाजी प्रदर्शनों में से एक था, जिसमें खराब शॉट चयन और लड़ने का जज्बा न होना साफ दिखा। बाकी का समय बस औपचारिकता भर था। पावरप्ले के दौरान शिवम दुबे से पहले नंबर 7 पर हर्षित राणा जैसे 'हिट-एंड-मिस' वाले खिलाड़ी को भेजने पर कई लोगों ने हैरानी भी जताई।

वैभव सूर्यवंशी ने फिर दो छक्के लगाए (एक जोफ्रा आर्चर और एक जोश टंग की गेंद पर) लेकिन उनकी 13 रन की पारी सिर्फ पांच गेंदों में खत्म हो गई। उनके दाहिने कंधे पर आए एक तेज बाउंसर पर उन्होंने हुक शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे जोस बटलर के दस्तानों में चली गई। इससे वैभव सूर्यवंशी को यह अहसास हो गया कि इंटरनेशनल क्रिकेट हमेशा बच्चों का खेल नहीं होता।

अभिषेक शर्मा डीप एक्स्ट्रा कवर पर कैच आउट हो गए। यह वही इलाका है जहां वह पहले भी कई बार आउट हो चुके हैं। इशान किशन ने हुक करके एक छक्का तो लगाया, लेकिन जल्द ही आउट हो गए। श्रेयस अय्यर ने जोफ्रा आर्चर की गेंद पर फ्लिक करने की कोशिश की और स्क्वायर के पीछे खड़े फील्डर के हाथों में गेंद मार बैठे। अक्षर पटेल को शॉर्ट बॉल की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें फुलर लेंथ मिली और उसका किनारा लगकर गेंद स्टंप्स के पीछे चली गई।

भारत की सबसे बड़ी हार

दूसरे सबसे कम स्कोर पर आउट

पावरप्ले में पहली बार गंवाए 5 विकेट

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी है। इंग्लैंड ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मंगलावर (7 जुलाई) को 125 रनों से हरा दिया। यह भारतीय टीम की सबसे बड़ी हार है। वह टी20 इंटरनेशनल में पहली बार 100 से ज्यादा रन से हारी। टॉस हारकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 201 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 11.4 ओवर में 76 रन पर आउट हो गई। यह भारत का सबसे न्यूनतम स्कोर है। भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवा दिए। छठे ओवर में ही हर्षित राणा बल्लेबाजी के लिए आ गए। पहली बार ऐसा हुआ कि भारतीय टीम ने पावरप्ले में 5 विकेट गंवाए। वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद 5 मैचों से जीत का इंतजार है। उसने 4 मैच गंवाए हैं और 1 मैच बेनतीजा रहा है। भारत ने जीत के लिए कभी इतना लंबा इंतजार नहीं किया।

भारतीय टीम का हार का सिलसिला जारी

- 125 रन से इंग्लैंड ने हराया, ट्रेंटब्रिज, 2026
- 80 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, वेलिंगटन, 2019
- 76 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, अहमदाबाद, 2026
- 51 रन से साउथ अफ्रीका ने हराया, मुल्लनपुर, 2025
- 50 रन से न्यूजीलैंड ने हराया, विशाखापत्तनम, 2026

(ऊपर दिए गए पांच में से चार दिसंबर 2025 के बाद आए हैं)

पेरिस एफसी ने पूर्व चेल्सी कोच लियाम रोसेन्योर को हेड कोच नियुक्त किया

पेरिस। पूर्व चेल्सी हेड कोच लियाम रोसेन्योर को पेरिस एफसी ने अपनी पुरुष टीम का नया मैनेजर नियुक्त किया है। कुछ महीनों पहले प्रीमियर लीग ने उन्हें पद से हटाया था, जिसके बाद इंग्लिश कोच को यह जिम्मेदारी मिली है। लीग 1 की इस टीम ने मंगलवार को पुष्टि की है कि 41 वर्षीय रोसेन्योर ने जून 2028 तक के लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। वे आधिकारिक तौर पर 9 जुलाई से काम शुरू करेंगे, जब टीम प्री-सीजन ट्रेनिंग के लिए लौटेगी। रोसेन्योर, एंटोनी कोम्बोउरे की जगह लेंगे, जिन्होंने पिछले सीजन में क्लब को 11वें स्थान पर पहुंचाने से पहले लीग 1 में बने रहने में मदद की थी। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद, क्लब ने कोम्बोउरे के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट खत्म करने का फैसला किया, क्योंकि वह एक नया अध्याय शुरू करना चाहता है। अप्रैल में चेल्सी में अपने छोटे से कार्यकाल के खत्म होने के बाद रोसेन्योर फुटबॉल मैनेजमेंट में वापसी कर रहे हैं। पूर्व डिफेंडर स्टैमफोर्ड ब्रिज पर चार महीने से भी कम समय तक रहे और फिर क्लब से अलग हो गए।

पेरिस एफसी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को तैयार करने और फुटबॉल का एक महत्वाकांक्षी, आक्रामक शैली अपनाने के लिए रोसेन्योर की ख्याति ने उन्हें क्लब को अगले चरण में ले जाने के लिए आदर्श उम्मीदवार बनाया। क्लब ने एक बयान में कहा, '41 वर्षीय लियाम रोसेन्योर के पास पहले से ही उच्चतम स्तर का काफी अनुभव है। युवा प्रतिभाओं को निखारने की क्षमता के लिए पहचाने जाने वाले लियाम रोसेन्योर, पेरिस एफसी की विचारधारा और स्पोर्टिंग प्रोजेक्ट के लिए एकदम सही हैं। महत्वाकांक्षी, आर्कषक और आक्रामक फुटबॉल के प्रति उनका नजरिया क्लब की भविष्य की महत्वाकांक्षाओं से मेल खाता है।' पेरिस एफसी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर मार्को नेपे ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए रोसेन्योर को एक आधुनिक कोच बताया जो खिलाड़ियों और टीम दोनों को विकसित करने में सक्षम हैं। नेपे ने कहा, 'लियाम रोसेन्योर में वे सभी गुण हैं जिनकी हमें तलाश थी।

जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में गौतम गंभीर नहीं होंगे भारत के कोच

वीवीएस लक्ष्मण संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे के बाद जिम्बाब्वे दौरे पर 3 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस दौरे के लिए सोमवार (6 जुलाई) को श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम का ऐलान हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलने है। खबर है कि जिम्बाब्वे दौरे और एशियन गेम्स में भारतीय टीम के कोच गौतम गंभीर नहीं होंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड वीवीएस लक्ष्मण यह जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के लॉग रिकॉर्ड के अनुसार जुलाई के अंत में जिम्बाब्वे दौरे और सितंबर में एशियन गेम्स के लिए कोचिंग स्टाफ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से होगा। वीवीएस लक्ष्मण के सपोर्ट

स्टाफ की अगुआई करने की उम्मीद है। सीओई में उनके साथी कोच सुनील जोशी और ऋषिकेश कानिटकर के भी उनके साथ जुड़ने की संभावना है।

एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज सीरीज में टकराव

यह व्यवस्था खास तौर पर इसलिए जरूरी है क्योंकि जापान के नागोया में होने वाले एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की घरेलू सीरीज में टकराव होना है। इससे पहले सितंबर के बीच में भारत में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज होगी। इत्तेफाक से अफगानिस्तान उस सीरीज का मेजबान होगा। जिम्बाब्वे दौरे के योजना के मुताबिक, भारतीय टीम के कुछ सदस्य 19 जुलाई को हरारे पहुंचेंगे।

जिम्बाब्वे में 3 मैचों की सीरीज– बाकी खिलाड़ी 19 जुलाई को लॉर्ड्स में तीसरे और आखिरी वनडे के बाद 20 जुलाई को टीम से जुड़ेंगे। टीम 20 से 22 जुलाई तक और फिर 24 जुलाई को आराम करेगी और ट्रेनिंग करेगी।

0–2 से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना की शानदार वापसी

11 मिनट में पलटी बाजी, मेसी बने संकटमोचक

नई दिल्ली। लियोनेल मेसी ने एक बार फिर अर्जेंटीना के लिये 'संकटमोचक' की भूमिका निभाई और मिस्र के खिलाफ 79वें मिनट तक 2 गोल से पिछड़ रही मौजूदा चैम्पियन टीम को 3-2 से जीत के साथ विश्व कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया। निर्धारित समय में 11 मिनट बाकी रहने तक अर्जेंटीना दो गोल से पिछड़ रहा था और ऐसा लगने लगा था कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बाद मेसी की फुटबॉल के महासमर से विदाई का समय आ गया है। इसके बाद अर्जेंटीना ने चमत्कारिक वापसी करते हुए तीन गोल दागकर जीत दर्ज की और दुनिया भर में उसके करोड़ों प्रशंसकों ने भी राहत की सांस ली। इसमें से बराबरी का गोल 83वें मिनट में छठा विश्व कप खेल रहे मेसी ने दागा था जिनके अब विश्व कप कैरियर में 21 गोल हो गए हैं। अब अर्जेंटीना का सामना शनिवार (11 जुलाई) को कंसास सिटी में स्विटजरलैंड या कोलंबिया से होगा।

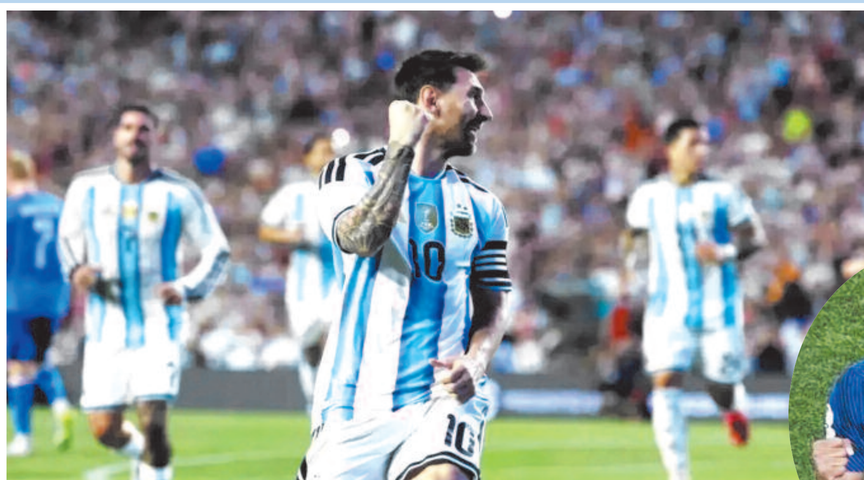

मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके

आखिरी सीटी बजने के बाद मेसी अपने आंसू नहीं रोक सके। उन्होंने 83वें मिनट में इस विश्व कप में आठवां गोल करके टीम को 2-2 से बराबरी पर पहुंचाया। विजयी गोल स्टॉपेज टाइम में एंजो फर्नांडिस ने दागा। वहीं क्रिस्टियन रोमेरो ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिये पहला गोल किया था।

मेसी पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए

मिस्र ने यासिर इब्राहिम और मुस्तफा जिको के गोल के दम पर 2-0 से बढ़त बना ली थी। मेसी को पहले हाफ में मौका मिला था, लेकिन उनकी पेनल्टी किक को मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबीर ने बचा लिया था। फिर जब स्कोर 1-0 था, तब उनका शॉट गोलपोस्ट से टकरा गया। अर्जेंटीना की नजरें लगातार दूसरी बार खिताब जीतने वाली ब्राजील (1958 और 1962) के बाद पहली टीम बनने पर है।

15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली– मैच से पहले अर्जेंटीना को प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन 15वें मिनट में मिस्र ने बढ़त बना ली जब लिसांद्रो मार्तिनेज को चकमा देकर इब्राहिम ने मारवान आतिया के क्रॉस पर गोल दाग दिया। अर्जेंटीना को तुरंत पेनल्टी स्पॉट के साथ बराबरी का मौका मिला, लेकिन मेसी के शॉट को शोबीर ने बायीं ओर डाइव लगाकर बचा लिया।

एम्बाप्पे के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की जांच शुरू

पराग्वे के सांसद ने परवरिश का उड़ाया मजाक

नई दिल्ली। विश्व कप में फ्रांस के हाथों पराग्वे की हार के बाद पराग्वे के एक सांसद द्वारा कीलियन एम्बाप्पे के साथ नस्लीय दुर्व्यवहार किये जाने के मामले में फ्रांस के अभियोजकों ने गंभीर सार्वजनिक अपमान और नफरत या हिंसा भड़काने के आरोपों में जांच शुरू कर दी है। फ्रांस के अभियोजकों के कार्यालय ने मंगलवार (7 जून) को बताया कि आनलाइन घृणा से निपटने वाली राष्ट्रीय ईकाई को फ्रेंच फुटबॉल महासंघ से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई है। पराग्वे की लिबरल रेडिकल पार्टी की सीनेटर सेलेस्टी अमारिला ने एक्स पर नस्लीय टिप्पणी की थी। इससे पहले एम्बाप्पे के गोल के दम पर फ्रांस ने पराग्वे को हराया था। अमारिला ने फ्रांस के कप्तान के मूल, परवरिश, शिक्षा और चेहरे मोहरे का मजाक बनाया था। फ्रांस क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना मोरक्को से होगा। एम्बाप्पे ने उन्हें 'घिनौनी महिला' करार देते हुए कहा था कि वह पराग्वे की कांग्रेस में सेवा के लायक नहीं हैं।

अमारिला ने पत्र जारी किया

बाद में अमारिला ने सोशल मीडिया पर एम्बाप्पे के लिए फ्रेंच और स्पेनिश भाषा में एक खुला पत्र जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी समस्या खिलाड़ी से थी, न कि फ्रांस देश से।

अभिषेक नंबर 1

वैभव टॉप-10 से बाहर

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष-15 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में भारत को बेशक टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में रन के लिहाज से सबसे बड़ी हार मिली हो, बेशक इस मैच में भारतीय बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से लड़खड़ा गई हो, लेकिन इस मुकाबले के बाद अगर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-15 बल्लेबाजों की बात करें तो अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर हैं।

वहीं इस टी20 सीरीज के दूसरे मैच में डेब्यू करने वाले वैभव सूर्यवंशी टॉप-10 से बाहर हैं।

भारत-इंग्लैंड तीसरे टी20 मैच के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज अभिषेक शर्मा हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक की मदद से 112 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ अब तक कुल 110 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के बैटर जैकब बेथेल इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने 3 मैचों में एक अर्धशतक के साथ 89 रन बनाए हैं। वैभव सूर्यवंशी इस लिस्ट में टॉप-10 से बाहर हैं। वैभव ने 2 मैचों में 27 रन बनाकर 12वें नंबर पर हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: देश का मान बढ़ाने टीम इंडिया ग्लास्गो रवाना

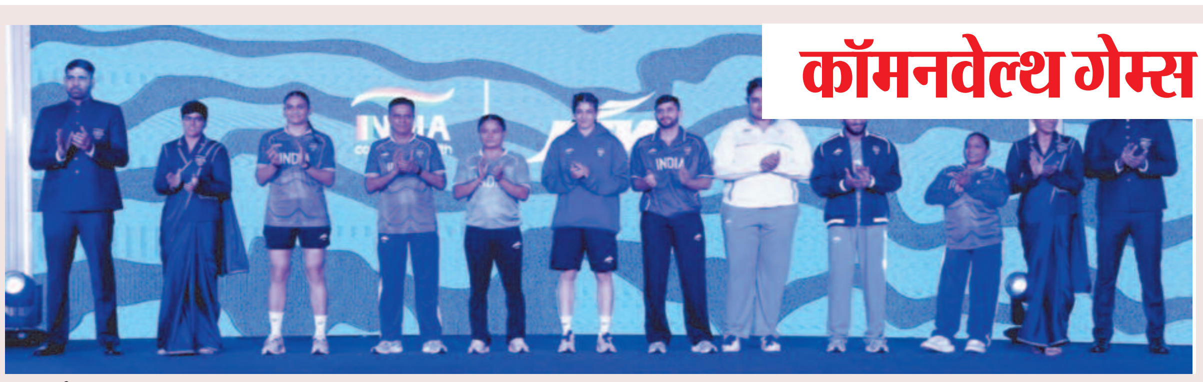

नई दिल्ली। भारत फिर दुनिया के सबसे बड़े खेल मंचों में से एक पर अपना दमखम दिखाने के लिए तैयार है। देश के खिलाड़ी अब स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में तिरंगे का मान बढ़ाने उतरेंगे। इस मौके पर भारतीय ओलंपिक संघ ने मंगलवार सात जुलाई 2026 को खिलाड़ियों और अधिकारियों के दल को भव्य विदाई दी। साथ ही उन आधिकारिक सेरेमोनियल और प्रतियोगिता किट का भी अनावरण किया, जिसे भारतीय खिलाड़ी ग्लास्गो में पहनेंगे। इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन और केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह मौजूद रहे। खिलाड़ियों, कोचों, सहयोगी स्टाफ और अन्य पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ''हमारे खिलाड़ी नए भारत की खेल प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और आकांक्षाओं के प्रतीक हैं। मैं

खिलाड़ियों की भव्य विदाई, नई किट भी लॉन्च

सभी खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे बिना किसी डर के खेलें, खेल भावना का सम्मान करें और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें।''

23 जुलाई से होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के बारे में मनसुख मांडविया ने कहा, ''ग्लास्गो में हमारे सर्वश्रेष्ठ खेलों में से दस नहीं है, लेकिन खेल तो खेल है। हमें यकीन है कि हमारे खिलाड़ी पूरे उत्साह से खेलेंगे और देश को गौरवान्वित करके विश्व खेल जगत में भारत की छवि और मजबूत करेंगे।'' कार्यक्रम में खेल सचिव हरि रंजन राव, भारतीय दल के चीफ-डि-मिशन रोहित राजपाल और डिप्टी चीफ-डि-मिशन रवि बंगानी भी मौजूद रहे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा, ''आज भारतीय खेलों के लिए एक नए गौरवशाली अध्याय की शुरुआत है। भारत की जर्सी पहनने वाले हर खिलाड़ी ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और त्याग के दम पर यह मौका हासिल किया है।

खेलों में मेजबान के तौर पर बढ़ रही भारत की साख: मनसुख मांडविया

इस अवसर पर केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वैश्विक खेल समुदाय में भारत के बढ़ते कद की बानगी इससे मिलती है कि भारत में होने वाले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की संख्या बढ़ती जा रही है। भारत ने पिछले कुछ अर्से में कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की मेजबानी की है, जिसमें विश्व चैंपियनशिप भी शामिल है।

मनुसख मांडविया ने कहा, ''खेल आगे बढ़ रहा है। यही वजह है कि भारत पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। एक समय वह भी था जब महासंघ विश्व और अंतरराष्ट्रीय महासंघों से भारत में एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिपस, विश्व चैंपियनशिप के आयोजन के लिए कहते थे लेकिन उन्हें भारत के सामर्थ्य पर संदेह रहता था।''

हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'? इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गये हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है।'

सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर

वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले। सबसे अच्छी प्रेम कहानियां इस बात से तय नहीं होतीं कि वे कब शुरू होती हैं, बल्कि इस बात से कि उन्हें कितनी गहराई से जिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि जो लोग आपकी उम्र को लेकर सवाल उठाते हैं, वे एक दिन समझेंगे कि खुशी की कोई समय-सीमा नहीं होती। उम्र बढ़ना तो तय है; साथ में उम्र बढ़ना एक तोहफा है। सबसे बड़ी उपलब्धि कम उम्र में शादी करना नहीं है, बल्कि ऐसा साथी पाना है जिसके साथ बुढ़ापा बिताया जा सके। ये भावनाएं, प्यार, साथ और जीवन के किसी भी पड़ाव पर खुशी पाने की आजादी का जश्न मनाती हैं।'

हाल ही में, 'प्रीतम एंड पेड्रो' की स्क्रीनिंग के दौरान, आमिर ने गौरी के साथ अपने शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल होंगे। आमिर ने बताया था, 'हम 5 तारीख को शादी कर रहे हैं। यह बहुत छोटी शादी है। हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। 5 तारीख हमारे लिए बहुत खास दिन है। इसमें सिर्फ दोनों परिवार और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे।

पैपराजी कल्चर पर सैफ अली खान ने रखी राय

सैफ अली खान ने भारत में लगातार बढ़ रहे पैपराजी कल्चर पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सेलेब्स के हर समय लोगों की नजर में रहने पर चिंता जताई है। एक्टर का मानना है कि रोजाना तस्वीरें खींचे जाने से फिल्मी सितारों से जुड़ा रहस्य खत्म हो जाता है। उन्होंने पर्सनल बाउंड्रीज का सम्मान करने की अहमियत पर भी जोर दिया।

कम हो जाता है स्टारडम

बरखा दत्त के साथ बातचीत में सैफ ने बताया कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में तेजी से आम हो रहे पैपराजी कल्चर से ज्यादा लगाव क्यों नहीं है। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि इससे स्टारडम काफी हद तक कम हो जाता है क्योंकि आप इन लोगों को रोज देखते रहते हैं। फिर स्क्रीन का वो जादू खत्म हो जाता है।'

घर में घुस गए थे पैपराजी

एक्टर ने बताया कि एक बार कथित तौर पर पैपराजी उनके घर के परिसर में घुस आए थे। इस घटना के बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा कि स्थिति हद से ज्यादा बढ़ गई थी। इस बात पर जोर दिया कि स्पष्ट सीमाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पैपराजी ने 'सीमा पार कर दी थी। हर किसी को अपनी सीमा में रहना चाहिए।'

अलग है पैपराजी कल्चर

उन्होंने आगे कहा 'मेरी जिंदगी उनके बिना भी ठीक थी। फोटोग्राफर और जर्नलिस्ट की भूमिकाएं बिल्कुल अलग होती हैं और उन्हें एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। सैफ ने आगे साफ किया कि भले ही वह पत्रकारिता का सम्मान करते हैं, लेकिन पैपराजी कल्चर पूरी तरह से अलग चीज है। एक्टर के अनुसार, पब्लिक फिगर होने के बावजूद प्राइवेसी बनाए रखना जरूरी है।

करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है सतलुज

करीब 3 साल तक यह फिल्म अलग-अलग कारणों से चर्चा में रही। कभी रिलीज में देरी, कभी नाम बदलने की बात और कभी सेंसर से जुड़ी परेशानियां- इन सबके बीच यह फिल्म अटकी रही। अब आखिरकार यह दर्शकों तक पहुंच गई है। यह सोशल ड्रामा फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की जिंदगी से प्रेरित है। दिलजीत के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। दिलजीत दोसांझ ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने हम सब से भावनात्मक और शारीरिक रूप से बहुत कुछ ले लिया। लंबे शूटिंग के दिन, कठिन हालात और इंटेंस सीन थे। लेकिन सबसे ज्यादा असर इस कहानी के विषय का पड़ा, जो मेरे साथ लंबे समय तक बना रहा।'

दिलजीत ने आगे बताया कि आमतौर पर वह एक फिल्म खत्म होते ही तुरंत अगली फिल्म में लग जाते हैं और ब्रेक लेना पसंद नहीं करते। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं फिल्म खत्म होते ही आगे बढ़ जाता हूं, लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे एक हफ्ते का ब्रेक लेना पड़ा। जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाने के दौरान जो कुछ मैंने महसूस किया, उसे समझने और उससे बाहर निकलने में समय लगा। वो सीन, वो इमोशंस मेरे साथ बने रहे, इसलिए थोड़ा वक्त लेना जरूरी था।'

फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।' उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।

'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ''बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतज़ार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

संक्षिप्त समाचार

विदेश मंत्री जयशंकर ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात की, द्विपक्षीय सहयोग के विषयों पर चर्चा की

दोहा, एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी से मुलाकात की और ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क और सुरक्षा समेत आपसी सहयोग के कई क्षेत्रों पर चर्चा की. जयशंकर पांच से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के दौरे पर हैं. खाड़ी देशों का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है, जब अमेरिका और ईरान के बीच टकराव खत्म करने के समझौते के बाद पश्चिम एशिया में राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं. जयशंकर ने कतर में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कतर के प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया. जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'हमने अपने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न पहलुओं, खासकर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, संपर्क, सुरक्षा और दोनों देशों की जनता के स्तर पर संबंधों की समीक्षा की. साथ ही, अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के नए अवसरों पर भी चर्चा की.' जयशंकर ने प्रधानमंत्री अल-थानी के साथ पश्चिम एशिया के संघर्ष और उसके असर के बारे में भी चर्चा की; अल-थानी कतर के विदेश मंत्री भी हैं. अपनी मौजूदा यात्रा के दौरान, जयशंकर खाड़ी क्षेत्र के चार देशों के अपने समकक्षों और शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे. इस दौरान वे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हित के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे. हफ्तों तक चले तनाव के बाद ईरान में युद्धविराम कराने के लिए पाकिस्तान के साथ-साथ कतर और ओमान भी मध्यस्थ के तौर पर सामने आए. शुक्रवार से शुरू हुए ईरान के मारे गए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के हफ्ते भर चलने वाले अंतिम संस्कार कार्यक्रम के बाद, दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत जारी रहेगी. खाड़ी के चार देशों का दौरा करने के बाद, जयशंकर 13 जुलाई को न्यूयॉर्क जाएंगे, जहां वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे. इसके बाद, वे 14-15 जुलाई को ब्रसेल्स में तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की बैठक में शामिल होंगे और ईयू तथा बेल्जियम के अपने समकक्षों के साथ बातचीत करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ लंदन में फूटा कश्मीरियों का गुस्सा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की राजधानी लंदन की सड़कें सोमवार को पाकिस्तान विरोधी नारों से गूंज उठीं। यूनाइटेड किंगडम में रहने वाले हजारों कश्मीरियों ने 'लंदन कश्मीर मिलियन मार्च' के जरिए पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन और दमनकारी नीतियों के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है। यह विशाल मार्च पार्लियामेंट स्क्वायर से शुरू होकर लंदन स्थित पाकिस्तानी हाई कमीशन तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने न केवल आजादी के समर्थन में नारे लगाए, बल्कि जम्मू में जारी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और स्थानीय जनता पर हो रहे सैन्य अत्याचारों को लेकर पाकिस्तानी हुकूमत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की। जम्मू-कश्मीर नेशनल इंडिपेंडेंस अलायंस के चेयरमैन महमूद कश्मीरी ने इस मार्च का नेतृत्व करते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। पाकिस्तानी हाई कमीशन के बाहर जमा हजारों लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में कश्मीरी पाकिस्तानी फोर्सेज के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठा रहे हैं। हम जुल्म और नाइंसाफी के खिलाफ अपना आंदोलन तब तक जारी रखेंगे जब तक हक नहीं मिल जाता। हम किसी भी स्थिति में पाकिस्तान की हुकूमत के सामने घुटने नहीं टेकेंगे। प्रदर्शनकारियों ने 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' के प्रमुख शौकत नवाज मीर और अन्य कश्मीरी नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की। गौर करने वाली बात यह है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद पर आरोप लग रहे हैं कि वह पीओजेके में सरकार विरोधी जनआंदोलन को दबाने के लिए लगातार अमानवीय और सख्त कदम उठा रहा है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने इन गिरफ्तारियों को कश्मीरियों की लोकतांत्रिक आवाज को कुचलने की कोशिश करार दिया। लंदन में हुए इस 'मिलियन मार्च' ने यह साफ कर दिया है कि पीओजेके का मुद्दा अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

ईंधन खजाने पर बैठे रूस में तेल-गैस की किल्लत! 18-18 घंटे लगानी पड़ रही लाइन

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन पिछले पांच साल से एक-दूसरे से जंग लड़ रहे हैं। इसी बीच इस युद्ध से जुड़ी एक रिपोर्ट सामने आई है जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस बड़ी संख्या में तेल खरीद रहा है। ऐसे में लोग ये सोचने पर मजबूर कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश आज खुद तेल आयात क्यों कर रहा है? रिपोर्ट के मुताबिक, रूस इस समय तेल की कमी से जूझ रहा है। हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई इलाकों में लोगों को सीमित मात्रा में ही ईंधन मिल रहा है। ऐसे में सवाल आता है कि जो रूस कल तक पूरी दुनिया को तेल बेचता था उसके साथ ऐसा क्या हो गया कि वो आज तेल खरीदने को मजबूर हो गया है? इसमें अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका है?

यूक्रेन ने तबाह की रिफाइनरी: रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस में उत्पन्न हुई ईंधन संकट के पीछे सबसे बड़ा हाथ यूक्रेन की ओर से लगातार हो रहे ड्रोन हमलों का है। जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन मार्च 2026 से अब तक लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस की तेल रिफाइनरियों और तेल भंडारण केंद्रों को निशाना बना रहा है। यूक्रेन हमलों में रूस की आधी से ज्यादा रिफाइनरियां या तो बंद हो गई हैं या फिर उनके उत्पादन क्षमता में गिरावट आई है। इससे रूस को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस की 10 सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से 8 पर हमले हो चुके हैं। हाल ही में 4 जुलाई को यूक्रेन ने रूस के सेंट पीटर्सबर्ग स्थित एक बड़ी रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया। यह रिफाइनरी हर साल करीब 1.25 करोड़ टन पेट्रोलियम उत्पाद तैयार करती है। लगातार हमलों की वजह से रूस की कुल तेल रिफाइनिंग क्षमता में लगभग 42.7 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है।

अमेरिका-ईरान युद्ध की क्या भूमिका: रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस को इस स्थिति में अमेरिका-ईरान युद्ध की भी भूमिका है। दरअसल अमेरिका और इजरायल के खिलाफ युद्ध के दौरान ईरान ने सिर्फ इनके सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि मिडिल ईस्ट के देशों में मौजूद तेल रिफाइनरियों पर भी हमले किए। इसके परिणाम स्वरूप पूरी दुनिया में तेल संकट पैदा हो गया। इसके अलावा मिडिल ईस्ट के देशों की आय का बड़ा हिस्सा तेल बेचने से ही आता है, जो अमेरिका के सहयोगी भी हैं। ऐसे में इन देशों ने न केवल अमेरिका पर युद्ध रोकने का दबाव बनाया। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ समझौता करने पर लगभग मजबूर कर दिया।

यूक्रेन भी ईरान की इसी रणनीति को अब रूस के खिलाफ अपना रहा है। क्योंकि यूक्रेन को पता है कि आमने-सामने की लड़ाई में रूस को हरा पाना नामुमकिन है। साथ ही रूस को तब तक समझौता करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जब तक वो आर्थिक रूप से मजबूत है। ऐसे में यूक्रेन ईरान की तरह रूस के तेल रिफाइनरियों पर हमला कर रहा है। ताकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को समझौता करने के लिए मजबूर किया जा सके। कई लोगों के मन में सवाल है कि रूस जैसी सैन्य महाशक्ति यूक्रेन के ड्रोन हमलों को रोकने में सफल क्यों नहीं हो रही है। इसके पीछे कई कारण हैं।

यूक्रेन के सस्ते और आधुनिक ड्रोन: यूक्रेन के कई ड्रोन अपेक्षाकृत कम लागत वाले हैं और जमीन से बहुत कम ऊंचाई पर उड़ते हैं। इसी वजह से रूस की महंगी एयर डिफेंस प्रणाली, जैसे S-400, उन्हें समय पर पहचान नहीं पाती। रूस का विशाल भूभाग है। दुनिया का सबसे बड़ा देश होने के कारण उसकी हर रिफाइनरी, तेल डिपो और ऊर्जा केंद्र की सुरक्षा करना आसान नहीं है। हर जगह एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करना संभव नहीं हो पाता।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंध: इन प्रतिबंधों की वजह से रूस को कई जरूरी विदेशी मशीनें और उपकरण नहीं मिल पा रहे हैं, जिनकी जरूरत रिफाइनरियों की मरम्मत के लिए होती है। इसलिए क्षतिग्रस्त संयंत्रों को जल्दी ठीक करना मुश्किल हो रहा है। रिफाइनरियों को नुकसान पहुंचने का असर अब रूस की जनता पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

देश के 83 में से 55 से ज्यादा क्षेत्रों में पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर सीमाएं लगा दी गई हैं। कई शहरों में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं। कुछ इलाकों में लोगों को सिर्फ 20 से 30 लीटर तक ही पेट्रोल खरीदने की अनुमति है। वहीं साइबेरिया जैसे क्षेत्रों में अधिकतम 40 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है।

पाकिस्तान-तुर्किये की दोस्ती: व्यापार के साथ रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, 'तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है।'

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, 'रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है।' इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं। इस्लामाबाद और अंकारा ने अपने आर्थिक संबंधों को बढ़ाने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करने की प्रतिबद्धता जताई है। तुर्किये के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 1.3 अरब डॉलर था। इस व्यापारिक अंतर को पाटने के लिए दोनों देशों के संबंधित मंत्रालय कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र (स्पेशल इकोनॉमिक जोन) बनाने पर काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि 'पाकिस्तान-तुर्किये बिजनेस कॉन्फ्रेंस' ने उनके इस विश्वास को और मजबूत किया है कि दोनों देशों के आर्थिक संबंध अब एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान 1.3 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को सीधे 5 अरब डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। **रक्षा क्षेत्र पर बड़ा फोकस:** राष्ट्रपति एर्दोगन ने नए रक्षा प्रोजेक्ट्स को दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों की असली रीढ़ करार दिया है। व्यापारिक और औद्योगिक सहयोग को जमीन पर उतारने के लिए कराची में एक विशेष आर्थिक क्षेत्र बनाने की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान में तुर्किये का कुल निवेश लगभग 2 अरब डॉलर है, और तुर्किये कंपनियों ने यहां 3.5 अरब डॉलर के 72 प्रोजेक्ट्स हाथ में लिए हैं।

मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत, खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिफतुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिफतुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिफतुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका। शिकायत में पूर्व मुख्य सलाहकार यूनुस पर कर्तव्य में लापरवाही, कानून का उल्लंघन और लापरवाही के कारण मौतें होने का आरोप लगाया गया है। इसमें पूर्व अंतरिम सरकार की स्वास्थ्य सलाहकार नूरजहां बेगम, यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम और तत्कालीन स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक मोहम्मद अबू जाफर को सह-आरोपी बनाया गया है। कोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, जज 12 जुलाई को यह तय करेंगे कि शिकायत को स्वीकार किया जाए और आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए या नहीं। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दशकों में बांग्लादेश में खसरे के सबसे गंभीर प्रकोप को लेकर कड़ी जांच-पड़ताल हो रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार सुबह खत्म हुए 24 घंटों में सात और मौतों की जानकारी दी। इससे 15 मार्च से खसरे से जुड़ी मौतों की कुल संख्या 738 हो गई है।

आ रहा सुपर तूफान बावी, 280 की रफ्तार से चलेंगी हवाएं और समुद्र में उठेंगी लहरें; अलर्ट जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के प्रशांत महासागर क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह भीषण सुपर टाइफून के खतरे का सामना कर रहे हैं। साल 2026 में यह दूसरी बार है जब इस क्षेत्र पर किसी सुपर तूफान का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। सुपर टाइफून बावी रविवार को टिनियन और रोटा द्वीपों की ओर तेजी से बढ़ रहा था। अमेरिकी संयुक्त टाइफून चेतावनी केंद्र के अनुसार, तूफान की अधिकतम रफ्तार 169 मील प्रति घंटा (करीब 280 किलोमीटर प्रति घंटा) दर्ज की गई है। इसे पांच स्तरों वाले सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर कैटेगरी-5 का तूफान माना गया है, जो सबसे विनाशकारी श्रेणी होती है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि द्वीपों तक पहुंचने से पहले इसकी ताकत और भी बढ़ सकती है।

मौसम एजेंसी के मुताबिक, अधिकांश पूर्वानुमान यह संकेत दे रहे हैं कि सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोटा के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए तूफान की तीव्रता अनुमान से भी अधिक हो सकती है। इसी कारण प्रशासन ने लोगों को पहले से सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी है। अधिकारियों ने कहा है कि तूफान के पूरी तरह गुजरने तक लोग मजबूत इमारतों के भीतर ही रहें और किसी भी स्थिति में बाहर निकलने की कोशिश न करें। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और राहत एवं बचाव एजेंसियों को भी अलर्ट पर रखा गया है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के गवर्नर ने सोशल मीडिया के जरिए नागरिकों से सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पूरी तरह पालन करें और तूफान के दौरान घरों या सुरक्षित आश्रय स्थलों से बाहर न निकलें। इस गंभीर खतरे को देखते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के लिए आपातकालीन आपदा घोषणा को मंजूरी दे दी थी। इससे संघीय एजेंसियों को राहत सामग्री, संसाधन और आपदा प्रबंधन सहायता तेजी से उपलब्ध कराने का रास्ता साफ हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह से गुजरने के बाद सुपर टाइफून बावी पश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले वीकेंड तक ताइवान के लिए भी खतरा बन सकता है। अनुमान है कि उस समय इसकी रफ्तार कम होकर भी कम से कम 127 मील प्रति घंटा (करीब 204 किलोमीटर प्रति घंटा) रह सकती है, जो इसे कैटेगरी-3 का शक्तिशाली तूफान बनाए रखेगी। इसी साल अप्रैल में सुपर टाइफून सिनलाकू ने सैपन समेत उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के कई इलाकों में भारी तबाही मचाई थी। उस तूफान के कारण बड़े पैमाने पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई थी और लोगों को पीने के पानी को उबालकर इस्तेमाल करने की सलाह दी गई थी।

सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी हमारा दोस्त, जेडी वेंस के दावे का नेतन्याहू ने किया खंडन

वॉशिंगटन, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को सिर्फ अमेरिका नहीं, भारत भी उनका दोस्त है। इस तरह उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का खंडन किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया में अमेरिका ही इजरायल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी बचा हुआ है। नेतन्याहू ने 'फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग' कार्यक्रम में कहा कि इजरायल को भारत सहित कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त है।

नेतन्याहू ने कहा कि हमारे कुछ और मित्र भी हैं, जैसे भारत नाम का एक देश। आप जानते हैं, वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और, सच कहूं तो, हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन के दौरान वेंस ने कहा था कि इजरायल को अमेरिका-ईरान शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति से जब उन खबरों के बारे में पूछा गया था कि इजरायली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था कि यदि मैं इजरायल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो दुनिया में बचे अपने एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता। नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें 'फेसबुक' पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि फेसबुक पर मुझे भारी समर्थन मिलता है। संभव है कि कई अन्य जगहों से भी मुझे समर्थन प्राप्त हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज कर दिया कि इजरायल का कोई अन्य सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने कहा कि हमारे बहुत से मित्र हैं। उन्होंने कहा कि कई देश इजरायल की उन्नत साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता का लाभ उठाना चाहते हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि आप जानते हैं, कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, 'बीबी, हमारे यहां जनमत को लेकर कुछ मुश्किलें हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ कारोबार कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना की कुछ चीजें सिखा सकते हैं? और क्या हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता मिल सकती है?' नेतन्याहू ने कहा कि साइबर क्षेत्र में इजरायल दुनिया का दूसरा सबसे अग्रणी देश है और हमारी प्रौद्योगिकी बेहद उन्नत है। इसलिए, हमारे संबंध वास्तव में वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में ईरान, क्षेत्रीय सुरक्षा और सऊदी अरब के साथ संबंधों पर चर्चा होगी। इजरायली मीडिया की खबरों के मुताबिक, नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच हाल ही में फोन पर हुई बातचीत के दौरान निकट भविष्य में अमेरिका में मिलने पर सहमति बनी थी।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार: हजारों प्रदर्शनकारियों पर बरसाईं गोलियां, एक व्यक्ति की मौत; कई घायल

रावलकोट, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने कई जगह गोलियां बरसाईं। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है।

जम्मू-कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर-कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डुडियाल बाजार में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों व प्रदर्शनकारियों में झड़प मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों-प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों को बाहक क्षतिग्रस्त कर दी। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा बनक पियन, संगी मेरा, नरेकाबाद, लोअर छत्तर और बेदलानूर शाह में भी झड़पें हुईं।

पिछले महीने मारे गए 30 प्रदर्शनकारी: पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में अक्टूबर को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, रजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनको राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए।

रूस ने नाटो समिट से पहले यूक्रेन पर दागी बैलिस्टिक मिसाइलें

कीव, एजेंसी। रूस ने सोमवार सुबह-सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया. यह हमला तुर्की में होने वाले नाटो के अहम समिट से एक दिन पहले हुआ है, इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल होने की उम्मीद है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन की एयर फोर्स ने कहा कि हमले में बैलिस्टिक मिसाइल, ड्रोन और क्रूज मिसाइल शामिल थे. हमले के दौरान सुबह-सुबह सेंट्रल कीव में धमाकों की आवाजें सुनी गईं. कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शहर के कम से कम दो जिलों में आग लगने या मलबे के गिरने से हुए नुकसान की खबरें हैं. धमाकों से कुछ देर पहले ही राजधानी में एयर रेड सायरन चालू कर दिए गए थे. यह नया हमला यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की की रविवार की चेतावनी के बाद हुआ है जिसमें कहा गया था कि इंटेलिजेंस से पता चला है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है, जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, 'इंटेलिजेंस एक बार फिर इशारा कर रही है कि रूस एक नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है, यह पुतिन को खासियत है, अमेरिका के इंडिपेंडेंस डे के ठीक बाद और अंकारा में नाटो समिट से पहले रूस लोगों को मारना चाहता है.' सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक यह हमला पिछले गुरुवार को कीव पर रूस के एक बड़े हमले के बाद हुआ है, जिसमें कम से कम 30 लोग मारे गए थे. यह युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन की राजधानी पर तीसरा सबसे जानलेवा हमला है. अंकारा में मंगलवार से शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में यूक्रेन में रूस के युद्ध पर चर्चा होने की उम्मीद है.

रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क इलाके में और ज्यादा इलाके पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं, जो क्रेमलिन का एक मुख्य मकसद है. साथ ही रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन ने रूसी इलाके के अंदर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और मिलिट्री फैक्ट्रीयों सहित जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाकर मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं. रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 4 जुलाई को लगभग 90 मिनट तक फोन पर बात हुई. इसके विदेश मंत्रालय ने कहा कि बातचीत के दौरान, ट्रंप ने फिर से यूक्रेन में युद्ध खत्म करने में मदद की पेशकश की. जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों की जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय पर हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के डोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.